ISO 9001:2015 CERTIFIED

॥ हर हर महादेव ॥

RNI No.: MPHIN/2022/82783

हमारा देश हमारा अभिमान

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए , जनवरी 2026
वर्ष 05, अंक 01 , मासिक पत्रिका

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

26 जनवरी को ही क्यों लागू हुआ था भारतीय संविधान? जानें पूर्ण स्वराज और गणतंत्र का गौरवशाली इतिहास

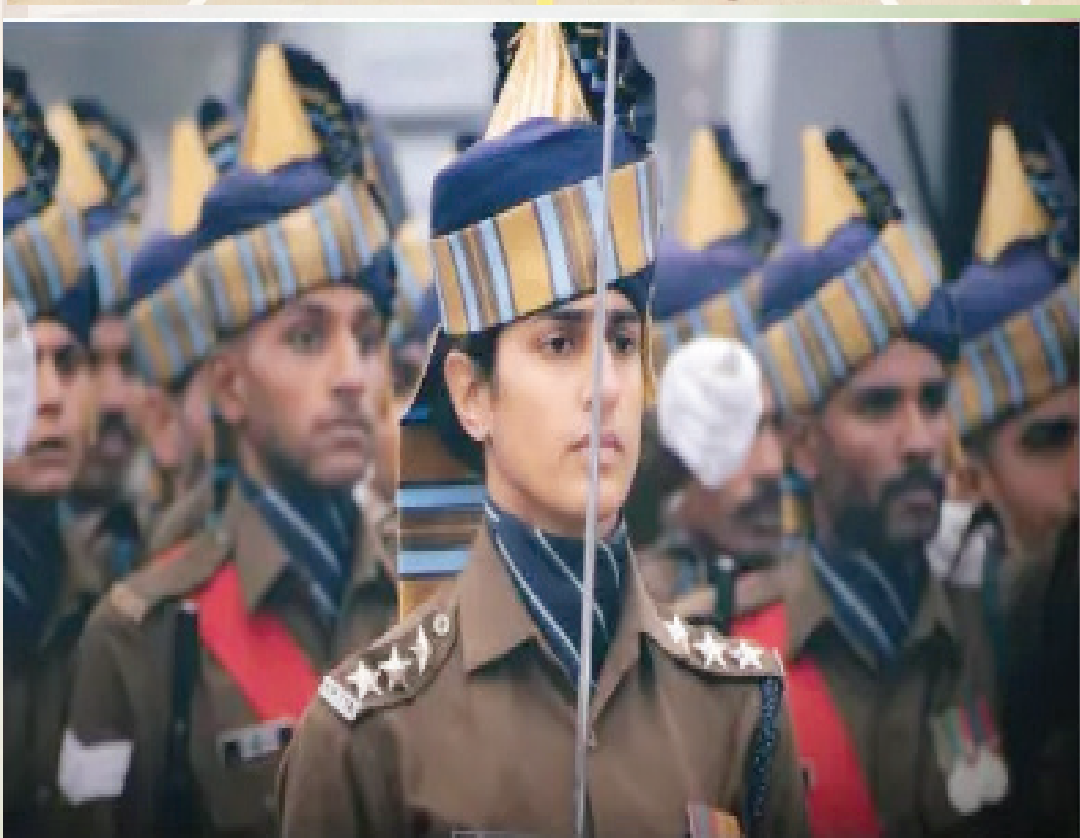

26 जनवरी 2026 को भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। देशभर में स्कूली बच्चों से लेकर सेना के जवानों तक जबरदस्त उत्साह और जोश देखने को मिल रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर हर साल की तरह इस बार भी दिल्ली के 'कर्तव्य पथ' पर भव्य परेड का आयोजन होगा, जिसमें भारतीय सेना का पराक्रम और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियां पेश की जाएंगी।

भारत में हर साल 26 जनवरी का दिन गौरव के साथ मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन 1950 में हमारा संविधान प्रभावी हुआ था। 15 अगस्त 1947 को लंबी गुलामी से आजादी मिलने के लगभग तीन साल बाद भारत ने अपना स्वयं का कानून अपनाया।

हालांकि 1947 में ब्रिटिश राज खत्म हो गया था, लेकिन भारत को एक पूर्ण लोकतांत्रिक गणराज्य की पहचान 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के बाद ही मिली।

आजादी के तुरंत बाद, 29 अगस्त 1947 को डॉ. बी.आर. अंबेडकर की अध्यक्षता में एक प्रारूप समिति (Drafting Committee) का गठन किया गया। इस समिति में कई दिग्गज विद्वान शामिल थे जिन्होंने कड़ी मेहनत के बाद 4 नवंबर 1947 को संविधान का पहला औपचारिक मसौदा सदन में रखा। अगले दो वर्षों तक व्यापक विचार-विमर्श और संशोधनों के बाद, 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा के 308 सदस्यों ने इसके हिंदी और अंग्रेजी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए, जिससे भारत एक संप्रभु गणराज्य बनने के लिए तैयार हुआ।

26 जनवरी के दिन ऐसा क्या हुआ कि यह दिन कहलाने लगा 'गणतंत्र दिवस'

आज से 77 साल पहले 26 जनवरी 1950 को इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में चुना गया था. यानी की यह दिन उत्सव है लोकतंत्र का और उत्सव है संविधान का. दरअसल, 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से आजादी मिलने के बाद, देश को आधिकारिक संविधान की बहुत जरूरत थी. इसलिए 29 अगस्त 1947 को संविधान (Constitution) का मसौदा तैयार करने के लिए एक समिति बनाई गई, जिसका नेतृत्व डॉ. बी.आर. अंबेडकर (Dr. B.R. Ambedkar) ने किया. इस समिति में कई बड़े लोग शामिल थे, जैसे के.एम. मुंशी, मुहम्मद सादुल्लाह, अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर, गोपाला स्वामी अयंगार, एन. माधव राव, और टी.टी. कृष्णमाचारी.

कई बदलाव और चर्चा से बना भारत का संविधान

साल 1947 को 4 नवंबर के दिन संविधान का मसौदा तैयार होकर संविधान सभा में पेश किया गया, जहां अगले 2 सालों तक खूब चर्चा हुई, बैठकें हुई और कई बदलाव भी किए गए, ताकि यह सविंधान न्याय, भरोसा, इक्वलिटी आदि हर मायने में लोगों को इससे जोड़े. फिर 24 जनवरी 1950 के दिन इस संविधान को स्वीकार कर लिया गया और 308 सदस्यों ने संविधान की दो प्रतियों पर हस्ताक्षर किए. एक हिंदी में और दूसरी अंग्रेजी में. इस कदम ने भारत को एक स्वतंत्र गणराज्य के रूप में स्थापित किया.

24 जनवरी को हुआ स्वीकार थो 26 तरीख को क्यों मनाया जाता है गणतंत्र दिवस

रिपोर्ट्स बताते हैं कि संविधान सभा ने तय किया कि संविधान को लागू करने के लिए दो दिन और इंतजार किया जाएगा और फिर 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान देशभर में लागू हुआ. इस तारीख का महत्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) से मिलता है. इस दिन कांग्रेस ने अपने लाहौर सत्र के दौरान 26 जनवरी 1930 को ब्रिटिश शासन से पूर्ण स्वाराज के रूप में नामित किया था और सभी भारतीयों को इसे स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाने का आग्राह किया. सत्र के दौरान ही पहली बार तिरंगा फहराया गया था. इस सत्र के 20 सालों बाद, 26 जनवरी 1950 को ही देश का संविधान बनकर तैयार हुआ और उसे लागू किया गया. यही वजह है कि इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है.

हमारा देश
हमारा अभिमान

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय • श्री सूरज वर्मा
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा • श्री केशव पांडे जी
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन • श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- श्री कमांडों कमल किशोर (पूर्व सांसद)
- श्री के. कान्याल • श्री मधु सुदन मिश्रा
- श्री राजेश कुमार त्रिपाठी
- श्री किशोर कान्याल, साइंटिस्ट • श्री डॉ. रजनीश चतुर्वेदी
- श्री मुकुल गुप्ता जी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

- श्री पंकज दीक्षित
  प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार -एडवोकेट रिचा पांडे (सुप्रीमकोर्ट)
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट, रजत रघुवंशी, एडवोकेट इंदौर हाइकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
[redacted]

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- श्री डॉ सुनील शर्मा (नेत्र रोग विशेषज्ञ)
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ.दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायण गुप्ता
- श्री पीयुष श्रीवास्तव
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- श्री प्रदीप यादव
- श्री निरंजन शर्मा
- श्री विनीत गोयल
- श्री डॉ. सुधीर राजौरिया हड्डी रोग विशेषज्ञ
- श्री आशीष त्रिवेदी
- श्री डॉक्टर अशोक राजौरिया हेमाटोजिस्ट और बोन मेरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट
- श्री शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
- श्री विजय शर्मा
- श्री डॉ. कमल कटारिया
- श्री यशवंत गोयल
- दीपक भार्गव
- श्री अमित जैन इंदौर
- श्री सुरजित परमार
- श्री संजू जादौन
- श्री डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- श्री प्रमेन्द्र चतुर्वेदी
- श्री प्रखर सिंह
- श्री प्रदीप भदौरिया
- श्री डॉ दिव्य दर्शन शर्मा
- श्री विजय महाजन
- एडवोकेट श्री धर्मेंद्र चतुर्वेदी कानूनी सलाहकार
- एडवोकेट श्री सीएम श्रीवास्तव कानूनी सलाहकार
- श्री सोनिश बशिष्ठ
- श्री अवधेश मीणा

सह सलाहकार

- श्री विनीत त्रिपाठी जी. एम. लैंडमार्क एनएक्स,
- श्री विनीत त्रिपाठी (जी.एम. लैंडमार्क एन एक्स) मंगला चतुर्वेदी, सोनीष वसिष्ठ,
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (प्रो.जोधपुर मिष्ठान भंडार), कमल वर्मा अजय चतुर्वेदी,चंचल शर्मा, अनिल शर्मा
- श्री अनूप शर्मा , एम डी मैसर्स पलिया कंस्ट्रक्शन
- श्री राजेश शर्मा
- अमित गर्ग राजस्था न
- मनीष पाण्डे • एडवोकेट सुमित श्रीवास्तव

विशेष सह सलाहकार - श्री अतेंद्र सिंह रावत

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्चना खन्ना, अजय चतुर्वेदी (आशु)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी । (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

सुविचार

"गलतियाँ वही करते हैं जो कुछ करने की कोशिश करते हैं।"

संपादकीय	04-05
ग्वालियर	06-11
इंदौर	12-15
मध्य प्रदेश	17-28
फैशन	29
कैरियर	30
पर्यटन	31-32
ऑटोमोबाइल	33
सायबर अवेयनेस	34
बिजनेस आईडिया	35
रोजगार	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वास्तु	40
स्वास्थ्य	41-43
अंतराष्ट्रीय	44
ब्यूटी कैयर- वैल्थ कैयर	45-46
बॉलिवुड	47
फैशन	48-49
रैसिपी	50
ट्रैंडिंग जॉब	51

आजकल freelancing की डिमांड तेजी से बढ़ रही है, और इसके कई कारण हैं। पहले, work-from-home culture की बढ़ती लोकप्रियता ने freelancing को एक अच्छा विकल्प बना दिया है, जिससे लोग अपने घर से काम करके अपनी लाइफ को बैलेंस कर सकते हैं। दूसरा, freelancing में flexible working hours का फायदा मिलता है, जिससे लोग अपने काम के समय को अपनी जरूरत के हिसाब से तय कर सकते हैं।

पढ़ें पेज 35

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

26 जनवरी : भारतीय गणतंत्र की गौरवगाथा, संविधान की शक्ति और राष्ट्रीय एकता का उत्सव

26 जनवरी भारत के राष्ट्रीय इतिहास में केवल एक तारीख नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक यात्रा का प्रतीक है जिसने एक गुलाम राष्ट्र को आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी और लोकतांत्रिक गणराज्य में परिवर्तित किया। यह वही दिन है जब भारत ने दुनिया के सामने यह घोषणा की कि अब इस देश का शासन किसी विदेशी सत्ता के हाथों में नहीं, बल्कि भारत की जनता की इच्छा, कानून और संविधान के अनुसार चलेगा। हर वर्ष 26 जनवरी को मनाया जाने वाला गणतंत्र दिवस हमें स्वतंत्रता संग्राम की कुर्बानियों, संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता और लोकतंत्र की शक्ति की याद दिलाता है। भारत को 15 अगस्त 1947 को ब्रिटिश शासन से आज़ादी मिली, लेकिन आज़ादी के साथ-साथ सबसे बड़ी चुनौती थी देश को एक ऐसी शासन व्यवस्था देना, जो विविधताओं से भरे इस विशाल राष्ट्र को एक सूत्र में बाँध सके। भाषा, धर्म, संस्कृति, परंपरा और भौगोलिक विविधता से भरे भारत के लिए एक सशक्त और समावेशी संविधान की आवश्यकता थी। इसी उद्देश्य से संविधान सभा का गठन किया गया, जिसने लगभग तीन वर्षों की अथक मेहनत, गहन विमर्श और व्यापक विचार-विमर्श के बाद भारतीय संविधान का निर्माण किया। 26 नवंबर 1949 को संविधान को औपचारिक रूप से अपनाया गया, लेकिन इसे लागू करने के लिए 26 जनवरी 1950 की तिथि चुनी गई, ताकि 26 जनवरी 1930 को किए गए पूर्ण स्वराज के ऐतिहासिक संकल्प को सम्मान दिया जा सके। 26 जनवरी 1950 का दिन भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। इसी दिन भारत आधिकारिक रूप से एक गणतंत्र बना। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने सुबह 21 तोपों की सलामी के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भारत को पूर्ण गणराज्य घोषित किया। इसके बाद उन्होंने संसद भवन के ऐतिहासिक दरबार हॉल में राष्ट्रपति पद की शपथ ली। यह क्षण केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं था, बल्कि यह उस सपने के साकार होने का प्रतीक था, जिसे स्वतंत्रता सेनानियों ने वर्षों तक अपने संघर्ष और बलिदान से सींचा था। इसके पश्चात आयोजित की गई भव्य परेड और ध्वजारोहण समारोह ने देशवासियों के मन में गर्व, आत्मविश्वास और एक नई शुरुआत का भाव भर दिया। भारतीय संविधान न केवल शासन का आधार है, बल्कि यह देश के प्रत्येक नागरिक के अधिकारों, कर्तव्यों और स्वतंत्रताओं का संरक्षक भी है। यह संविधान लोकतंत्र, समानता, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है। इसके अंतर्गत हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समान अवसर और कानून के समक्ष समानता का अधिकार प्राप्त है। संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर और उनके सहयोगियों ने यह सुनिश्चित किया कि भारत का संविधान केवल कागज़ी दस्तावेज़ न होकर सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बने। गणतंत्र दिवस उन सभी महान व्यक्तित्वों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है, जिन्होंने एक सशक्त और न्यायपूर्ण भारत की नींव रखी। 1950 से ही 26 जनवरी को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया है और तब से यह दिन पूरे देश में बड़े हर्षोल्लास और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाया जाता है। राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाला गणतंत्र दिवस समारोह इस उत्सव का केंद्र होता है, जहाँ देश की सांस्कृतिक विविधता, सैन्य क्षमता और राष्ट्रीय एकता का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिलता है। राष्ट्रपति द्वारा ध्वजारोहण, राष्ट्रगान और 21 तोपों की सलामी के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होती है, जो शहीदों के बलिदान को नमन करने का प्रतीक है। इसके बाद कर्तव्य पथ पर निकलने वाली परेड भारत की "अनेकता में एकता" की जीवंत झलक प्रस्तुत करती है। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की झांकियाँ अपनी-अपनी लोकसंस्कृति, परंपराओं, उपलब्धियों और विकास की झलक दिखाती हैं। वहीं भारतीय थलसेना, नौसेना और वायुसेना की टुकड़ियाँ अपने अनुशासन, साहस और तकनीकी सामर्थ्य का प्रदर्शन करती हैं। यह परेड न केवल भारत की सैन्य शक्ति को दर्शाती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि देश की सीमाएँ सुरक्षित हाथों में हैं। गणतंत्र दिवस केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसकी गूंज देश के हर कोने में सुनाई देती है। स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी दफ्तरों और सामाजिक संस्थानों में ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण और देशभक्ति गीतों के माध्यम से इस दिन को मनाया जाता है। बच्चों और युवाओं को संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रीय मूल्यों के बारे में जागरूक किया जाता है, ताकि वे एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में देश के भविष्य का निर्माण कर सकें। यह दिन नागरिकों को उनके अधिकारों के साथ-साथ उनके कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। गणतंत्र दिवस परेड विशेष महत्व रखती है, क्योंकि यह भारतीय संविधान के 76 वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक है। इस अवसर पर आयोजित होने वाली परेड में भारत की सांस्कृतिक विविधता और सैन्य शक्ति के साथ-साथ जनभागीदारी और लोकतांत्रिक चेतना पर विशेष जोर दिया जाएगा। 26 जनवरी 2025 की सुबह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद राष्ट्रपति एक भव्य औपचारिक बग्गी में कर्तव्य पथ पर पहुंचेंगे और औपचारिक मार्च पास्ट के दौरान सलामी लेंगी। इस वर्ष की परेड में सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों, सहायक नागरिक बलों के साथ एनसीसी और एनएसएस की इकाइयाँ भाग लेंगी, जो देश के युवाओं की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का प्रतीक होंगी। कुल 31 झांकियाँ विभिन्न राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के मंत्रालयों एवं विभागों की ओर से प्रस्तुत की जाएंगी। राष्ट्रगान के पश्चात भारतीय संविधान के 75वें वर्ष के आधिकारिक लोगो वाले बैनर के साथ गुब्बारे छोड़े जाएंगे, जो लोकतंत्र की निरंतरता और संविधान की मजबूती का संदेश देंगे। कार्यक्रम का समापन भारतीय वायुसेना के 47 विमानों के भव्य फ्लाईपास्ट के साथ होगा, जो देश की वायु शक्ति और आधुनिक तकनीकी क्षमता को दर्शाएगा। गणतंत्र दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि आज़ादी और लोकतंत्र हमें यूँ ही नहीं मिले हैं, बल्कि इनके पीछे असंख्य बलिदान, संघर्ष और त्याग की कहानियाँ छिपी हैं। यह दिन हमें संविधान के प्रति निष्ठावान रहने, कानून का सम्मान करने और देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लेने का अवसर देता है। 26 जनवरी वास्तव में भारत की आत्मा का उत्सव है, जो हमें अतीत की गौरवशाली विरासत से जोड़ते हुए एक सशक्त, समृद्ध और लोकतांत्रिक भविष्य की ओर प्रेरित करता है।

डॉ. श्रीमन
नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

26 जनवरी का गणतंत्र दिवसः राजपथ की भव्य परेड, शहीदों को नमन और भारत की एकता-शक्ति का विराट उत्सव

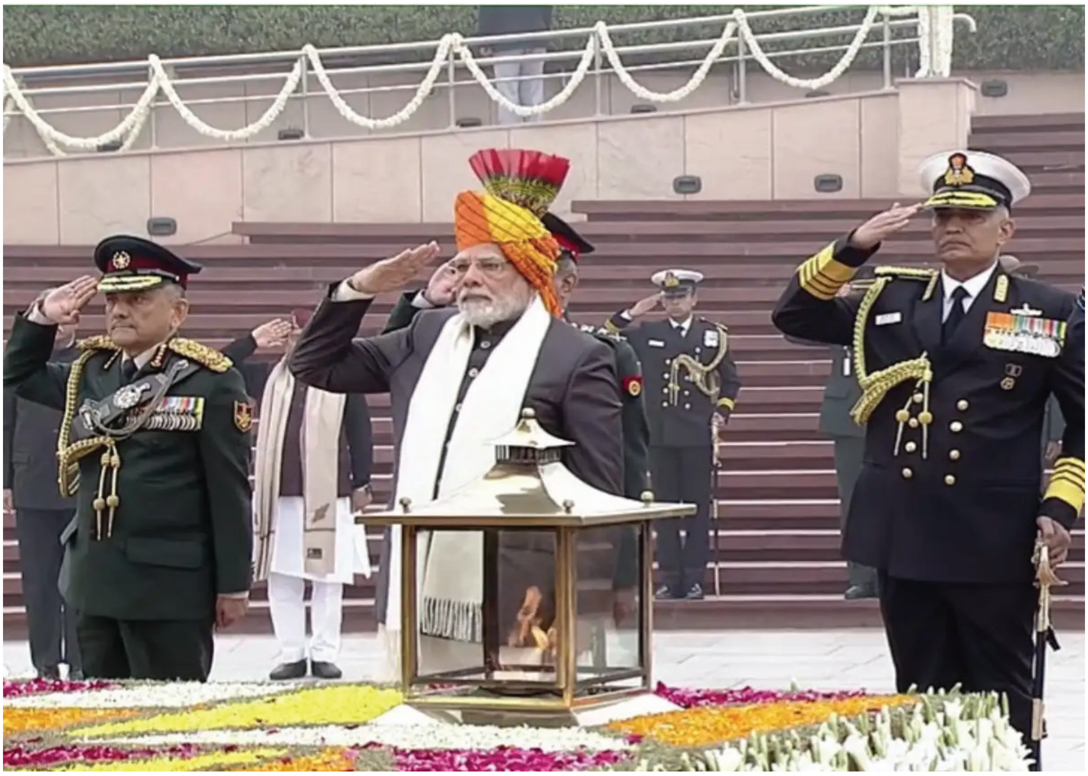

26 जनवरी को मनाया जाने वाला गणतंत्र दिवस भारत के राष्ट्रीय जीवन का सबसे गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक पर्व माना जाता है। इस दिन पूरे देश में लोकतंत्र, संविधान और राष्ट्रीय एकता का उत्सव मनाया जाता है। गणतंत्र दिवस समारोह की शुरुआत भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारतीय राष्ट्र ध्वज तिरंगे को फहराने के साथ होती है। जैसे ही ध्वज फहराया जाता है, पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से सराबोर हो जाता है और उपस्थित सभी लोग सामूहिक रूप से खड़े होकर पूरे सम्मान और गर्व के साथ राष्ट्रगान गाते हैं। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी जाती है, जो देश की संप्रभुता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह क्षण हर भारतीय के मन में देश के प्रति समर्पण और कर्तव्यबोध की भावना को और अधिक मजबूत करता है। गणतंत्र दिवस का आयोजन पूरे देश में अत्यंत उत्साह और उल्लास के साथ किया जाता है, लेकिन इसकी भव्यता और विशेष आकर्षण भारत की राजधानी नई दिल्ली में देखने को मिलता है। इस अवसर के ऐतिहासिक और राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित करने के लिए हर वर्ष राजधानी में राजपथ पर एक भव्य परेड का आयोजन किया जाता है, जो इंडिया गेट से प्रारंभ होकर राष्ट्रपति भवन तक जाती है। यह परेड भारत की सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता का जीवंत प्रदर्शन होती है। परेड में भारतीय सेना की विभिन्न रेजिमेंट, भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना के जवान अपने अनुशासन, शौर्य और पराक्रम का प्रदर्शन करते हैं, जिससे देशवासियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर गर्व महसूस होता है। इस राष्ट्रीय समारोह में देश के कोने-कोने से राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स और विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएँ भाग लेने के लिए आते हैं। गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होना उनके लिए न केवल एक यादगार अनुभव होता है, बल्कि इसे एक बड़े सम्मान के रूप में भी देखा जाता है। युवाओं की यह भागीदारी देश के उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्रनिर्माण में उनकी भूमिका का प्रतीक होती है। बच्चों और युवाओं में इस दिन के माध्यम से देशभक्ति, अनुशासन और नागरिक कर्तव्यों की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया जाता है। परेड की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री राजपथ के एक छोर पर स्थित इंडिया गेट पहुंचते हैं, जहाँ वे अमर जवान ज्योति पर पुष्प माला अर्पित कर देश के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हैं। अमर जवान ज्योति उन वीर जवानों की स्मृति का प्रतीक है, जिन्होंने देश की संप्रभुता और सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। इसके बाद शहीद सैनिकों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा जाता है, जो स्वतंत्रता संग्राम और युद्धों में बलिदान देने वाले वीरों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता को दर्शाता है। यह क्षण पूरे देश को यह याद दिलाता है कि आज़ादी, लोकतंत्र और सुरक्षित भविष्य अनगिनत बलिदानों का परिणाम है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ राजपथ पर बने मंच तक पहुंचते हैं। इसके पश्चात राष्ट्रपति अपने मुख्य अतिथि के साथ समारोह स्थल पर आते हैं और परेड की सलामी लेते हैं। इसके बाद परेड का भव्य आयोजन शुरू होता है, जिसमें कदमताल, सैन्य वाहनों की झलक और वायुसेना के हवाई करतब सभी का मन मोह लेते हैं। यह दृश्य न केवल भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करता है, बल्कि देश की तैयारियों और आत्मनिर्भरता का भी संदेश देता है। गणतंत्र दिवस परेड की एक प्रमुख विशेषता विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की झांकियाँ होती हैं। इन झांकियों के माध्यम से प्रत्येक राज्य अपनी सांस्कृतिक विरासत, लोककला, लोकगीत, परंपराओं और विकास की झलक प्रस्तुत करता है। हर झांकी भारत की विविधता में एकता और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है। कहीं लोकनृत्य की झलक दिखाई देती है तो कहीं ऐतिहासिक धरोहरों और आधुनिक विकास की झांकी देखने को मिलती है। यह परेड भारत की आत्मा और उसकी बहुरंगी संस्कृति का सजीव चित्र प्रस्तुत करती है। गणतंत्र दिवस की परेड और जुलूस का सीधा प्रसारण राष्ट्रीय टेलीविजन पर किया जाता है, जिसे देश के हर कोने में करोड़ों लोग देखते हैं। यह प्रसारण उन लोगों को भी इस राष्ट्रीय उत्सव से जोड़ता है, जो स्वयं दिल्ली में उपस्थित नहीं हो पाते। इस प्रकार गणतंत्र दिवस पूरे देश को एक सूत्र में बाँधने का कार्य करता है। वर्ष 2014 में भारत के 72वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के प्रोटोकॉल विभाग द्वारा पहली बार मुंबई के मरीन ड्राइव पर भी परेड का आयोजन किया गया था, जो नई दिल्ली के राजपथ पर होने वाली परेड की तर्ज पर आयोजित की गई। यह पहल दर्शाती है कि गणतंत्र दिवस का उत्सव केवल राजधानी तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश की भावना और गौरव का प्रतीक है। कुल मिलाकर, 26 जनवरी का गणतंत्र दिवस समारोह भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान की सर्वोच्चता और राष्ट्रीय एकता का उत्सव है। यह दिन हर भारतीय को अपने कर्तव्यों की याद दिलाता है और देश के प्रति समर्पण, सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को और अधिक मजबूत करता है।

लोकतंत्र, विकास और वैश्विक नेतृत्व का संदेश : संसद परिसर से पीएम मोदी का बड़ा दावा, 25 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर

नई दिल्ली स्थित संसद परिसर गुरुवार को एक ऐतिहासिक और वैश्विक महत्व के आयोजन का साक्षी बना, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28वें कॉमनवेल्थ स्पीकर्स और प्रिसाइडिंग ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस (CSPOC) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने भारत की विकास यात्रा, लोकतांत्रिक परंपराओं और वैश्विक भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और बीते कुछ वर्षों में करीब 25 करोड़ भारतीयों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। प्रधानमंत्री का यह संबोधन न सिर्फ भारत की उपलब्धियों का लेखा-जोखा था, बल्कि वैश्विक मंच पर लोकतंत्र और मानव कल्याण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का भी स्पष्ट संकेत था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वास्तविक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास और कल्याण का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि भारत में लोक कल्याण की भावना के साथ नीतियां बनाई जा रही हैं, जिनमें बिना किसी भेदभाव के हर नागरिक को केंद्र में रखा गया है। इसी सोच का परिणाम है कि करोड़ों लोग गरीबी की रेखा से बाहर निकल सके हैं और उन्हें सम्मानजनक जीवन की ओर आगे बढ़ने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बदलाव केवल सरकारी आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के गांवों, कस्बों और शहरों में साफ तौर पर महसूस किया जा सकता है। अपने लंबे संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान के तहत भारत ने दुनिया को यह दिखाया है कि तकनीक को किस तरह आम आदमी के जीवन से जोड़ा जा सकता है। UPI आज दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट सिस्टम बन चुका है, जिसके जरिए करोड़ों लोग रोजमर्रा के लेनदेन बिना नकद के कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह न केवल सुविधा और पारदर्शिता को बढ़ाता है, बल्कि भ्रष्टाचार को भी कम करता है और अर्थव्यवस्था को औपचारिक स्वरूप देता है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन उत्पादक देश है। कोविड-19 महामारी के कठिन दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया संकट में थी, तब भारत ने अपनी जरूरतों के साथ-साथ वैश्विक जिम्मेदारी को भी समझा। देश ने 150 से अधिक देशों को दवाइयां और वैक्सीन उपलब्ध कराईं, जिससे लाखों लोगों की जान बचाने में मदद मिली। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारत की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें मानवता को सबसे ऊपर रखा जाता है और सीमाओं से परे जाकर सहयोग की भावना को अपनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक देश है। स्टार्टअप के क्षेत्र में भी भारत ने वैश्विक पहचान बनाई है और आज देश दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। एविएशन सेक्टर में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बन गया है। रेल नेटवर्क के मामले में भारत चौथे स्थान पर है और मेट्रो रेल नेटवर्क के क्षेत्र में भी देश दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि भारत अब केवल संभावनाओं का देश नहीं रहा, बल्कि उपलब्धियों और परिणामों का देश बन चुका है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भारतीय लोकतंत्र की ऐतिहासिक यात्रा को भी याद किया। उन्होंने कहा कि आजादी के समय कई लोगों को यह आशंका थी कि इतनी विविधता और बहुलता वाला देश लोकतंत्र को लंबे समय तक संभाल नहीं पाएगा। लेकिन भारत ने इन सभी आशंकाओं को गलत साबित किया और विविधता को अपनी ताकत बना लिया। भाषा, संस्कृति, धर्म और परंपराओं की भिन्नता के बावजूद भारत का लोकतंत्र लगातार मजबूत हुआ है और समय के साथ और अधिक परिपक्व बना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यही भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता है। प्रधानमंत्री ने उस ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल का भी उल्लेख किया, जहां यह सम्मेलन आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि यही वह स्थान है, जहां संविधान सभा की ऐतिहासिक बैठकें हुई थीं और आजादी के बाद दशकों तक यहीं से संसद का संचालन हुआ। देश के भविष्य से जुड़े कई बड़े फैसले इसी हॉल में लिए गए। लोकतंत्र के प्रति सम्मान और उसकी विरासत को संरक्षित रखने के उद्देश्य से इस स्थल का नाम 'संविधान सदन' रखा गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भवन भारत की लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक है। महिलाओं की भागीदारी पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का एक बड़ा आधार महिलाओं का सशक्तिकरण है। आज देश की राष्ट्रपति एक महिला हैं, दिल्ली की मुख्यमंत्री भी महिला हैं और देशभर में ग्रामीण व स्थानीय निकायों में करीब 15 लाख महिला निर्वाचित प्रतिनिधि सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। यह संख्या कुल प्रतिनिधित्व का लगभग आधा हिस्सा है, जो दुनिया में बहुत कम देशों में देखने को मिलता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, संतुलित और मजबूत बनाती है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कर रहे हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में यह सम्मेलन लोकतांत्रिक संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि भारत की सात दशकों से अधिक की संसदीय यात्रा ने यह साबित किया है कि जनकल्याण से जुड़ी नीतियों के जरिए लोकतंत्र को मजबूत किया जा सकता है। ओम बिरला ने कहा कि इस सम्मेलन के जरिए कॉमनवेल्थ देशों के स्पीकर्स और प्रेसाइडिंग ऑफिसर्स अपने अनुभव साझा करेंगे और एक-दूसरे से सीखेंगे। सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल, सोशल मीडिया के प्रभाव, आम नागरिकों की लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ाने, सांसदों और संसद से जुड़े कर्मचारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियों जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। इसके साथ ही लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाए रखने में स्पीकर्स और प्रेसाइडिंग ऑफिसर्स की भूमिका पर भी विशेष सत्र आयोजित किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ने यह भी बताया कि इस बार सम्मेलन से जुड़ा अधिकांश काम डिजिटल माध्यम से किया गया है, ताकि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सके और कागज के इस्तेमाल को कम किया जा सके। सम्मेलन से जुड़े सवालों के जवाब में ओम बिरला ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान इस सम्मेलन में हिस्सा नहीं ले रहा है, जबकि बांग्लादेश में इस समय स्पीकर का पद खाली है और वहां अगले महीने आम चुनाव होने हैं, इसलिए वहां से प्रतिनिधित्व नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि 27वां CSPOC सम्मेलन जनवरी 2024 में युगांडा में आयोजित हुआ था और इस बार 28वें सम्मेलन की मेजबानी भारत कर रहा है, जिसे भागीदारी और विषयों की विविधता के लिहाज से अब तक का सबसे बड़ा सम्मेलन माना जा रहा है। तीन दिनों तक चलने वाला यह सम्मेलन भारत के लिए केवल एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन नहीं है, बल्कि यह उस आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है, जिसके साथ देश आज वैश्विक मंच पर खड़ा है। संसद परिसर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संदेश साफ था कि भारत विकास, लोकतंत्र और मानवता के मूल्यों के साथ आगे बढ़ते हुए न केवल अपने नागरिकों का जीवन बेहतर बना रहा है, बल्कि दुनिया को भी सहयोग और साझेदारी का रास्ता दिखा रहा है।

मध्यप्रदेश बना सबसे तेज़ी से आगे बढ़ने वाला राज्य : केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह

मध्यप्रदेश में निवेश करना हर तरह से फायदे का सौदा – रुपया लगाकर यहाँ करोड़ों कमाए जा सकते हैं, आकर्षक नीतियों और पारदर्शी प्रशासन से ही मध्यप्रदेश ने हासिल किया इस साल सर्वाधिक निवेश

भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में मध्यप्रदेश करेगा सर्वाधिक भागीदारी

ग्वालियर की धरा से मध्यप्रदेश ने पूरे देश को दिशा विकास का नया संदेश, अभ्युदय मध्यप्रदेश में सहभागी बनना ही स्व श्री अटल जी को सच्ची श्रद्धांजलि

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की लागत से औद्योगिक/ निर्माण इकाईयों का किया सामूहिक भूमिपूजन निवेशकों और उद्योगपतियों को आशय पत्र एवं भूमि आवंटन पत्र भी वितरित किए

प्रदेश के औद्योगिक विकास पर आधारित कॉफी टेबल बुक और निवेश पुस्तिका का किया विमोचन

साइबर अपराधों के लिए ई-जीरो एफआईआर की शुरुआत, ऐसी व्यवस्था लागू करने में म.प्र. देश का दूसरा राज्य मध्यप्रदेश लघु एवं कुटीर उद्योग में बनने जा रहा है देश का कॉटेज इंडस्ट्री हब

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में मध्यप्रदेश अव्वल, इस मामले में भारत जल्द ही बनेगा ग्लोबल लीडर

पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी की जयंती पर आयोजित "अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट" में शामिल हुए केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि मध्यप्रदेश अब देश में सबसे तेज गति से विकास करने वाला राज्य बन गया है। बीते सालों की वैश्विक आर्थिक उतार-चढ़ाव से अलग रहकर अनेकानेक चुनौतियों और संसाधनों के अभाव से उबरकर प्रदेश ने जिस रफ्तार से प्रगति की है, वह पूरे देश को अभिप्रेरित करती है। कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, सिंचाई, उद्योग, ऊर्जा, पर्यटन, स्वास्थ्य सुधार, खनन, फार्मा, नवकरणीय ऊर्जा और वृहद संख्या में आधारभूत अवसंरचनाएं, हर क्षेत्र में मध्यप्रदेश आज अग्रणी राज्यों की पंक्ति में खड़ा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने अपनी नई सोच, उद्यमशीलता, प्रगतिशील दृष्टिकोण और नवाचारों के माध्यम से विकास के ऐसे मानक स्थापित किए हैं, जिनका अनुसरण अब अन्य राज्य भी कर रहे हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह गुरुवार को भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जन्म जयंती के विशेष अवसर पर ग्वालियर के मेला मैदान में आयोजित "अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट" को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि भारत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है और निःसंदेह यह तय है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि में मध्यप्रदेश का योगदान सबसे बड़ा होगा। उन्होंने प्रदेश के नेतृत्व और प्रशासनिक क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि यहां निवेश के लिए अनुकूल वातावरण, स्पष्ट नीतियां और मजबूत इच्छाशक्ति दिखाई देती है। इन्हीं सभी प्लस फैक्टर्स से ही मध्यप्रदेश ने इस साल देश में बड़ी संख्या में निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं। इस मामले में मध्यप्रदेश ने देश में तीसरा स्थान हासिल किया है।

इस अवसर पर गृह मंत्री श्री शाह ने 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की निवेश लागत से प्रदेश के विभिन्न अंचलों में स्थापित होने वाली हजारों औद्योगिक एवं निर्माण इकाइयों का सामूहिक भूमिपूजन किया। गृह मंत्रीश्री शाह ने मंच से 5,810 करोड़ रुपए लागत से औद्योगिक विकास परियोजनाओं एवं सड़क विकास कार्यों का लोकार्पण कर 860 वृहद औद्योगिक इकाईयों को 725 करोड़ रुपए की निवेश प्रोत्साहन सहायता राशि सिंगल क्लिक से वितरित की। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने मध्यप्रदेश में बीते दो साल में हुए औद्योगिक विकास पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक और निवेश पुस्तिका का विमोचन भी किया। गृह मंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर प्रदेश में सायबर अपराधों को समुचित तरीके से हैंडल करने के लिये प्रदेश में ई-जीरो एफआईआर की शुरूआत भी की। नईदिल्ली के बाद ऐसा करने वाला मध्यप्रदेश दूसरा राज्य है। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने मंच से चार निवेशकों को भूमि आवंटन पत्र एवं लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किए। इनमें मैक्केन ग्रुप के डायरेक्टर श्री अमिताभ बक्शी, एलएनजे (भीलवाड़ा समूह) के चेयरमैन श्री रिजु झुनझुनवाला, ग्रीन वेंट प्रा. लि. के श्री आशीष कुमार उपाध्याय तथा नेचर्स बायो फूड्स के वाइस प्रेसिडेंट श्री राजेश जायसवाल शामिल हैं। गृह मंत्री श्री शाह ने मंच से 5,810 करोड़ रुपए लागत से औद्योगिक विकास परियोजनाओं एवं सड़क विकास कार्यों का लोकार्पण कर 860 वृहद औद्योगिक इकाईयों को 725 करोड़ रुपए की निवेश प्रोत्साहन सहायता राशि भी सिंगल क्लिक से वितरित की। इस अवसर पर ग्वालियर जिले में 153.04 करोड़ रुपए की लागत वाले 57 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं 23.79 करोड़ रुपए लागत के 13 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन, उच्च रोजगार सृजन करने वाले उद्योगपतियों का किया सम्मान

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह एवं अतिथियों द्वारा प्रदेश में उच्च रोजगार सृजन करने वाले उद्योगपतियों का सम्मान किया गया। इनमें वीई कमर्शियल व्हीकल्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर श्री बी. श्रीनिवास, वर्धमान ग्रुप के सीनियर प्रेसिडेंट श्री राजीव आगरा, न्यू जील फैशन वेयर के प्रबंध संचालक श्री दीनबंधु त्रिवेदी और गोकलदास एक्सपोर्ट्स के कार्यकारी संचालक श्री प्रभात सिंह शामिल हैं। विजन 2047 पर आधारित औद्योगिक विकास यात्रा पर लगाई गई प्रदर्शनी का केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह एवं अन्य अतिथियों ने अवलोकन किया। प्रदेश सरकार द्वारा विकास 2 वर्षों में औद्योगिक निवेश और आर्थिक विकास के लिए किए गए प्रयासों तथा ई-जीरो एफआईआर की जानकारी पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया । साथ ही रिसोर्सेस, रिफॉर्म्स एंड राइज कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक के औद्योगिक निर्माण कार्यों का एक साथ भूमिपूजन हुआ है। यह बताता है कि राज्य सरकार कितनी तेजी से मध्यप्रदेश का औद्योगिक विकास करना चाहती है। उद्यम से उद्योग स्थापित होता है और उद्योगों से रोजगार सृजित होते हैं। हर हाथ को काम मिलता है। इसी से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। उद्योग और अर्थव्यवस्था एक दूसरे के पूरक हैं। मध्यप्रदेश सरकार का औद्योगिक विकास के लिए उठाया जा रहा हर कदम देश-प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने में कारगर साबित हो रहा है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह ने कहा है कि स्वर्गीय अटल जी की जयंती पर आयोजित अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट से राज्य के विकास को गति मिलेगी। ग्वालियर क्षेत्र ने सालों से देश को ऊर्जा और गति दी है। मुगलों के साथ संघर्ष के समय भी ग्वालियर क्षेत्र में थाना लगाया गया था। तानसेन के संगीत ने देश की सांस्कृतिक विरासत को नई गति दी है। इसी क्षेत्र में आजादी के कालखंड और देश की आजादी के बाद सेना और पैरा मिलिट्री फोर्स में सर्वाधिक जवान देने का कार्य किया है। ग्वालियर की भूमि ने ही स्व. अटल जी को विराट व्यक्तित्व प्रदान किया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सभा में हिन्दी में भाषण देकर हिंदी को गौरव दिलाया। अटलजी के नेतृत्व में ही देश में पहली बार जनजातीय कार्य

विभाग बना और जनजातीय कल्याण को गति मिली। अटलजी जब प्रधानमंत्री बने तब देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को उतना महत्व नहीं दिया जाता था। अटलजी ने देश को सड़क विकास परियोजनाओं को सौगात दी। उन्होंने देश को परमाणु संपन्न राष्ट्र बनाया। करगिल युद्ध में विजय अटलजी के दृढ़ निश्चयी महान व्यक्तित्व का परिचायक है। अटलजी राजनीति के महामानव थे, अजात शत्रु थे, वे सच्चे अर्थों में युग दृष्टा थे। श्री शाह ने स्व. अटल जी के साथ पं. मदन मोहन मालवीय की जयंती और श्री सी. राजगोपालाचारी की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें भी श्रद्धांजलि दी।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने मध्यप्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई देते हुए कहा कि देश में इंडस्ट्रियल समिट की शुरुआत श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में की थी। वाइब्रेंट गुजरात समिट के माध्यम से राज्य में निवेश आता था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए राज्य के संतुलित विकास के लिए रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव की शुरुआत की। यह मध्यप्रदेश के अंदर सभी क्षेत्रों में निवेश का आधार बना है। भविष्य में सभी राज्यों में ऐसे प्रयास किए जाएंगे। विकास के लिए राज्यों का संतुलित आवश्यक है। अलग-अलग क्षेत्रों में विकास की अलग संभावनाएं होती है। धार में पीएम मित्र पार्क से कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश में भौगोलिक क्षेत्र के आधार आयोजित हो रही निवेश समिट से राज्य के विकास को नई दिशा मिल रही है। आज ग्वालियर में 2 लाख करोड़ से अधिक लोकार्पण और भूमिपूजन हुए हैं। विपक्षी दलों की सरकार में मध्यप्रदेश एक बीमारू राज्य हुआ करता था। पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान इस राज्य को बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर लेकर आए। अब मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में सड़क एवं सिंचाई के लिए विकास कार्य हो रहे हैं। सिंचाई के रकबे में 17 प्रतिशत बढ़त हासिल हुई है। मध्यप्रदेश ने पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़कर सात बार लगातार कृषि कर्मण पुरस्कार जीता है। मध्यप्रदेश की देश में केन्द्रीय और आकर्षक भौगोलिक स्थिति का शत-प्रतिशत दोहन करने के लिए इंदौर में एक मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क विकसित किया जा रहा है। यह देश विदेश के निवेशकों और उद्योगपतियों को आकर्षित कर रहा है। आज मध्यप्रदेश के पास सरप्लस बिजली है। स्वच्छता में भी मध्यप्रदेश ने सबको पीछे छोड़ा है। मेट्रो परिचालन देश में सबसे सस्ता मध्यप्रदेश में है। प्रदेश में कृषि, टूरिज्म, उद्योग हर क्षेत्र में नए उद्योग-धंधे लगे हैं और नए स्टार्टअप भी विकसित हुए हैं। इन स्टार्टअप में से 50 प्रतिशत स्टार्टअप महिलाएं संचालित कर रही हैं। मध्यप्रदेश ने एक साल में 4.57 लाख से अधिक नई एमएसएमई यूनिट पंजीकृत करने का रिकॉर्ड बनाया है। मध्यप्रदेश लघु एवं कुटीर उद्योग में देश का कॉटेज इंडस्ट्री हब बनने जा रहा है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि देश का पहला पीएम मित्रा पार्क फाइव

-एफ के विजन पर आधारित है, इसका सर्वाधिक लाभ किसानों को ही मिलने वाला है। यहां फार्म से फाइबर, फाइबर से फैक्ट्री, फैक्ट्री से फैशन और फैशन से फॉरेन एक्सपोर्ट तक की सभी व्यवस्था होगी। मध्यप्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उल्लेखनीय कार्य किया है। इस मामले में भारत जल्द ही दुनिया में ग्लोबल लीडर बनेगा। हम सेमीकंडक्टर सेक्टर में आत्मनिर्भर बनेंगे और इसका निर्यात भी करेंगे। भारत ने डिजिटल इंडिया में सबसे अधिक विकास किया है। सितंबर 2025 तक देश में 125 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन हैं। यूपीआई के माध्यम से फिनटेक सेक्टर में बड़ी छलांग लगाई है। विश्व के कुल डिजिटल ट्रांजैक्शन में 50 प्रतिशत भारत में हुए हैं। भारत सरकार ने कोरोना वैक्सीन निर्माण में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आज विश्व की 60 प्रतिशत वैक्सीन भारत में बनती है। खिलौनों के निर्माण और सैन्य उपकरणों के निर्माण में भी उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में एक लाख 50 हजार किलोमीटर नए राष्ट्रीय राजमार्ग बने हैं। देश में अब 163 हवाईअड्डे हैं। देश में 164 वंदेभारत ट्रेन हैं और इनके कलपुर्जे मध्यप्रदेश में बनेंगे। देश में 23 मेट्रो कनेक्टेड शहर हैं। आज देश की 2 लाख 14 हजार पंचायतें ऑप्टिकल फाइबर से कनेक्टेड हैं।

केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने मध्यप्रदेश के युवाओं और निवेशकों से अपील करते हुए कहा कि वे बेहिचक मध्यप्रदेश में अपने उद्यम और उद्योग लगाएं। मध्यप्रदेश इतना अधिक उपजाऊ है कि यहां कुछ रुपया निवेश करके करोड़ों कमाए जा सकते हैं। इस दिशा में राज्य सरकार ने निसंदेह अभिनव पहल की है। मध्यप्रदेश के क्षेत्रीय विकास और आर्थिक संतुलन में उद्योग एवं निवेश एक बड़ी भूमिका निभा रहा है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश गढ़ रहा निवेश, रोजगार और समावेशी विकास का नया मॉडल - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश निवेश, रोजगार और समावेशी विकास का एक नया मॉडल गढ़ रहा है। अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट से प्रदेश में औद्योगिक विस्तार को नई गति मिलेगी और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब साकार होती संभावनाओं का अग्रणी केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि आज का यह आयोजन प्रदेश के उज्ज्वल औद्योगिक भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मध्यप्रदेश में निवेश हर मायने में फायदे का सौदा है। मध्यप्रदेश, देश का दिल होने के साथ-साथ देश की आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रमुख पड़ाव है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अनंत संभावनायें लिए हुए है। देश के मध्य में स्थित होने के कारण मध्यप्रदेश व्यापार, व्यवसाय, उद्योग-धंधे लगाने से लेकर अपने उत्पाद को निर्यात करने के लिए एक अनुपम केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मध्यप्रदेश को "भारत का विकास और अवसरों का केंद्र" बताते हुए सभी निवेशकों से प्रदेश में निवेश जरूर करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश आज उन चुनिंदा राज्यों में है, जहाँ प्राकृतिक संसाधन, उद्योग-अनुकूल नीतियाँ, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और स्थिर शासन—सभी निवेशकों के लिए आदर्श वातावरण तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी कई विशिष्ट पहचानों के कारण पूरे देश में अद्वितीय है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश में 18 नई उद्योग-अनुकूल नीतियाँ, विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, स्किल्ड मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेशकों को सर्वोत्तम वातावरण प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि रिन्यूएबल एनर्जी, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, फार्मा, आईटी और पेट्रोकेमिकल्स जैसे सभी प्रमुख सेक्टरों में निवेश के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने निवेशकों को औद्योगिक सहयोग के साथ शिक्षा, अनुसंधान, संस्कृति, कौशल विकास, अवसंरचना और पर्यटन में साझेदारी के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्रीमोदी के नेतृत्व में भारत विश्व के विश्वसनीय विकास साझेदार के रूप में स्थापित हो रहा है। मध्यप्रदेश राष्ट्रीय प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने निवेशकों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। निवेशक भारत के दिल से जुड़े रहे। मध्यप्रदेश भी हमेशा निवेशकों के साथ सहयोग और साझेदारी करने में पीछे नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने उद्योग एवं रोजगार वर्ष में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि स्व. अटल जी राष्ट्रनीति के शिखर पुरुष एवं राजनीति के अजातशत्रु थे। मुख्यमंत्री ने स्व. अटल जी की 101वीं जयंती के अवसर पर उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में गरीब, किसान, महिला एवं युवाओं के कल्याण के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं गृहमंत्री श्री शाह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश इसी 11 दिसंबर को नक्सलवाद की समस्या से पूर्णतः मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिये हर संभव कोशिश कर रही है। मध्यप्रदेश में 8.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर रहे हैं। अटलजी की जयंती के अवसर पर प्रदेश के साथ ग्वालियर को भी बड़ी सौगातें मिल रही हैं।केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यह मध्यप्रदेश के अभ्युदय का समय है। ग्वालियर की धरती से आज प्रदेश के विकास को एक गति मिली है। उन्होंने ग्वालियर आये सभी निवेशकों एवं उद्योगपतियों का हृदय से स्वागत करते हुए कहा कि यह प्रदेश का प्रवेश द्वार है। स्व. अटल जी जैसे मूर्धन्य राजनेता देने वाले इस शहर ने देश और दुनिया को नई सोच और नये विचार दिए हैं। केंद्रीय संचार मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि यह दिवस अटल जी के सम्मान में केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व का दिवस है। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्व.श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित यह ग्रोथ समिट विकास के एक मजबूत स्तंभ की स्थापना जैसा है। स्व.अटल जी के आदर्शों और मूल्यों को आत्मसात करते हुए आज विकास की ठोस नींव रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन किसी भी राष्ट्र की जड़ों को मजबूत करता है। जैसे वृक्ष की वृद्धि उसकी मजबूत जड़ों पर निर्भर करती है, उसी प्रकार देश का विकास सुशासन के आधार पर आगे बढ़ता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सुशासन आज सरकार की कार्यप्रणाली का मूल आधार बन चुका है।केंद्रीय मंत्रीश्री सिंधिया ने कहा कि देश में सुरक्षा, राष्ट्रीय एकता और कानून व्यवस्था को वैश्विक स्तर पर सराहना मिली है। अनुच्छेद 370 के उन्मूलन के बाद देश में शांति और स्थिरता का वातावरण स्थापित हुआ है। नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई कर आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि यह दृढ़ नेतृत्व और स्पष्ट निर्णय क्षमता का परिणाम है। केन्द्रीय मंत्रीश्री सिंधिया ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी दूरदृष्टा नेता थे। उनके लिए राजनीति सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि परिवर्तन और राष्ट्र सेवा का साधन थी। उनका जीवन संघर्ष, संवेदनशीलता और सिद्धांतों का अद्भुत संगम रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत जनसेवा और जनभागीदारी के माध्यम से वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। यह विकास यात्रा स्व. अटल जी के विचारों और प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व का सजीव उदाहरण है। श्री सिंधिया ने कहा कि अटल जी का जीवन, उनकी कविताएं और उनके विचार आज भी देश को दिशा देने का कार्य करते हैं। सुशासन और जनकल्याण ही किसी भी सरकार का अंतिम उद्देश्य होना चाहिए। यही श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सच्ची विरासत है। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि यह कार्यक्रम भारतरत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष के अवसर पर इस प्रकार का आयोजन होना वास्तव में सोने पर सुहागा है। इस अवसर पर जिले की औद्योगिक इकाइयों के भूमिपूजन का कार्य संपन्न हो रहा है, जो क्षेत्र के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा। साथ ही ग्वालियर द्वारा वर्ष 1905 से आयोजित होने वाले ऐतिहासिक ग्वालियर मेले का शुभारंभ भी किया गया है, जो स्थानीय परंपरा और आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि आज के दिन अटल म्यूजियम का लोकार्पण होना गौरव की बात है। यह म्यूजियम श्रद्धेय अटल जी की स्मृतियों, विचारों और सार्वजनिक जीवन की झलक को संजोए हुए है। उन्होंने कहा कि अटल म्यूजियम आने वाली पीढ़ियों को अटल जी के आदर्शों, मूल्यों और आचरण से परिचित कराएगा तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करेगा। यह केवल एक संग्रहालय नहीं, बल्कि विचार और प्रेरणा का केंद्र है, जो समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करेगा। वरिष्ठ विधायक एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि आज का दिन क्षेत्र के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन अपने आप में विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय स्व.अटल बिहारी वाजपेयी जी भारत की आत्मा की आवाज थे। उनका चिंतन, उनकी वाणी और उनका नेतृत्व राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने वाला था। अटल जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व और अथक परिश्रम से देश को विकास की नई दिशा दी और भारत को निवेश के लिए

एक विश्वसनीय गंतव्य के रूप में स्थापित करने की मजबूत नींव रखी। श्री खंडेलवाल ने कहा कि अटल जी का जीवन, उनका आचरण और उनके आदर्श हम सभी के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आहवान किया कि हम सभी स्व. अटल जी के मूल्यों को आत्मसात करें और उन्हें अपने व्यवहार एवं सार्वजनिक जीवन में उतारने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि अटल जी का एक-एक वाक्य हमारे जीवन के लिए आदर्श सूत्र की तरह है, जो हमें राष्ट्र, समाज और कर्तव्य के प्रति निरंतर प्रेरित करता रहेगा।

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र सिंह ने कहा कि भारत रत्न, भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के पावन अवसर पर आयोजित अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पड़ाव सिद्ध होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश आज अपने औद्योगिक इतिहास के एक नए स्वर्णिम अध्याय की ओर अग्रसर है। यह कार्यक्रम केवल निवेश और परियोजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रदेश के युवाओं, उद्यमियों और श्रमिकों के सपनों को साकार करने का मंच है। विभिन्न उद्योगों और रोजगार योजनाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर बने लाभार्थी आज हमारे समक्ष उपस्थित हैं, जो इस विकास यात्रा के प्रत्यक्ष साक्ष्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत ऊर्जावान युवा इस आयोजन से वर्चुअल माध्यम से जुड़े हैं और सभी संभाग स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिससे औद्योगिक विकास की यह भावना प्रदेश के हर कोने तक पहुँच रही है।

प्रमुख सचिव श्री सिंह ने बताया कि आज इस कार्यक्रम के जरिए प्रदेश में 1,118 नवीन औद्योगिक इकाईयों/ परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है, जिनमें 2.17 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश होना प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं से 1,93,772 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे, जो समावेशी और संतुलित विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही 5,010.1 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किए जा रहे औद्योगिक क्षेत्रों एवं अन्य महत्वपूर्ण अधोसंरचनात्मक परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन भी सम्पन्न हुआ। इनमें औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अंतर्गत 2,806.7 करोड़ रु., मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड के अंतर्गत 1,018.1 करोड़ रु., भवन विकास निगम के अंतर्गत 910.8 करोड़ रु. तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के अंतर्गत 274.5 करोड़ रु. की परियोजनाएँ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वृहद उद्योगों और एमएसएमई इकाइयों को सशक्त बनाने के लिये 860 इकाइयों को 725 करोड़ रु. से अधिक की निवेश प्रोत्साहन सहायता भी इस मौके पर वितरित की जा रही है, इससे उद्योगों को गति और निवेशकों को विश्वास मिलेगा।

प्रमुख सचिवश्री सिंह ने बताया कि साइबर वित्तीय अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए ई-जीरो एफआईआर की सुविधा का शुभारंभ किया जा रहा है। साथ ही निवेशकों को प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं और उपलब्ध अवसरों की समग्र जानकारी देने के लिये कॉफी टेबल बुक तथा ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी बुकलेट का भी विमोचन किया गया है। प्रमुख सचिव ने कहा कि यह आयोजन मध्यप्रदेश को औद्योगिक निवेश का एक भरोसेमंद और अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में एक सशक्त संदेश देता है।कार्यक्रम में जल संसाधन एवं ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सामाजिक न्याय, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, श्री महेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री श्री लाल सिंह आर्य, सांसद भिण्ड श्रीमती संध्या राय, सांसद मुरैना श्री शिवमंगल सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। जेके टायर के प्रबंध निदेशक श्री अंशुमन सिंघानिया, प्रबंध निदेशक ग्रीनको श्री अनिल कुमार चलामला सेट्टी, एलेक्जर इंडस्ट्री के अध्यक्ष श्री अरुण गोयल, दलित चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष डॉ. मिलिंद कामले, एलएनजे भीलवाड़ा समूह के चेयरमेन श्री रिजू झुनझुनवाला, सर्विस एक्सपोर्ट काउंसिल के डायरेक्टर जनरल श्री अभय सिन्हा, सीआईआई के अध्यक्ष श्री आशीष वैश्य, रमनीक पॉवर के डायरेक्टर कम प्रमोटर श्री आशीष त्रिवेदी, न्यू जील फैशन वियर के अध्यक्ष श्री दीनबंधु त्रिवेदी, इनशोलेशन ग्रीन एनर्जी के अध्यक्ष श्री मनीष गुप्ता, डाबर इंडिया के सीईओ श्री मोहित मल्होत्रा, टोरेंट पॉवर के निदेशक श्री जिगिश मेहता, गौतम सोलर प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष श्री गौतम मोहंका, सागर ग्रुप के अध्यक्ष श्री सुधीर अग्रवाल, कॉस्मिक पीवी पॉवर के अध्यक्ष श्री जेनीश घाऐल, मैकेन फूड के निदेशक श्री अमिताभ बख्शी, प्रेस्टीज ग्रुप के प्रमोटर कम डायरेक्टर श्री हिमांशु जैन, गोकलदास एक्सपोर्ट के डायरेक्टर श्री प्रभास सिंह सहित औद्योगिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं उद्योगपति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

भारत रत्न अटल जी की कलात्मक तस्वीर ने मन मोहा

ग्वालियर के मेला मैदान में आयोजित हुई "मध्यप्रदेश अभ्युदय ग्रोथ समिट" के मुख्य मंच पर सजी भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की भव्य एवं भावपूर्ण तस्वीर (पोट्रेट) ने सभी अतिथियों का मन मोह लिया। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित मंचासीन गणमान्य अतिथियों ने इस चित्र के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित की। संयमित रंग-संयोजन, सूक्ष्म रेखांकन और मुखमंडल पर उकेरी गई सहज करुणा व राष्ट्रभाव ने अतिथियों को ठहरकर इस तस्वीर को देखने को विवश कर दिया। चित्र में अटल जी की दृष्टि भविष्य की ओर आश्वस्त होकर देखती प्रतीत हो रही थी। ऐसा लग रहा था मानो अटल जी विकास, संवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों का संदेश दे रहे हैं। श्रद्धेय अटल जी की यह प्रभावशाली तस्वीर शासकीय ललित कला महाविद्यालय, ग्वालियर के प्रो. एवं ख्यात चित्रकार श्री उमेंद्र वर्मा द्वारा तैयार की गई है। यह चित्र ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के आग्रह पर विशेष रूप से बनाया गया, जिससे समिट के मंच पर अटल जी की प्रेरणा सजीव रूप में उपस्थित रहे।

पराली से गढ़ी अटल जी की प्रतिमा भेंट की

मध्यप्रदेश अभ्युदय ग्रोथ समिट के अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पराली से निर्मित भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की आकर्षक प्रतिमा स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की। यह विशिष्ट एवं पर्यावरण–संवेदनशील कलाकृति नव उद्यमी श्री शुभम सिंह की क्राफ्ट कंपनी द्वारा तैयार की गई है। पराली जैसे साधारण कृषि अवशेष से साकार की गई अटल जी की यह प्रतिमा रचनात्मकता, पर्यावरण संरक्षण व नवाचार का संदेश दे रही थी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डॉ. उत्तम यादव के निवास पर पहुँचकर शोक संवेदना व्यक्त कर दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर प्रवास के दौरान आज नवलखा स्थित वसुधैव कुटुंबकम परिसर में चिड़ियाघर प्रभारी तथा अपने समधी डॉ. उत्तम यादव के निवास पहुँचे। उन्होंने डॉ. उत्तम यादव की पत्नी स्व. श्रीमती संगीता यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया और इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान विधायक श्री रमेश मेंदोला, तथा श्री गोलू शुक्ला, श्री सुमित मिश्रा, श्री प्रताप सिंह करोसिया, श्री श्रवण चावड़ा, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा तथा निगमायुक्त श्री क्षितिज सिंघल सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में नगरीय निकाय के बैठक सम्पन्न अनुपस्थित सीएमओ को नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

विकास कार्य, पीएम आवास एवं सफाई व्यवस्था पर सख्त निर्देश

कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में आज नगरीय निकाय के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न निर्माण कार्यों, पीएम आवास योजना तथा स्वच्छता व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की गई।

इंजीनियरों को फील्ड पर जाकर कार्य देखने के निर्देश

कलेक्टरश्री कन्याल ने कहा कि इंजीनियरों को कार्यालय में बैठने के बजाय फील्ड पर जाकर कार्यों की वास्तविक स्थिति देखनी चाहिए। एसओआर में दरें तय होती हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण और कठिन कार्य डिजाइन का होता है, जिस पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा

बैठक में विभिन्न नगरीय निकायों में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों के तीन से चार फोटो अलग-अलग एंगल से प्रस्तुत की जाएं। साथ ही फिजिकल और फाइनेंशियल प्रोग्रेस स्पष्ट रूप से दिखाई जाए तथा निर्माण कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग के साथ कार्य की प्रगति के अनुसार समय पर भुगतान सुनिश्चित हो।

पीएम आवास योजना में राशि जमा न करने पर पंजीयन निरस्त

समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि एसडीएम कार्यालय के शिफ्ट होने से पीएम आवास की बिक्री में वृद्धि हुई है। जिन हितग्राहियों ने पंजीयन कराया है, उनसे पूरी राशि जमा कराई जाए। जो हितग्राही पूरी राशि जमा नहीं करते हैं, उनका पंजीयन निरस्त कर अन्य पात्र लोगों को आवास आवंटित किए जाएं। इसके बाद पीएम आवास योजना 1.0 एवं 2.0 की भी समीक्षा की गई।

अनुपस्थित सीएमओ पर कार्यवाही

बैठक में सीएमओ मकसूदनगढ़ को बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की और उन्हें नोटिस जारी करने के साथ एक वेतन वृद्धि रोकने का प्रस्ताव भोपाल भेजने के निर्देश दिए।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत सफाई व्यवस्था की समीक्षा

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सफाई दो दिन के लिए नहीं बल्कि लगातार किए जाने वाला कार्य है। पार्षदों को आमजन को जोड़कर सुबह और शाम दोनों समय सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

अच्छे कार्य पर सम्मान, गंदगी पर जुर्माना

कलेक्टर ने कहा कि जो अच्छा कार्य करेंगे उन्हें सम्मानित किया जाएगा, जबकि गंदगी फैलाने वालों और डस्टबिन न रखने वालों पर जुर्माना लगाया जाए।

रोजाना रिपोर्ट और चालानी कार्रवाई अनिवार्य

बैठक में जिला परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण को निर्देशित किया गया कि सभी सीएमओ से प्रतिदिन शाम 9 बजे चालानी कार्रवाई की रिपोर्ट ली जाए। इसके अलावा सभी सीएमओ सुबह 7 बजे अपनी लोकेशन सहित सफाई कार्य की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बैठक के अंत में विभिन्न राजस्व कर की राजस्व वसूली की जानकारी ली गयी। बैठक में जिला परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण श्री संजय श्रीवास्तव, प्र. सीएमओ सुश्री मंजूषा खत्री सहित अन्य नगरीय निकाय के सीएमओ सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सामाजिक न्याय एवं श्रम विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। प्रभारी उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री अब्दुल गफ्फार, श्रम निरीक्षक श्री रामकुमार सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

पेंशन योजनाओं की प्रगति पर विशेष ध्यान

बैठक के दौरान सामाजिक न्याय विभाग की वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन एवं अन्य पेंशन योजनाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री कन्याल ने योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, निःशक्तजन विवाह योजना एवं कल्याणी पेंशन योजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

भिक्षावृत्ति उन्मूलन के लिए सख्त निर्देश

कलेक्टर श्री कन्याल ने जिले को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के लिए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भिक्षावृत्ति में शामिल व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। विशेष रूप से बच्चों से जबरन भिक्षावृत्ति करवाने वालों को चिन्हित कर सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए। विभाग द्वारा बताया गया कि रेलवे स्टेशन, हनुमान चौराहा एवं बस स्टैंड जैसे प्रमुख स्थानों पर भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है।

दुकान एवं प्रतिष्ठानों का पंजीयन अनिवार्य

श्रम विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिले में संचालित सभी दुकानों एवं प्रतिष्ठानों का पंजीयन अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए। श्रम निरीक्षक द्वारा जानकारी दी कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पंजीयन कराने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। बैठक में मुक्त कराए गए बंधक श्रमिकों एवं संबल योजना की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

संकल्प से समाधान अभियान - वार्ड क्रमांक 3 के विशेष शिविर में कलेक्टर ने दी सहभागिता

जिले प्रगति पर, गुना का गुलाब खुशहाली व समृद्धि का प्रतीक : कलेक्टर

आज वार्ड क्रमांक 3 में विशेष राजस्व वसूली शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने सहभागिता कर शिविर की गतिविधियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जनसहभागिता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सफाई दूतों का सम्मान एवं कचरा मिलने पर जुर्माने की कार्रवाई के निर्देश

कलेक्टर श्री कन्याल ने वार्ड स्तर पर पांच सदस्यों की समिति गठित करने के साथ प्लास्टिक के उपयोग की जगह मक्के से बने बायोडिग्रेडेबल पैकेट के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कहा, जो 90 दिनों में स्वतः नष्ट होने के साथ पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा जिन घरों के बाहर कचरा पाया जाए, उन पर जुर्माना लगाया जाए तथा स्वच्छता के आधार पर वार्डों की रैंकिंग तैयार की जाए, जिससे सबसे स्वच्छ वार्ड का चयन किया जा सके।उन्होंने सफाई कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए वार्डवासियों से सफाई दूतों का माला पहनाकर सम्मान करने तथा उनके प्रति संवेदनशीलता और सहयोग का भाव रखने की बात कही।

संकल्प से समाधान अभियान, सुनीं वार्डवासियों की समस्याएं

शिविर के दौरान वार्डवासियों की विभिन्न समस्याएं सुनी गईं। दुर्गा मंदिर में टीन शेड की मांग पर कलेक्टर ने स्वयं सहयोग करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष, वार्ड पार्षद एवं नागरिकों के सहयोग से तीन टीन शेड की व्यवस्था सुनिश्चित की। जल समस्या के समाधान हेतु मौके पर परीक्षण कर जानकारी दी गई कि पानी की गुणवत्ता जांच के लिए टीडीएस एवं बैक्टीरिया टेस्ट किए जाते हैं। नगर पालिका टीम को निर्देशित किया गया कि पानी की समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए। टीम द्वारा एच2एस टेस्ट किट के माध्यम से बैक्टीरिया जांच प्रक्रिया की जानकारी भी दी।

कलेक्टर ने "संकल्प से समाधान अभियान" की जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के अंतर्गत नगर पालिका की टीम घर-घर जाकर समस्याएं सुनेगी, आवेदन प्राप्त कर उन्हें ऑनलाइन दर्ज किया जाएगा। यह अभियान चार चरणों में

"हौसलों की उड़ान" कार्यक्रम में महिलाओं की सशक्त भागीदारी, कलेक्टर ने बढ़ाया आत्मनिर्भरता का उत्साह

मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत नई चेतना 4.0 जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध राष्ट्रीय अभियान के तहत "हौसलों की उड़ान" कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र में किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत लखपति दीदी संवाद, पतंग महोत्सव एवं गुड़-तिल सभा तथा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए।कार्यक्रम में कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक दुबे, आजीविका मिशन से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि प्रारंभ में लाभ कम हो सकता है, किंतु निरंतर परिश्रम से धीरे-धीरे आय एवं लाभ में वृद्धि होती है। उन्होंने जिले में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज ड्रोन दीदी, कृषि सखी जैसी पहल से महिलाओं को सशक्त बना रही हैं। आत्मनिर्भरता के साथ-साथ महिलाएं समाज और जिले का नाम भी रोशन कर रही हैं। स्वास्थ्य के

महत्व पर जोर देते हुए कलेक्टर श्री कन्याल ने महिलाओं से नियमित योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहकर ही व्यक्ति अपने परिवार, समाज और स्वयं के लिए बेहतर कार्य कर सकता है।कार्यक्रम में महिला समूह सदस्यों द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए। सोना खन्ना ने बताया कि उन्होंने "खुशी" नामक समूह बनाकर अब तक लगभग 500 महिलाओं को हस्ताक्षर करना सिखाया है तथा उनका लक्ष्य 1000 महिलाओं को साक्षर बनाना है। श्रीमती सविता कश्यप ने जैविक खेती के अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्रारंभ में लोगों ने मजाक उड़ाया, किंतु आज एग्रीकल्चर मास्टर ट्रेनिंग प्राप्त कर वे लगभग 125 कृषकों के साथ दो बीघा भूमि में जैविक खेती पर काम कर रही हैं।श्रीमती किरण अहिरवार ने बताया कि सीमित शैक्षणिक योग्यता के बावजूद आजीविका मिशन से जुड़कर विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त किए, प्राकृतिक कृषि औषधियां तैयार करना सीखा तथा नमो ड्रोन दीदी पायलट प्रशिक्षण लेकर ड्रोन के माध्यम से खेतों में दवा छिड़काव का कार्य कर रही हैं।इसके साथ अन्य समूह की महिलाओं ने भी अपने अनुभव साझा किया।कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर श्री कन्याल द्वारा सभी समूह की महिलाओं को तिल एवं गुड़ के लड्डू वितरित किए गए।

कलेक्टर श्री कन्याल ने दी 05 हजार रूपये की आर्थिक सहायता

कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल द्वारा मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए जरूरतमंद नागरिक को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।आवेदक प्रकाश पुत्र गोविन्द अहिरवार निवासी झमझरा तहसील गुना द्वारा प्रस्तुत आवेदन में बताया गया कि मेरी आर्थिक स्थिति सही नहीं हैं, जिस पर आवेदक की परिस्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने संवेदनशीलता दिखाते हुए रेडक्रॉस सोसायटी गुना से05 हजार रूपये की सहायता राशि स्वीकृत कर आवेदक को चेक प्रदान किया।

टीबी मुक्त ग्राम की दिशा में सशक्त पहल,कैलोर में निश्चय मित्र बनकर वितरित किए गए फूड बास्केट

कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बमोरी अंतर्गत CBMO बमोरी डॉ. लक्ष्मी कुमार द्वारा ग्राम कैलोर में टीबी कार्यक्रम के अंतर्गत निश्चय मित्र बनकर टीबी मरीजों को फूड बास्केट का वितरण किया गया।कार्यक्रम के दौरान ग्राम स्तर पर जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर टीबी के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया तथा ग्रामीणों को टीबी के लक्षण, समय पर जांच, निःशुल्क उपचार एवं पोषण के महत्व की जानकारी दी गई। आम नागरिकों से भी अपील की गई कि वे इस प्रकार के जनहितकारी अभियानों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बमोरी के स्टाफ द्वारा भी निश्चय मित्र बनकर स्वयं फूड बास्केट की राशि जमा की गई, जो सामाजिक दायित्व और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है।

जनसुनवाई में सुनी गयी आमजनों की समस्याएँ, अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

आवेदकों द्वारा विभिन्न समस्याओं से संबंधित 185 आवेदन किये गये प्रस्तुत

शासन के निर्देशानुसार मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल द्वारा आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। आज विभिन्न आवेदकों ने जनसुनवाई में सीमांकन, बिजली, पेंशन, नगरपालिका, स्वास्थ्य और नामांतरण के आवेदन प्रस्तुत किये गये, जिनके निराकरण के निर्देश दिये गये। आज इस दौरान लगभग 185 आवेदन नागरिकों द्वारा प्रस्तुत किये गये।

स्वास्थ्य सुविधाओं, आधार कार्ड का नागरिकों ने लिया लाभ

कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल द्वारा अधिक से अधिक लोगों को आधार एवं स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो इसके लिए विशेष प्रबंध के निर्देश दिये गये है। इसी क्रम में आज जनसुनवाई में नागरिकों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा 70+ आयुष्मान कार्ड, नेत्र परीक्षण, एचआईव्ही की जांच सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध करायी गई, जिनका बड़ी संख्या में आवेदकों द्वारा लाभ लिया गया। आज जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन, एसडीएम श्रीमति शिवानी पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर सुश्री महिमा चौधरी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

रेडक्रॉस के माध्यम से दी 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के समक्ष ग्राम परवाह, विकासखण्ड बमोरी निवासी श्री सुनील किरार द्वारा उपचार हेतु आर्थिक सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए कलेक्टर श्री कन्याल द्वारा रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया।

विकासखंड आरोन में खेलो एमपी यूथ गेम्स की चयन स्पर्धा का हुआ आयोजन

खेलो एमपी यूथ गेम्स अंतर्गत विकासखंड आरोन में विकासखंड स्तरीय चयन स्पर्धा का आयोजन स्वर्गीय राजा बलभद्र सिंह स्टेडियम आरोन में प्रातः 10:00 बजे से किया गया। चयन स्पर्धा का शुभारंभ श्री मिंटूलाल विधायक प्रतिनिधि के द्वारा किया गया। खेलो एमपी यूथ गेम्स की चयन ट्रायल कबडडी, बॉलीवॉल, फुटवॉल, बास्केटवॉल, हॉकी, खो-खो, रस्सा कसी, क्रिकेट, कुश्ती, बॉक्सिंग, जूडो, वेडमिंटन, मलखंब, टेनिस, वेटलिफटिंग, टेविल टेनिस, योगासन, तैराकी एवं शतरंज खेलों में आयोजित की गई। श्री मिंटूलाल ने अपने उद्बोधन में खिलाडियों को संबोधित करते हुये कहा कि आप पढाई के साथ-साथ खेल में भी निरंतर अभ्यास करें और आने आप को स्वस्थ्य रखे तथा नशे से दूरे रहे। आप उक्त चयन ट्रायल में अच्छा प्रदर्शन कर जिला, संभाग तथा राज्य स्तर पर अपना नाम रोशन करें ऐसी मेरी कामना है। खेला एमपी यूथ गेम्स की विकासखंड स्तरीय चयन स्पर्धा से चयनित खिलाडी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी भागीदारी करेगें। इस अवसर पर श्री दुर्गेश चंद सक्सैना प्रभारी जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी, श्री तौफीक खान, श्री ताहिर खान, श्री जय कुशवाह, श्री अशफाक खान, श्री सोनू शिल्पकार, श्री रवि रघुवंशी, श्री विनोद तिवारी, श्री मिथुन धाकड, श्री संजू सैनी, श्री प्रदीप सैनी, श्रीमती निकिता चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे। खेलो एमपी यूथ गेम्स की विकासखंड स्तरीय चयन स्पर्धा दिनांक 14 जनवरी को बमोरी, दिनांक 15 जनवरी को चांचौडा, दिनांक 16 जनवरी को राधौगढ में आयोजित की जावेगी जिसके उपरांत दिनांक 20 एवं 21 जनवरी 2026 को जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया।

भागीरथपुरा दूषित पानी कांड में एक और जान गई, मृतकों की संख्या 24 पहुँची, इलाज और जिम्मेदारी पर उठते सवाल

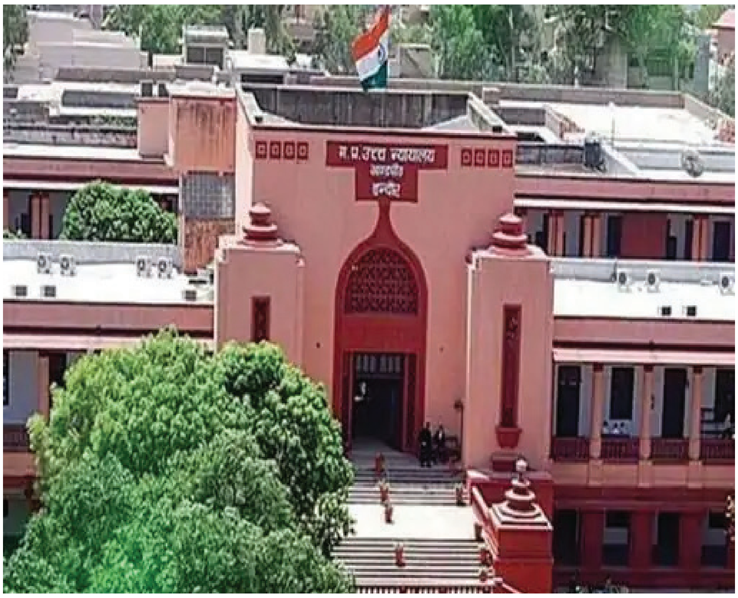

इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पेयजल से फैली भयावह त्रासदी लगातार और गंभीर होती जा रही है। गुरुवार को इस कांड में एक और बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 24 तक पहुंच गई है। यह घटना न सिर्फ एक परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है, बल्कि पूरे शहर की व्यवस्था और प्रशासनिक दावों पर भी बड़े सवाल खड़े कर रही है। भागीरथपुरा निवासी 78 वर्षीय सुभद्राबाई पति बसंतराव पंवार की सुबह एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन सदमे में हैं और उनका कहना है कि उनकी मां पूरी तरह स्वस्थ थीं, उन्हें न तो ब्लड प्रेशर था, न डायबिटीज और न ही कोई गंभीर बीमारी, लेकिन दूषित पानी ने कुछ ही दिनों में उनकी जिंदगी छीन ली। मृतका के बेटे मनीष ने बताया कि 26 दिसंबर को उनकी मां ने क्षेत्र में सप्लाई हो रहे पानी का उपयोग किया था। उसी दिन के बाद से उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। उन्हें तेज उल्टी-दस्त की शिकायत हुई, कमजोरी इतनी बढ़ गई कि वे खुद खड़ी भी नहीं हो पा रही थीं। हालत बिगड़ने पर 28 दिसंबर को उन्हें इंदौर के चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति में कुछ सुधार बताया और 31 दिसंबर को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। डिस्चार्ज के समय एक सप्ताह की दवाइयां दी गई थीं और भरोसा दिलाया गया था कि धीरे-धीरे हालत सामान्य हो जाएगी। हालांकि यह राहत ज्यादा दिन टिक नहीं पाई। डिस्चार्ज के पांचवें दिन ही सुभद्राबाई की हालत फिर से खराब होने लगी। उल्टी-दस्त दोबारा शुरू हो गए और शरीर में पानी की भारी कमी हो गई। परिजन उन्हें 8 जनवरी को फिर से चरक अस्पताल ले गए, जहां से हालत गंभीर बताते हुए शैल्बी अस्पताल रेफर किया गया। शैल्बी अस्पताल में भी डॉक्टरों ने ज्यादा देर रखने के बजाय उन्हें दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने की सलाह दी। इसके बाद उसी दिन उन्हें मेट्रो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कई दिनों तक उनका इलाज चलता रहा, लेकिन गुरुवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना है कि इस इलाज के दौरान उन्हें भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ा। मनीष के अनुसार, मां के इलाज में करीब डेढ़ लाख रुपए खर्च हो चुके थे। इतना ही नहीं, इसी दूषित पानी की चपेट में उनका परिवार पहले ही आ चुका था। मनीष ने बताया कि 25 दिसंबर को उनकी पत्नी प्रिया की भी तबीयत खराब हो गई थी। उन्हें भी तेज उल्टी-दस्त की शिकायत हुई और तत्काल वर्मा अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। वहां 29 दिसंबर को डिस्चार्ज किया गया, लेकिन इलाज पर करीब 38 हजार रुपए खर्च हो चुके थे।

इंदौर में दूषित पानी से अब तक इतनी मौतें

नाम	उम्र	मौत
सुमित्रा देवी	50	21 दिसंबर
अशोकलाल पंवार	70	24 दिसंबर
गोमती रावत	50	26 दिसंबर
उर्मिला यादव	69	27 दिसंबर
जीवनलाल बरेडे	75	28 दिसंबर
सीमा प्रजापत	35	29 दिसंबर
संतोष बिगोलिया	72	29 दिसंबर
अव्यान साहू	5 माह	29 दिसंबर
श्रावण खुपराव	81	29 दिसंबर
रामकली	47	29 दिसंबर
नंदलाल	75	30 दिसंबर
उमा कोरी	29	30 दिसंबर
मंजूला वाढ़े	70	30 दिसंबर
ताराबाई	60	30 दिसंबर
हीरालाल	65	31 दिसंबर
अरविंद लिखार	40	1 जनवरी
गीताबाई	60	1 जनवरी
हरकुंवर बाई	75	1 जनवरी
शंकर भाया	70	1 जनवरी
ओमप्रकाश शर्मा	69	5 जनवरी
सुनीता वर्मा	49	10 जनवरी
भगवानदास	64	12 जनवरी
सुभद्रा बाई	78	16 जनवरी

एक ही परिवार में दो लोगों की तबीयत बिगड़ना और फिर मां की मौत होना परिजनों के लिए गहरे सदमे से कम नहीं है। भागीरथपुरा का यह मामला अब सिर्फ स्थानीय समस्या नहीं रह गया है, बल्कि न्यायिक दखल तक पहुंच चुका है। गुरुवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में दूषित पेयजल से जुड़ी पांच याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई हुई। इस दौरान मुख्य सचिव अनुराग जैन वर्चुअल रूप से कोर्ट में उपस्थित हुए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि मामले में जिन अधिकारियों को जिम्मेदार पाया गया है, उन्हें निलंबित किया गया है और प्रभावित लोगों का अस्पतालों में मुफ्त इलाज कराया जा रहा है। शासन की ओर से यह भी कहा गया कि जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें से कई पहले से अन्य बीमारियों से ग्रस्त थे, जिसे कोमोरबिडिटी बताया गया। हालांकि इस दलील पर याचिकाकर्ता पक्ष ने आपत्ति जताई। रहवासी वरुण गायकवाड़ की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता ऋषि आनंद चौकसे ने कोर्ट को बताया कि शासन द्वारा पेश किए गए आंकड़ों में भी स्पष्टता नहीं है। शासन ने 23 मौतों की जानकारी दी, जिनमें से केवल 15 मौतों को सीधे दूषित पानी से जोड़ा गया है, जबकि 8 मौतों के पीछे अन्य कारण बताए जा रहे हैं। कोर्ट ने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह स्पष्ट किया जाए कि वास्तव में दूषित पानी से कितनी मौतें हुई हैं। हाईकोर्ट ने शासन को निर्देश दिए हैं कि अगली सुनवाई में विस्तृत और तथ्यात्मक स्टेटस रिपोर्ट पेश की जाए। अगली सुनवाई 20 जनवरी को निर्धारित की गई है और उस दिन भी मुख्य सचिव को वर्चुअल रूप से उपस्थित रहने को कहा गया है। हाईकोर्ट इससे पहले भी इस मामले में सरकार को कड़ी फटकार लगा चुका है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने शासन के जवाब को असंवेदनशील बताते हुए कहा था कि इस घटना ने देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में पहचाने जाने वाले इंदौर की छवि को गहरी चोट पहुंचाई है। अदालत ने साफ शब्दों में कहा था कि स्वच्छ पेयजल केवल इंदौर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के नागरिकों का मौलिक अधिकार है और यदि भविष्य में जरूरत पड़ी तो दोषी अधिकारियों पर सिविल और आपराधिक जिम्मेदारी तय की जाएगी। कोर्ट ने यह भी संकेत दिया था कि यदि पीड़ित परिवारों को दिया गया मुआवजा अपर्याप्त पाया गया, तो उस पर भी सख्त निर्देश जारी किए जा सकते हैं। इधर भागीरथपुरा में हालात अब भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक अभी भी कई मरीज अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। वर्तमान में 27 मरीज अस्पतालों में भर्ती बताए जा रहे हैं, जिनमें से 8 आईसीयू में हैं और 3 मरीज वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं।

इंदौर की पहचान उसकी संघर्षशील जनता, अदम्य हौसलों और विकासशील सोच से है : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए इंदौर को दी 800 करोड़ से अधिक की सौगात

स्वच्छ जल अभियान के तहत अमृत 2.0 योजना की ऐतिहासिक परियोजना का किया भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर निरंतर प्रगति, विकास और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज इंदौर देश का सबसे तेजी से विकसित होने वाला शहर बन चुका है। विकास, स्वच्छता, उद्योग, व्यापार और सुशासन के क्षेत्र में इंदौर ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, जिस पर पूरे मध्यप्रदेश को गर्व है। इंदौर की पहचान उसकी संघर्षशील जनता, अदम्य हौसलों और विकासशील सोच से है। आज प्रदेश का हर जिला इंदौर जैसा बनना चाहता है। उन्होंने कहा कि कठिन समय में सरकार, नगर निगम और प्रशासन ने पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ नागरिकों के साथ खड़े रहकर हरसंभव प्रयास किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर शहर की पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़, आधुनिक एवं दीर्घकालिक समाधान प्रदान करने की दिशा में स्वच्छ जल अभियान के अंतर्गत अमृत 2.0 इंदौर जलप्रदाय योजना (पैकेज–1) के तहत 800 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से प्रस्तावित बहुप्रतीक्षित जलप्रदाय परियोजना का विधिवत भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में घटित जल-जनित घटना ने सभी को पीड़ा पहुँचाई है। उन्होंने इस घटना में दिवंगत हुए नागरिकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए बाबा महाकाल से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मकर संक्रांति केवल पर्व नहीं, बल्कि तिल-तिल करके आगे बढ़ने का संकल्प है। जैसे इस दिन से सूर्य उत्तरायण होता है और प्रकाश बढ़ता है, वैसे ही इंदौर निरंतर प्रगति, विकास और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि आज इंदौर देश का सबसे तेज़ी से विकसित होने वाला शहर बन चुका है। विकास, स्वच्छता, उद्योग, व्यापार और सुशासन के क्षेत्र में इंदौर ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, जिस पर पूरे मध्यप्रदेश को गर्व है। आज प्रदेश का हर जिला इंदौर जैसा बनना चाहता है। उन्होंने कहा कि कठिन समय में सरकार, नगर निगम और प्रशासन ने पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ नागरिकों के साथ खड़े रहकर हरसंभव प्रयास किए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आपदा के समय राजनीति करना इंदौर स्वीकार नहीं करेगा। सकारात्मक और रचनात्मक विपक्ष लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन पीड़ा पर राजनीति करना सर्वथा अनुचित है। नर्मदा जल परियोजनाओं पर बोलते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मालवा और निमाड़ क्षेत्र को नर्मदा जल से जोड़ने के लिए वर्षों संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरदार सरोवर बांध को पूर्ण कर देश को जल सुरक्षा देने का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को जाता है। इसके माध्यम से सिंचाई क्षमता में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। मध्यप्रदेश में आज 56 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई संभव हो सकी है। उन्होंने नदी जोड़ो परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्वती–कालीसिंध–चंबल परियोजना राजस्थान और मध्यप्रदेश के लिए वरदान सिद्ध होगी। केन–बेतवा नदी जोड़ो अभियान पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी का सपना था, जिसे आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के माध्यम से प्रत्येक गांव और प्रत्येक शहर तक शुद्ध पेयजल पहुँचाना सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि इंदौर की पहचान उसकी संघर्षशील जनता, अदम्य हौसलों और विकासशील सोच से है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन और राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग से इंदौर आत्मनिर्भर बनकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इंदौर आगे बढ़ेगा, सरकार पूरी मजबूती से इंदौर के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम के पूर्व जीवन दायिनी मां नर्मदा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन-अर्चन किया। उन्होने सभागृह परिसर में संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर और स्वर कोकिला लता मंगेशकर की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन भी अर्पित किए। नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंदौर में नर्मदा के जल आंदोलन तथा नर्मदा के जल लाने की संघर्ष यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह इंदौर का ऐतिहासिक जनआंदोलन था। उन्होंने कहा कि नर्मदा जल परियोजना केवल एक योजना नहीं, बल्कि इंदौर की जनशक्ति और संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यदि नर्मदा नहीं आती, तो इंदौर आज जिस रूप में है, वह कभी नहीं बन पाता। उन्होंने इंदौर की स्वच्छता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यहां की पहचान केवल विकास से नहीं, बल्कि नागरिकों की सहभागिता से बनी है। देर रात तक शहर की सफाई में जुटने वाले सफाई कर्मी इंदौर की असली ताकत हैं। इंदौर की स्वच्छता पर हम सबको गर्व है। उन्होंने कहा कि सुबह-सुबह घरों से कचरा गाड़ियों में स्वयं नागरिकों द्वारा कचरा डालना इंदौर की जनभागीदारी का जीवंत उदाहरण है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर नंबर वन था, इंदौर नंबर वन है और इंदौर नंबर वन रहेगा। नर्मदा, स्वच्छता और जनता के स्वाभिमान से बनी इंदौर की आन-बान-शान को कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का जो संकल्प लिया है, उसी संकल्प को मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में साकार रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास कार्य तेज गति से संचालित हो रहे हैं और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। यह विकास केवल अधोसंरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संसाधन और रोजगार के क्षेत्रों में भी नए आयाम स्थापित कर रहा है।महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इंदौर के भविष्य की जल-आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 1100 करोड़ रुपये की योजना को दूरदृष्टि के साथ 2400 करोड़ रुपये तक विस्तार दिया। यह निर्णय आने वाले दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर लिया गया है। आज की भूमिपूजित परियोजना केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके अंतर्गत 10 वर्षों का संचालन एवं संधारण (O&M) भी शामिल है। इससे शहर को लंबे समय तक सुचारु, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। परियोजना पूर्ण होने पर इंदौर की वर्तमान एवं भविष्य की पेयजल आवश्यकताओं की प्रभावी पूर्ति संभव होगी। यह परियोजना इंदौर को स्वच्छ, पर्याप्त और भरोसेमंद पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि परियोजना की प्रमुख विशेषताएँ जलूद एवं ग्राम भकलाय क्षेत्र में 1650 एम.एल.डी. क्षमता का नवीन इन्टेकवेल, 2235 एम.एम. व्यास की रॉ-वाटर एवं क्लीयर-वॉटर पम्पिंग मेन का निर्माण, निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु 11 के.व्ही., 33 के.व्ही. एवं 132 के.व्ही. विद्युत सब-स्टेशन, उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 400 एम.एल.डी. क्षमता का आधुनिक जलशोधन संयंत्र तथा जल-दबाव संतुलन हेतु 12 एम.एल.डी. क्षमता का ब्रेक प्रेशर टैंक का निर्माण किया जाना है। उन्होंने कहा कि इंदौर ने संघर्ष, अनुशासन और जनभागीदारी से अपनी पहचान बनाई है—और इंदौर नंबर वन था, है और रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इंदौर जनता के सहयोग से शहर निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना विश्वास, संकल्प और दूरदृष्टि का प्रतीक है—जो इंदौर के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करेगी। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, श्री मधु वर्मा, श्री महेन्द्र हार्डिया तथा श्री मनोज पटेल, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, पूर्व महापौर श्री कृष्ण मुरारी मोघे, श्री प्रताप करोसिया, महापौर परिषद के सदस्यगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राज्य सरकार एआई को नागरिक केंद्रित, पारदर्शी और कुशल शासन की आधारशिला के रूप में कर रही है स्थापित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एआई वर्तमान समय में शासन, उद्योग और समाज के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति एआई पर मिशन मोड पर होगा कार्यमुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लांच की मध्यप्रदेश स्पेसटेक नीति-2026 प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन को दृष्टिगत रखकर आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश जन-कल्याणकारी योजनाओं में एआई का प्रभावी उपयोग करेगा मध्यप्रदेश प्रदेश में जल्द लाई जाएगी राज्य एआई नीति मुख्यमंत्री ने एआई लिटरेसी मिशन के तहत कौशल रथ को दिखाई हरी झंडी मुख्यमंत्री ने 'मध्यप्रदेश रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस-2026' का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार एआई को नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और कुशल शासन की आधारशिला के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। एआई आधारित प्रशासनिक व्यवस्था और प्रबंधन, तकनीक-प्रौद्योगिकी और अकादमिक क्षेत्र में एआई आधारित नवाचार विकसित भारत@ 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रभावी रूप से सहायक होंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हर क्षेत्र में भारत को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण का अध्ययन केंद्र और शंकराचार्य जी की साधना का केंद्र भी है। राज्य सरकार मानवीय संवेदनाओं के साथ आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार सभी विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए एआई का उपयोग कर रही है। एआई वर्तमान समय में शासन, उद्योग और समाज के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति है। हमारा राज्य जल्द ही एआई नीति भी लाएगा और एआई के लिए मिशन मोड पर व्यापक रूप से कार्य किया जाएगा। प्रदेश के माइनिंग और हेल्थ सेक्टर में एआई के उपयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश अपार संभावनाओं वाला राज्य है, जिसमें आगे बढ़ने की पर्याप्त क्षमता है। विकसित भारत के लक्ष्य प्राप्ति में हमारी सरकार हर कदम पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन के अनुरूप कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को भोपाल के ताज लेक फ्रंट में 'मध्यप्रदेश रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस-2026' का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआई लिटरेसी मिशन के तहत फ्यूचर स्किल्स फॉर एआई पावर्ड भारत के लिए कौशल रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश स्पेस टेक नीति-2026 लांच की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में विभिन्न समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन सिंहस्थ-2028 के संचालन के लिए आयोजित उज्जैन महाकुंभ हैकाथॉन और मध्यप्रदेश इनोटेक प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने "एआई फॉर पीपल, प्लेनेट एंड प्रोग्रेस-मध्यप्रदेश रोडमैप टू इंपैक्ट" पर राज्य का प्रमुख एआई विजन प्रस्तुत किया। एआई को राष्ट्रीय आंदोलन बनाने के उद्देश्य से एआई लिटरेसी मिशन के अंतर्गत आरंभ युवा एआई फॉर ऑल पर लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। एम.पी. राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक श्री आशीष वशिष्ठ ने कॉन्फ्रेंस के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एमपीएसईडीसी प्रदेश में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए नोडल एजेंसी है।

स्पेस टेक नीति - अंतरिक्ष आधारित अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने की पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीजनल एआई इंपैक्ट कॉन्फ्रेंस में प्रदेश की स्पेस टेक नीति लांच की। उन्होंने कहा कि नीति राज्य को भारत के उभरते अंतरिक्ष क्षेत्र में एक अग्रणी और भविष्य-उन्मुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगी। नीति के तहत स्पेस टेक स्टार्ट-अप्स, एमएसएमई और उद्योगों को वित्तीय, अवसंरचनात्मक और अनुसंधान सहयोग प्रदान कर कृषि, आपदा प्रबंधन, जल संसाधन एवं शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में अंतरिक्ष-आधारित अनुप्रयोगों को बढ़ावा दिया जाएगा। यह नीति निवेश, नवाचार और राष्ट्रीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में मध्यप्रदेश की भूमिका को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

नवाचार और कौशल विकास के लिए हुए 7 एमओयू पर हस्ताक्षर*

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 6 समझौता ज्ञापन-यंगोवेटर (आंसर फाउंडेशन), सीईईडब्ल्यू (कॉउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर), गूगल, नैसकॉम, एआईएसईसीटी और भाषिणी के साथ किए गए। ये समझौते शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार एवं रोबोटिक्स को बढ़ावा देने, जलवायु परिवर्तन व सतत विकास से जुड़े क्षेत्रों में एआई आधारित शोध एवं निर्णय सहयोग विकसित करने, शासकीय विभागों में एआई और क्लाउड तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहित करने, राज्य में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना एवं कौशल विकास को गति देने, राष्ट्रीय एआई मिशन से जुड़कर कंप्यूटर एवं डेटा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता और एआई जागरूकता बढ़ाने और एआई आधारित शासन को सक्षम बनाने के उद्देश्य से किए गए हैं। इसके अलावा इंडिया एआई और तकनीकी शिक्षा,कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के मध्य एक समझौता ज्ञापन हुआ। उच्च गुणवत्ता वाली एआई शिक्षा तक पहुंच को व्यापक बनाने के लिए इंडिया एआई मिशन देश के टियर-2 एवं टियर-3 शहरों में 570 डेटा एवं एआई लैब्स की स्थापना कर रहा है। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश में 30 डेटा एवं एआई लैब्स स्थापित की जाएंगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब केवल तकनीक नहीं, नीति, समाज और अर्थव्यवस्था से जुड़ा एक सशक्त माध्यम बना : मुख्य सचिव श्री जैन

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा है कि एआई के उपयोग से प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी और निर्णय प्रक्रिया अधिक तेज, सटीक व नागरिक-केंद्रित होगी। मुख्य सचिव श्री जैन ने बताया कि यह कांफ्रेंस आगामी इंडिया एआई इंपैक्ट समिट-2026 से पूर्व देश में एआई इको सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित सतत आर्थिक विकास लक्ष्य को प्राप्त करने में गवर्नेंस में एआई की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने उद्योग और अकादमिक संस्थानों के सहयोग, स्किलिंग व री-स्किलिंग की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि भविष्य रिसर्च, इनोवेशन और नॉलेज आधारित होगा। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने यूपीआई को भारत की वैश्विक पहचान बताया। मध्यप्रदेश में समग्र आईडी जैसी पहलों के माध्यम से डेटा-आधारित और परिवार-केंद्रित शासन को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि ऐसे मंच नवाचार और सहयोग को नई दिशा देते हैं। मध्यप्रदेश इस राष्ट्रीय प्रयास में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

एआई के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये राज्य ने बनाये 4 प्रमुख स्तंभ : एसीएस श्री दुबे*

अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने कहा कि प्रदेश सरकार ने "AI for People, Planet, and Progress" के सिद्धांत पर आधारित एक स्पष्ट और दीर्घकालिक एआई रोडमैप तैयार किया है। राज्य का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब प्रयोगात्मक तकनीक नहीं, बल्कि शासन की एक मुख्य क्षमता बन चुकी है। एआई के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य

सक्षम स्तंभों—अवसंरचना, डेटा, प्रतिभा और रणनीति को सुदृढ़ कर रहा है। एसीएस श्री दुबे ने कहा कि अवसंरचना के अंतर्गत GPU-सक्षम कंप्यूट संसाधनों, सुरक्षित व स्केलेबल डिजिटल प्लेटफॉर्म और साझा राज्य-स्तरीय एआई इन्फ्रॉस्ट्रक्चर का विकास किया जा रहा है, जिससे सरकार के साथ स्टार्ट-अप, उद्योग और एमएसएमई भी इसका लाभ उठा सकें। डेटा के क्षेत्र में प्रशासनिक, सेक्टोरल और जियोस्पेशियल डेटा को एकीकृत कर एनालिटिक्स के लिए उपयोग किया जा रहा है, जिससे उच्च गुणवत्ता, भरोसेमंद और इंटरऑपरेबल डेटा सेट उपलब्ध हों। प्रतिभा विकास पर विशेष ध्यान देते हुए अधिकारियों, फील्ड स्टॉफ और छात्रों को एआई , डेटा साइंस और गवर्नेंस में प्रशिक्षित किया जा रहा है। एसीएस श्री दुबे ने कहा कि रणनीति मिशन-आधारित, जिम्मेदार और नैतिक एआई पर केंद्रित है, जिसमें ह्यूमन-इन-द-लूप, पारदर्शिता और पुनः उपयोग योग्य समाधानों को प्राथमिकता दी गई है। आगे की दिशा में राज्य का 5 वर्षीय एआई विज़न एआई को एक परियोजना नहीं, बल्कि संस्थागत गवर्नेंस क्षमता के रूप में स्थापित करने पर केंद्रित है। मध्यप्रदेश को जिम्मेदार एआई के लिए एक लाइव टेस्टबेड के रूप में प्रस्तुत करते हुए, स्टार्ट-अप, उद्योग और अकादमिक संस्थानों के साथ सहयोग के लिए खुला आमंत्रण दिया गया है, जिससे ऐसी एआई विकसित हो जो लोगों की सेवा करे, पर्यावरण की रक्षा करे और विकास को गति दे।

भारत के युवा, दुनिया की शीर्ष कंपनियों को कर रहे लीड : सीईओ इंडिया एआई श्री सिंह

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अपर सचिव एवं सीईओ इंडिया एआई श्री अभिषेक सिंह ने कहा कि हमारे देश के युवा, दुनिया की शीर्ष कंपनियों को लीड करते हैं। देश में एआई के क्रियान्वयन में भारत अभी तीसरे स्थान पर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में क्रियान्वित हो रहा भारत का एआई मिशन 7 प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। भारत सरकार ने एआई डेटा सेट्स तैयार किए हैं। अनुवाद के लिए पोर्टल "भाषिणी" विकसित किया गया है। हम चैट जीपीटी के जैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म विकसित कर रहे हैं, जिसे नेशनल एआई समिट से पहले फरवरी में लॉन्च किया जाएगा। स्किल्ड यूथ तैयार करने के लिए एआई से संबंधित रिसर्च फैलोशिप शुरू की गई है। देश में एआई डेटा लैब्स बनाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में इस प्रकार के 30 एआई डेटा लैब्स तैयार किए जाने हैं। यहां से लाखों युवाओं के डेटा एनालिस्ट के लिए प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर जैसे शहरों में स्टार्ट-अप की संख्या तेजी से बढ़ रही है। केंद्र सरकार ने 58 सेंटर फॉर एक्सीलेंस बनाने का निर्णय लिया है, जो इन्क्यूबेशन सेंटर की तरह कार्य करेंगे। उज्जैन के सिंहस्थ कुंभ में स्किल के हिसाब से एआई मॉडल डिप्लॉयमेंट की अपार संभावनाएं हैं। हम राज्य सरकार के साथ मिलकर एआई की संभावनाओं पर कार्य करेंगे।

मध्यप्रदेश इनोवेशन एक्सपो का हुआ शुभारंभ

कांफ्रेंस में मध्यप्रदेश इनोवेशन एक्सपो का शुभारंभ किया गया, जिसमें इंडिया एआई पेवेलियन, मध्यप्रदेश पेवेलियन, स्टार्ट-अप शोकेस शामिल रहे। एमपी पेवेलियन में प्रदेश सरकार की एआई आधारित नवाचार पहलें प्रदर्शित की गईं, जिनका उद्देश्य शासन को अधिक सटीक, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाना है। राजस्व विभाग द्वारा SAARA-DCS ऐप में एआई के उपयोग से फसल छवियों की वास्तविक समय गुणवत्ता जाँच की जा रही है, वहीं मनरेगा के अंतर्गत एआई-चलित जिला प्रदर्शन रिपोर्ट प्रणाली से डेटा-आधारित निर्णय संभव हो रहे हैं। कृषि विभाग की AGRIGIS प्रणाली फसल पूर्वानुमान, फसल स्वास्थ्य निगरानी और बीमा दावा निपटान को सशक्त बना रही है। श्रम विभाग की एआई-सक्षम एलसीएमएस प्रणाली केस प्रबंधन और न्यायिक प्रक्रियाओं को स्वचालित कर रही है, जबकि मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा एआई आधारित स्मार्ट पुलिसिंग के माध्यम से अपराध नियंत्रण, जांच दक्षता और नागरिक सुरक्षा को मजबूती प्रदान की जा रही है। एमपी पेवेलियन ने मध्यप्रदेश को भविष्य-तैयार, डेटा-संचालित और नागरिक-केंद्रित शासन मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया।

इंडिया पेवेलियन में भारत के एआई इको सिस्टम की क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया जहाँ देशभर के एआई स्टार्ट-अप एवं प्रमुख राष्ट्रीय एआई परियोजनाओं की प्रस्तुति दी गई। इस पेवेलियन ने नवाचार, अनुसंधान, स्टार्ट-अप संस्कृति और एआई के व्यावहारिक अनुप्रयोगों के माध्यम से भारत को एक उभरती हुई वैश्विक एआई शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया।

कौशल रथ के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक एआई जागरूकता

कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय एआई साक्षरता कार्यक्रम पर केन्द्रित वीडियो का प्रदर्शन किया गया। इसमें बताया गया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत सरकार एआई साक्षरता को देश के कार्यबल और नागरिकों के लिए एक मूलभूत जीवन कौशल के रूप में विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। भारत सरकार ने प्रत्येक नागरिक को एआई साक्षर बनाने और उन्हें आवश्यक तकनीकी कौशल से सशक्त करने के उद्देश्य से युवा एआई फॉर आल राष्ट्रीय अभियान प्रारंभ किया है। एआई साक्षरता मिशन से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक मूलभूत कौशल के रूप में विकसित किया जाएगा। मोबाइल एआई कंप्यूटर लैब (कौशल रथ) के माध्यम से यह पहल सरकारी स्कूलों , कॉलेजों, आईटीआई, शिक्षकों और शासकीय अधिकारियों तक एआई जागरूकता एवं प्रारंभिक प्रशिक्षण पहुँचाकर, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में डिजिटल अंतर को कम करेगी। डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया और एनईपी-2020 के अनुरूप यह मिशन युवाओं को एआई-सक्षम कैरियर के लिए तैयार करने, नैतिक एवं जिम्मेदार एआई उपयोग को बढ़ावा देने और एआई-आधारित शासन को सुदृढ़ करने का लक्ष्य रखता है। दीर्घकाल में इसका उद्देश्य एक एआई-तैयार मध्यप्रदेश का निर्माण करना है।

क्राइम ब्रांच इंदौर की बड़ी कार्रवाई, 1 करोड़ रुपये की MD ड्रग्स के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

इंदौर । मध्यप्रदेश पुलिस अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई कर रही हैं। इसी कार्रवाई के तहत इंदौर क्राइम ब्रांच पुलिस ने 01 करोड़ रूपए की एमडी ड्रग्स के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही आरोपियों से एक मोटरसाइकिल एवं तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। 15 जनवरी 2026 को क्राइम ब्रांच टीम द्वारा इंदौर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश एवं मुखबिर सूचना संकलन किया जा रहा था। इसी दौरान सिद्धेश्वर जलधार नाथ महादेव मंदिर के पास, एम.आर.-4 रोड पर सड़क किनारे एक मोटरसाइकिल पर तीन व्यक्ति पुलिस वाहन को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर तीनों को मौके पर ही पकड़ लिया।व्यक्तियों की विधिवत तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 513.48 ग्राम अवैध मादक पदार्थ MD ड्रग्स बरामद हुई। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत लगभग एक करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके साथ ही एक दोपहिया वाहन एवं 03 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अवैध लाभ कमाने की नीयत से सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को ऊँचे दामों पर बेचते थे। आरोपियों के विरूद्ध थाना अपराध शाखा में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।साथ ही आरोपियों के मोबाइल डेटा, कॉल डिटेल, वित्तीय लेनदेन और संपर्क सूत्रों का विश्लेषण किया जा रहा है ताकि इनके विस्तार एवं अन्य संबंधित तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। इस प्रकार कि कार्यवाही से स्पष्ट है कि पुलिस प्रदेश में बढ़ते नशे के खतरे को रोकने, युवाओं को नशीले पदार्थों से बचाने एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रखी आधुनिक भारत के विकास की आधारशिला : उप राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन

स्व. श्री अटलजी के विराट व्यक्तित्व, उच्च आदर्शों एवं दूरदर्शी नेतृत्व से मिलती है प्रेरणा : राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल
स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रनीति के शिखर पुरुष, राजनीति के अजातशत्रु और भारतीय लोकतंत्र की मर्यादा के प्रतीक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव,उपराष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने चार विद्वानों को 'अटल अलंकरण' से किया सम्मानित
पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जन्म जयंती पर 'शून्य से शतक' कार्यक्रम

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि स्व. श्री अटलजी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार और मिशन थे। उनके कर्म, आदर्श और सुशासन की दृष्टि आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक प्रकाश हैं। वे रविवार को इंदौर में आयोजित भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि स्व. श्री अटल जी का जीवन ऐसे ग्रंथ की भाँति था, जिसका प्रत्येक पृष्ठ नैतिकता, उत्कृष्टता और राष्ट्रधर्म की राह दिखाता है। स्व. श्री अटल जी केवल राजनेता नहीं थे, बल्कि वे कवि, चिंतक, अद्भुत नेतृत्व गुणों से संपन्न, विनम्र, संवेदनशील और स्वाभिमानी राष्ट्रभक्त थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि स्व. श्री अटलजी का जीवन विचारों की दृढ़ता, राष्ट्रधर्म और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटूट समर्पण का अनुपम उदाहरण है। उनका व्यक्तित्व ऐसा था जिसने हर काल और हर युग में भारतीय राजनीति को दिशा दी। उनकी राजनीतिक यात्रा भारतीय लोकतंत्र की प्रेरक गाथा है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर इंदौर में 'शून्य से शतक' कार्यक्रम का गरिमामय रूप से आयोजन किया गया। इस गरिमामय समारोह में देश के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चार प्रतिष्ठित विद्वानों को 'अटल अलंकरण' से अलंकृत किया। उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि मां अहिल्या की पावन धरती पर आकर उन्हें विशेष प्रसन्नता है। उन्होंने अटल फाउंडेशन के मंच से स्व. श्री अटल जी के जीवन, व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि स्व. श्री अटल जी संवाद, समावेशी विकास और मानवीय सुशासन में विश्वास रखते थे। सांसद, कवि और प्रधानमंत्री—हर भूमिका में उन्होंने सार्वजनिक विमर्श को गरिमा दी और सिद्ध किया कि राजनीति सिद्धांतनिष्ठ और करुणामय हो सकती है। उन्होंने अटल सरकार की प्रमुख उपलब्धियों प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना, दिल्ली मेट्रो, नए राज्यों का गठन (झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड) तथा पोखरण परमाणु परीक्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने आधुनिक भारत की नींव मजबूत की। उपराष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन ने कहा कि स्व. श्री अटल जी की विरासत को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं और देश को विकसित भारत–2047 के लक्ष्य की ओर दृढ़ता से अग्रसर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्व. श्री अटल जी भले हमारे बीच शारीरिक रूप से न हों, लेकिन उनके आदर्श सदैव हमारे हृदयों में जीवित रहेंगे और राष्ट्र को दिशा देते रहेंगे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का प्रेरक संबोधन

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने अटल जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी के पावन अवसर पर विचार अभिव्यक्त करने का अवसर मिलना उनके लिए गर्व और हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि स्व. श्री अटल जी की जन्म शताब्दी केवल पुण्य स्मरण का प्रसंग नहीं, बल्कि उनके विराट व्यक्तित्व, उच्च आदर्शों और दूरदर्शी नेतृत्व से प्रेरणा प्राप्त करने का पावन क्षण है। उन्होंने स्वयं को भाग्यशाली बताते हुए कहा कि उन्हें स्व. श्री अटल जी के सानिध्य में कार्य करने का अवसर मिला, जहाँ उनके महान आभामंडल में रहकर उन्हें करीब से देखने, समझने और उनसे प्रेरित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि स्व. श्री अटल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को कुछ शब्दों में समेटना संभव नहीं है, वे एक विराट व्यक्तित्व और एक चलता-फिरता महाकाव्य थे। उनकी वाणी में ओज था, जो जनमानस में ऊर्जा और राष्ट्रभाव का संचार करती थी। वे असंख्य कार्यकर्ताओं के लिए प्रकाश-पुंज थे। उनका जीवन ऐसे ग्रंथ की भाँति था, जिसका प्रत्येक पृष्ठ नैतिकता, उत्कृष्टता और राष्ट्रधर्म की राह दिखाता है। स्व. श्री अटल जी केवल राजनेता नहीं थे, बल्कि वे कवि, चिंतक, अद्भुत नेतृत्व गुणों से संपन्न, विनम्र, संवेदनशील और स्वाभिमानी राष्ट्रभक्त थे। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने गठबंधन राजनीति के दौर में भी संवाद, समन्वय और समानता के उच्च आदर्श प्रस्तुत किए, जो भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में मील का पत्थर हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि यदि हम स्व. श्री अटल जी के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में देश और समाज के लिए योगदान कर सकें, तो वही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

युगपुरूष थे अटल जी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर इंदौर में अटल फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि अटल जी ऐसे व्यक्तित्व रहे, जिन्होंने जीवन के प्रत्येक क्षण में देश को गौरवान्वित करने के कार्य किये। भारतीय राजनीति में अटल जी एक युगपुरुष के समान रहे हैं। प्रधानमंत्री रहते हुए देश को परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र बनाने की उनकी दूरदृष्टि अद्वितीय रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अटल जी ने भारतमाता और लोकतंत्र को गौरवान्वित किया। पहली बार संयुक्तराष्ट्र संघ में हिंदी में संबोधन देकर देश की इच्छाशक्ति और भाषा तक को नायाब बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. अटल जी ने नेता प्रतिपक्ष की पवित्र भूमिका निभाई। 50 वर्ष तक इस भूमिका में रहे है। आपातकाल में भी बिना संकोच के साहित्य के माध्यम से देश में शुचिता और स्वाभिमान का भाव जागृत करने में भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजनीति के शिखर पुरुष, राजनीति के अजातशत्रु और विचारों की दृढ़ता रखते हुए वे भारतीय मर्यादा के प्रतीक बने। भारत रत्न श्री अटल वाजपेयी जी को हमारे बीच के कई लोगों ने देखा भी है। वास्तव में वे एक ऐसा व्यक्तित्व थे, जिसने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में अपनी हर एक जगह महत्ता स्थापित की। प्रारंभ में अटल जी की संघ के एक प्रचारक के रूप में पहचान बनी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत माता के चरणों में सतत नमन करने वाले, अपने जीवन को न्यौछावर करने वाले अटल जी ने पत्रकार के रूप में भी पहचान बनाई। जनसंघ के बाद जनता पार्टी और फिर भारतीय जनता पार्टी तक हर दौर में अटल जी की यात्रा अद्वितीय रही है। विशेष रूप से भारतीय लोकतंत्र के लिए लोकसभा में बोलने वाला ऐसा व्यक्तित्व जिसकी दहाड़ से हर प्रधानमंत्री अपने आप अपने कर्तव्य के प्रति सचेत होता था और तारीफ करता था कि हमें गर्व है हमारी संसद में अटल जी जैसा व्यक्तित्व मौजूद है। वास्तव में ऐसे लोगों से दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र गौरवान्वित होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अटल जी का लगातार 50 वर्ष तक विपक्षी नेता के रूप में बोलते रहना आज के युग में कई लोगों के लिए आश्चर्य की बात होगी। विशेष रूप से उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के रूप में एक पवित्र पद का धारण किया था। जब-जब देश को आवश्यकता पड़ी चाहे किसी काल में कोई विशेष अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा हो, उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती थी। जब भी वे विदेश गए भारत माता को सदैव गौरवान्वित किया। लोकतंत्र को पूरे आनंद के साथ अनुभव करते हुए पूरे देश को आनंद में डुबाने का काम किया। यह हम लोगों के लिए सीख है। पहली बात संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी का गुलदस्ता देखने को मिला। राष्ट्रभाषा हिन्दी को विश्व स्तर पर गौरवान्वित करने का मौका किसी ने दिया तो वे वाजपेयी जी ही थे। अटल जी का कितना जीवन अलग-अलग प्रकार का है। कोई सोच ही नहीं सकता था। बांग्लादेश की सीमाओं पर लड़ने वाली सेनाओं के मनोबल को बढ़ाने का कार्य भी किया। देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री को गौरवान्वित करने के लिए मां जगदम्बा के समान शक्ति की साधना करने के उस भाव को जगाते हुए हमारी सेनाओं और पूरे देश का मनोबल उन्होंने बढ़ाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपातकाल लागू करना

लोकतंत्र का गला घोंटने वाली घटना थी। इस कठिन दौर में भी बगैर संकोच के साथ अटल जी ने श्री आडवाणी के साथ अनेक मंचों यहां तक की अपनी कविताओं के माध्यम से दिए गए सहयोग को यादगार बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कई दलों के साथ सरकार बनाना और सरकार को चलाना, आसान नहीं था। यहीं नहीं सरकार चलाने में पवित्रता रखना साधारण बात नहीं थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अटल जी के मन में सदैव पवित्रता का भाव रहता था। सरकार जाए तो चली जाए, लेकिन मूल्यों से वे कभी भी समझौता नहीं करते थे। उन्होंने सरकार चलाने के साथ परमाणु बनाने के संबंध में जिस प्रकार दृढ़ इच्छा शक्ति का परिचय देकर निर्णय लिया वह भारत को परमाणु शक्ति बनाकर स्वाभिमान के साथ जीने के अधिकार का बहुत बड़ा उदाहरण है। अटल जी ने अनेक धमकियों के बावजूद परमाणु परीक्षण किया। यह अटल जी ही कर सकते थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 25 दिसंबर को जन्म शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर ग्वालियर से 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के औद्योगिक निवेशों/विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण स्व. श्री अटल जी को समर्पित किया जाएगा, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि स्व. श्री अटल जी मध्यप्रदेश की धरती से निकले ऐसे महापुरुष हैं, जिनका योगदान विश्व लोकतंत्र को गौरव प्रदान करता है।समारोह के लिए राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु द्वारा प्रेषित शुभकामना संदेश का वाचन भी कार्यक्रम में किया गया।स्व. श्री अटल जी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में पूरे देश में वर्षभर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में वर्ष के समापन से पूर्व इंदौर में 'शून्य से शतक' कार्यक्रम का आयोजन कर उनके विचारों, योगदान और व्यक्तित्व का स्मरण किया गया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया ने स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व और कृतित्व की जानकारी देते हुए कविता पाठ के माध्यम से स्व अटलजी का स्मरण किया।

इन विभूतियों को मिला 'अटल अलंकरण'

इस अवसर पर श्री सत्यनारायण सत्तन (प्रसिद्ध कवि), श्री सत्यनारायण जटिया (पूर्व केंद्रीय मंत्री), श्री संजय जगदाले (भारतीय क्रिकेट टीम चयन समिति के पूर्व चयनकर्ता) तथा श्री पारंग शुक्ला (सागर) को 'अटल अलंकरण' से सम्मानित किया गया। समारोह में स्व. श्री अटल जी के जीवन पर आधारित एक भावपूर्ण लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। साथ ही, अटल जी से जुड़े संस्मरणों पर आधारित पुस्तक सदा अटल महाग्रंथ के तृतीय संस्करण के कवर पेज तथा केलेण्डर का विमोचन भी किया गया। अटल फाउंडेशन की श्रीमती माला तिवारी वाजपेई ने स्वागत भाषण दिया।

कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं अटल फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती माला वाजपेयी तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन के मुख्य आतिथ्य में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी के अवसर पर डेली कॉलेज, इंदौर में आयोजित 'शून्य से शतकः एक शताब्दी अटल भारत की' स्मरणोत्सव समारोह में अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ अभिषेक तिवारी और अन्य परिजन भी उपस्थित थे।

आजादी के 100 साल को ध्यान में रखते हुए तैयार करें शहरों के विकास की योजना : केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल

विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिये समन्वय से करें योजना का क्रियान्वयन,अधोसंरचना विकास के कार्यों में बजट का हो सही उपयोग, भोपाल में हुई शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक

केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा है कि शहरों के विकास के लिये केन्द्र सरकार से मिलने वाली बजट राशि का पूरा उपयोग समय पर किया जाए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत की जो कल्पना की है, उसे तभी पूरा किया जा सकेगा, जब केन्द्र और राज्य सरकार पूरे समन्वय के साथ कार्य करेंगी। केन्द्रीय शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल शनिवार को भोपाल के कुशाभाऊ इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर मे शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक (उत्तरी एवं मध्य राज्य) को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तरप्रदेश के शहरी विकास मंत्री, राज्य मंत्री, भारत सरकार एवं राज्यों के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के लिये तैयार की गई कार्य दिशा पुस्तिका का विमोचन किया। केन्द्रीय शहरी मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत की शहरी आबादी अनुमान के मुताबिक कुल आबादी की 50 प्रतिशत तक हो जाएगी। जब हम इसे ध्यान में रखते हुए शहरी योजनाओं का क्रियान्वयन करेंगे, तभी विकसित और आत्मनिर्भर भारत बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि शहरी कार्य मंत्रालय ने योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिये देश में क्षेत्रवार राज्यों की बैठक करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि हर राज्य की भौगोलिक स्थिति और परेशानियां अलग है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राज्यों के विकास के लिये केन्द्र सरकार सपोर्टिंग सिस्टम के रूप में काम करती है, ठोस प्रयास तो राज्य सरकारों को ही करना होगा।

ठोस कार्य योजना करें तैयार

केन्द्रीय शहरी मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि क्षेत्रीय बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत योजना, स्वच्छ भारत मिशन और शहरी परिवहन व्यवस्था पर मुख्य रूप से चर्चा की जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में तैयार मकानों के आवंटन न होने पर चिंता प्रकट की। राज्य सरकारों को यह प्रयास करना होगा कि जनता की वित्तीय हिस्सेदारी में प्रभावी रूप से किया जाये। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सबको आवास केन्द्र सरकार की फ्लेगशिप योजना है। इस योजना को पूरा करने के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ प्राइवेट रियल्टी सेक्टर के उद्यमियों को प्रोत्साहित करना होगा।

मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों को बनाया जा रहा है आत्मनिर्भर

मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि प्रदेश में नगरीय निकायों को आर्थिक और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नर्मदा नदी के किनारे बसे शहरों में सीवरेज कार्य को प्राथमिकता दी गई है। राज्य सरकार ने संकल्प लिया है कि नर्मदा नदी में गंदा पानी न मिलाया जाये। उन्होंने बताया कि प्रदेश की नगरीय क्षेत्रों में सम्पत्तियों की जीआई मेपिंग की गई है। इस कार्य से सम्पत्ति कर में 150 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने अमृत योजना में अधूरे कामों को पूरा करने के लिये केन्द्र से मदद दिये जाने का आग्रह किया। कार्यक्रम को केन्द्रीय सचिव आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय नई दिल्ली श्री श्रीनिवास कटिकिथला ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक के आयोजन के बारे में जानकारी दी।

वीडियो फिल्म का प्रदर्शन

कार्यक्रम के दौरान नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा नागरिकों को दी जाने वाली ऑनलाइन सेवाओं पर केन्द्रित वीडियो फिल्म का प्रदर्शन किया गया। फिल्म में पानी के सदुपयोग, अर्बन लॉकर, व्हीकल फ्यूल निगरानी सिस्टम और अन्य सेवाओं के डिजिटलीकरण की जानकारी दी गई। बैठक के प्रारंभ में अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय दुबे और आयुक्त नगरीय विकास श्री संकेत भोंडवे ने उल्लेखनीय उपलब्धियों की जानकारी दी।

सत्र में चर्चा

उद्घाटन सत्र के बाद विभिन्न राज्यों और केन्द्र सरकार के अधिकारियों के बीच योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर बिन्दुवार चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में 9 लाख 46 हजार आवासों में 8 लाख 79 हजार आवास निर्माण किये जा चुके है। पूर्ण आवासों के आधार पर मध्यप्रदेश प्रथम सर्वेश्रेष्ठ राज्यों में शामिल है। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 में 60 हजार आवासों को स्वीकृति दी जा चुकी है। केन्द्र सरकार के अधिकारियों ने कहा कि जिन हितग्राहियों के प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान बनाए जा चुके हैं, उनकी सुरक्षा की गारंटी राज्य सरकार को देना चाहिए। अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने बताया कि मध्यप्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों की आवास समस्या के हल के लिये उद्योगपतियों की मदद से किफायती आवास तैयार करने का कार्य राज्य सरकार कर रही है। सत्र में प्रधानमंत्री ई-बस सेवा की प्रगति पर भी चर्चा की गई। सत्र में बताया गया कि प्रदेश में बस डिपो और चार्जिंग स्टेशन बनाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। केन्द्र सरकार के अधिकारियों का कहना था कि प्रदेश में बनाई जा रही मेट्रोपॉलिटन सिटी में मेट्रो नेटवर्क के लिये राज्य सरकार को डीपीआर बनाने का कार्य प्राथमिकता से करना चाहिए। सत्र में अमृत योजना के बारे में जानकारी दी गई कि विभाग ने 6 हजार 500 प्रकरणों में स्वीकृति जारी की है। प्रदेश में ब्लैक लिस्टेड ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जा रही है। हाल ही में 40 ठेकेदारों के विरूद्ध कार्यवाही की गई है। सत्र में अमृत 3.0 पर भी चर्चा की गई। केन्द्र सरकार के अधिकारियों का कहना था कि पानी टेस्टिंग कार्यों में महिलाओं को आगे लाना चाहिए। स्वच्छ भारत मिशन बिन्दु की चर्चा पर बताया गया कि मध्यप्रदेश में स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। लीगेसी वेस्ट और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में तेजी से काम किया जाए। केन्द्र सरकार के अधिकारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश में 9 सीएनजी प्लांट लगाया जाना प्रस्तावित किया गया है। यह बड़ी उपलब्धि होगी। इंदौर के बायो सीएनजी प्लांट ने देश में अपनी अलग पहचान बनाई है।

विलुप्त जंगली भैंस प्रजाति की पुनर्स्थापना से प्रदेश की जैव विविधता होगी और अधिक समृद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

असम से आगामी 3 साल में 3 समूहों में आयेंगे 50 जंगली भैंस,एक जोड़ा गेंडा और 3 कोबरा भी आयेंगे,मध्यप्रदेश से असम को दिये जायेंगे एक जोड़ा टाइगर और 6 मगरमच्छ, मुख्यमंत्री डॉ. यादव की असम के मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को गुवाहाटी प्रवास के दौरान असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ वन्य जीवों के आदान-प्रदान को लेकर चर्चा की। दोनों राज्यों के बीच में सहमति बनी कि असम से 50 जंगली भैंसे 3 समूहों में 3 साल में, गैंडे का एक जोड़ा और 3 कोबरा मध्यप्रदेश में लाये जायेंगे। इन्हें भोपाल के वन विहार में रखा जायेगा। मध्यप्रदेश इसके बदले में असम की मांग के अनुसार एक जोड़ा टाइगर और 6 मगरमच्छ देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में चीते के बाद अब भैंस पुनर्स्थापना से प्रदेश की जैव विविधता में एक नया आयाम जुड़ेगा। यह प्रयास एक प्रजाति के संरक्षण के साथ ही प्रदेश के जंगलों के पारिस्थितिकी तंत्र सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। मध्यप्रदेश पहले ही 'टाइगर स्टेट' और 'लेपर्ड स्टेट' के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। सफल चीता पुनर्स्थापना के बाद जंगली भैंसों की पुनर्स्थापना से राज्य के जैव विविधता संरक्षण क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ेगा। राज्य सरकार वन्यजीव संरक्षण के साथ ही उन प्रजातियों की वापसी के लिए भी प्रतिबद्ध हैं, जो कभी इस भूमि की पहचान हुआ करती थीं। मध्यप्रदेश में जंगली भैंसों की आबादी पिछले सौ वर्षों से भी अधिक समय पहले समाप्त हो चुकी थी। वर्तमान समय में देश में जंगली भैंसों की प्राकृतिक आबादी मुख्य रूप से असम राज्य तक सीमित रह गई है। छत्तीसगढ़ में भी ये हैं, किंतु इनकी संख्या अत्यंत सीमित है। देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा किए गए विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया कि कान्हा टाइगर रिजर्व जंगली भैंसों के पुनःस्थापन के लिए सबसे उपयुक्त क्षेत्र है। अध्ययन में घास के मैदानों की गुणवत्ता, जल स्रोतों की उपलब्धता, मानव हस्तक्षेप की न्यूनता और अन्य शाकाहारी जीवों के दबाव जैसे कारकों का मूल्यांकन किया गया है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा इस संबंध में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (CZA) तथा भारत सरकार से आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। पुनर्स्थापन को चरणबद्ध और सुरक्षित ढंग से अंजाम दिया जाएगा। यह योजना दीर्घकालिक संरक्षण और प्राकृतिक प्रजनन को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है।

श्रीमहाकाल महोत्सव श्रद्धालुओं को आध्यात्म, धर्म और प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा से जोड़ने का माध्यम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उज्जैन में हुआ श्री महाकाल महोत्सव का भव्य आयोजन शुरू,मुख्यमंत्री ने श्री महाकालेश्वर मंदिर की नवीन आधिकारिक वेबसाइट पोर्टल का किया शुभारंभ,600 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले श्री महाकालेश्वर भक्त निवास के दान एवं सीआरएस पोर्टल का शुभारंभ,पार्श्व गायक श्री शंकर महादेवन के भजनों की सुमधुर प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोहा,मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया श्री महाकाल महोत्सव का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि श्री महाकाल महोत्सव से उज्जैन की सुंदरता को स्वर्ग के समान बना दिया है। आज की उज्जैन नगरी महाकवि कालिदास की रचनाओं की अवंतिका के समान हो गई है। सम्राट विक्रमादित्य और राजा भोज के काल से अवंतिका नगरी न्याय और प्रशासनिक दक्षता की वाहक है। सम्राट विक्रमादित्य, राजा भोज और अवंतिका नगरी की अन्य महान विभूतियों और प्रेरक कहानियों को श्री महाकाल महालोक में मूर्ति कला और दीवारों पर चित्रों के माध्यम से बड़ी सुंदर तरीके से दर्शाया गया है। श्री महाकाल की नगरी काल की नगरी है। श्री महाकाल की कृपा से हमारी प्रत्येक सांस है और प्रेरणा से यह जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित है। प्रदेश ने धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर अपनी नवीन पहचान स्थापित की है । श्री महाकाल महोत्सव श्रद्धालुओं को आध्यात्म, धर्म और प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ने का माध्यम है। इससे श्रद्धालुओं को बाबा का आशीर्वाद भी मिलेगा, और उज्जैन की जानकारी भी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मकर संक्रांति पर्व की पावन संध्या पर पूजन अर्चन कर श्री महाकाल महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल,राज्य सभा सांसद श्री बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सत्य नारायण जटिया,श्री संजय अग्रवाल, श्री राजेश धाकड़, श्री रवि सोलंकी, श्री श्री नरेश शर्मा, श्री श्रीराम तिवारी,श्री रूप पमनानी आदि जनप्रतिनिधि और हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग है ,दोनों ज्योतिर्लिंग की कनेक्टविटी सड़क ,वायु और रेल मार्ग से बढ़ाकर श्रद्धालुओं को सुविधा प्रदान की जा रही है। उज्जैन में तो शक्ति पीठ माता गढ़ कालिका भी है साथ ही यहाँ शिप्रा के किनारे गुरुद्वारा है जहां श्री गुरु नानक जी आए और उज्जैन का उल्लेख अपने पदों में किया है। उज्जैन की विविधता और समरसता निराली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में सावन महोत्सव 2003 के बाद शुरू किया गया। अब शिवरात्रि से लेकर गुड़ी पड़वा तक उज्जैन में मेला आयोजित हो रहे हैं। उज्जैन में आयोजित विविध कार्यक्रमों और मेलों के माध्यम से पर्यटनों को इतिहास और संस्कृत से जोड़ रहे है और सभी का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन और ग्वालियर में आयोजित व्यापार मेले में वाहनों में कर की छूट भी सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है। इस परम्परा को ओर समृद्ध बनाकर अब भोपाल के साथ उज्जैन में भी 5 दिवसीय वन मेला दशहरा मैदान पर आयोजित किया जाएगा। इसमें विभिन्न वन उत्पाद नागरिक प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संगीत की समृद्ध परंपरा में डमरू सबसे पहला वाद्य यंत्र है। संगीत की समृद्ध परंपरा में अन्य यंत्र इसके बाद बने है। शंकर महादेवन द्वारा दी जाने वाली डमरू वाद्य यंत्र पर प्रस्तुति अद्भुत होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल्द ही जिले को इंदौर उज्जैन सिक्स लेन, हरिफटक पुल सिक्स लेन, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स आदि की सौगात मिलेगी। साथ ही जिले में अन्य विकास के कार्य भी किए जा रहे है। जिले में 25 जनवरी को राहगीरी का आनंद उत्सव भी आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री महाकालेश्वर मंदिर की नवीन आधिकारिक वेबसाइट पोर्टल www.shrimahakaleshwar.mp.gov.in का शुभारंभ किया। साथ ही 600 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले श्री महाकालेश्वर भक्त निवास के दानदाताओं के लिए वेबसाइट www.shrimahakaleshwar.mp.gov.in/bhaktniwas का भी शुभारंभ किया। श्री महाकाल महोत्सव में पार्श्व गायक श्री शंकर महादेवन की आकर्षक प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। वीर भारत न्यास, विक्रमादित्य शोध पीठ तथा श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह महोत्सव 18 जनवरी 2026 (विक्रम संवत 2082) तक चलेगा।

सायबर सेल नीमच की सक्रियता से बुजुर्ग दंपत्ति के बचे 60 लाख रूपये....
मनी लांड्रिग केस के नाम पर बुजुर्ग दंपत्ति को किया था डिजिटल अरेस्ट

1. मनी लांड्रिग केस में नाम आने के नाम पर किया गया था डिजिटल अरेस्ट स्कैम।

2. विगत 15 दिवस से बुजुर्ग दंपति को मनी लांड्रिग केस के नाम पर बनाया जा रहा था शिकार।

3. सायबर ठगों द्वारा मनी लांड्रिग केस में राशि बचाने हेतु एफडी को तुड़वाकर एक अन्य बैंक खातें में राशि स्थानातंरित करने का दिया था झांसा।

4. सायबर ठगों के झांसे में आकर बुजुर्ग दंपत्ति द्वारा 60 लाख रूपये की तुडवाई थी कई एफ.डी.।

5. सायबर सेल नीमच को इन्दौर क्राईम ब्रांच से सुचना प्राप्त होते ही तत्काल 07 मिनट में पहुंचकर सक्रियता से बचाये बुजुर्ग दंपत्ति के 60 लाख रूपये।

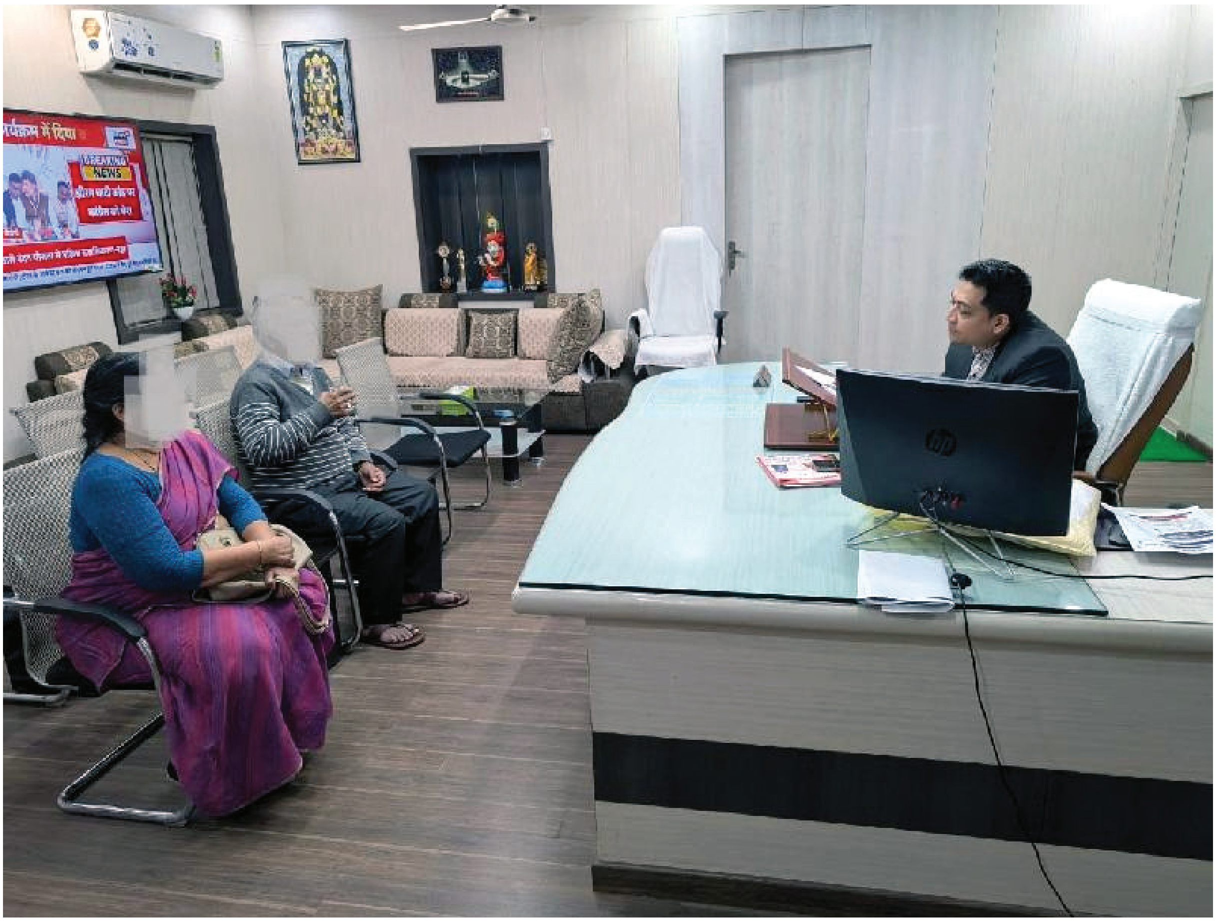

अविनाश जाजपुरा | नीमच

नीमच जिलें में सायबर फ्रॉड पर अंकुश लगाने एवं सायबर फ्रॉड के प्रकरणों की रोकथाम हेतु प्राथमिकता के साथ प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस अधीक्षक नीमच श्री अंकित जायसवाल द्वारा सायबर सेल नीमच को दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में सायबर क्राईम ब्रांच इन्दौर से प्राप्त सूचना के आधार पर सायबर सेल नीमच प्रभारी प्रदीप शिन्दें एवं उनकी टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना नीमच केंट अन्तर्गत विकास नगर क्षेत्र के बुजुर्ग दम्पत्ति को डिजीटल अरेस्ट स्केम से सुरक्षित रिहा कर लगभग 60 लाख रूपयें की धोखाधड़ी से बचाने में सफलता प्राप्त की गई है।दिनांक 22.12.2025 को सायबर सेल नीमच को सायबर क्राईम ब्रांच इन्दौर के उप निरीक्षक श्री शिवम ठक्कर के माध्यम से सुचना प्राप्त हुई कि विकास नगर निवासरत बुजुर्ग दम्पत्ति को डिजिटल अरेस्ट किया जाकर बुजुर्ग दम्पत्ति के साथ धोखाधड़ी की जा रही है। उक्त सूचना पर से सायबर सेल प्रभारी प्रदीप शिन्दें द्वारा पुलिस अधीक्षक महोदय नीमच श्री अंकित जायसवाल को उक्त संबंध में जानकारी से अवगत कराया जाने पर एस.पी. महोदय द्वारा तत्काल बुजुर्ग दम्पत्ति के घर जाकर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये। सायबर सेल टीम द्वारा सूचना प्राप्ति के मात्र 07 मीनिट में बुजुर्ग दम्पत्ति के घर जाकर अपना परिचय दिया गया। बुजुर्ग दम्पत्ति अत्यधिक घबरायें एंव डरे हुए थें तथा घटना के संबंध में जानकारी नही दे रहे थें। सायबर सेल टीम द्वारा मनोवैज्ञानिक तरीके से बुजुर्ग दम्पत्ति की काउंसलिंग की और उन्हें समझाया कि डिजिटल अरेस्ट जैसा कुछ नही होता, और पुलिस की कार्रवाई कभी भी इस प्रकार की वीडियो कॉल के माध्यम से नहीं की जाती है और यह पूरी तरह से अवैध है। लगभग 2 घन्टें तक सायबर सेल टीम द्वारा समझाने के बाद बुजुर्ग दम्पत्ति ने अपनी आपबीती सुनाई कि उन्हे दिनांक 08 दिसम्बर 2025 को वाट्सएप के माध्यम से कॉल प्राप्त हुआ तथा उसमें फ्रॉडस्टर द्वारा बुजुर्ग दम्पत्ति को खुद को दिल्ली का पुलिस कमिश्नर बताया जाकर मनी लांड्रिग केस में बुजुर्ग दम्पत्ति का नाम आने का झांसा दिया जाकर उनसे सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की गई तथा इस बारे में अपने बच्चों से बात करने पर बच्चों को भी जेल भेजने संबंधी डर बताया जाकर पुलिस अथवा बच्चों को कुछ भी नही बताने संबंधी धमकी दी गई। बुजुर्ग दम्पत्ति द्वारा जो कि शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त है के द्वारा पेंशन एवं अन्य जमा पुंजी से संचित एफडी को अपने खातें में ट्रांसफर करवाने संबंधी जानकारी अपनी बेटी जो कि नीमच से बाहर निवास करती है से पूछे जाने पर बेटी को कुछ शक होने पर क्राईम ब्रांच इन्दौर के उप निरीक्षक श्री शिवम ठक्कर से सम्पर्क किया तथा क्राईम ब्रांच इन्दौर के उप निरीक्षक श्री शिवम ठक्कर द्वारा तत्काल सायबर सेल नीमच प्रभारी प्रदीप शिन्दें को कॉल कर उक्त संबंध में सूचित किया गया। सायबर सेल टीम द्वारा बुजुर्ग दम्पत्ति को डिजीटल अरेस्ट जैसा कोई भी कानून नही होने संबंधी बातो की जानकारी दी जाकर लगभग 2 घन्टें तक बुजुर्ग दम्पत्ति को सायबर फ्रॉड के तरिकों एवं उनसे बचाव के उपचार बताते हुए डिजीटल अरेस्ट संबंधी वीडियो भी बुजुर्ग दम्पत्ति को बताये गयें। उक्त अवधि के दौरान सायबर ठगों द्वारा बुजुर्ग दम्पत्ति को वाट्सएप के माध्यम से कॉल एवं वीडियों कॉल कर लगातार डराया एवं झासें में लिया जा रहा था। पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल द्वारा भी बुजुर्ग दम्पत्ति से कार्यालय में मुलाकात कर बुजुर्ग दम्पत्ति से उनका हॉल चाल जाना एवं घटना के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की गई। एस.पी. श्री अंकित जायसवाल द्वारा बुजुर्ग दम्पत्ति को बताया गया कि वर्तमान में सायबर ठगो द्वारा आमजन से ठगी करने के लिये ईडी, सीबीआई, नारकोटिक्स डिपार्टमेन्ट, एयरपोर्ट के अधिकारी या असली दिखने वाली ''नकली पुलिस'' बनकर पीड़ित को विडियो कॉल के माध्यम से सम्पर्क किया जाता है। जिसमें पिड़ित को मानव तस्करी, मनी लांड्रिग, एनडीपीएस (ड्रग्स, ब्राउन शुगर) आदि जैसे नशीले पदार्थो का देश-विदेश से पार्सल भेजने/आने के नाम पर या अन्य किसी कारण से नियमों का भय दिखाकर झुठे केस में फसाने एवं डरा धमकाकर पैसे की मांग करते हैं व विडियो कॉल के माध्यम से डिजिटली अरेस्ट कर पैसे की ठगी करते हैं। सायबर ठगों द्वारा कभी-कभी टेक्स मनी लांड्रिग के नाम पर फर्जी नोटीस भी भेजे जाते है। सायबर ठगों द्वारा आमजन को झांसे में लेकर समस्त जमा पुंजी एक अन्य फ्राड खातें में स्थानांतरित करवाकर ठगी की जाती है। पीड़ित व्यक्ति सायबर ठगों के डर एवं झांसे में आकर ठगी का शिकार हो जाता है। पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल द्वारा बुजुर्ग दम्पत्ति को पूर्ण रूप से सायबर फ्रॅाड एवं डिजीटल अरेस्ट के बारें में जागरूक कर अन्य बुजुर्ग दम्पत्तियों को भी अपने साथ हुए डिजीटल अरेस्ट स्केम के संबंध में बताने एवं उन्हे जागरूक करने संबंधी समझाईश दी गई।

सराहनीय कार्यवाही -

सराहनीय कार्यवाही में साबयर सेल प्रभारी प्रदीप शिन्दें, प्रआर. आदित्य गौड़, आर. लखन प्रताप सिंह, आर. कुलदीप सिंह, आर. सोनेन्द्र राठौर, आरक्षक राहुल सौलंकी तथा क्राईम ब्रांच इन्दौर उप निरीक्षक श्री शिवम ठक्कर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अपील -

नीमच पुलिस आमजन से अपील करती है किसी भी अनजान नंबर से वाट्सएप कॉल को न उठाये, किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना पक्ष रखते समय बैंक/व्यवसाय/निजी जानकारी साझा न करें,डिजिटल अरेस्ट नामक कोई प्रक्रिया कानून में नहीं है, इस प्रकार का कॉल आने पर अपने आसपास के लोगों/परिजनों से सम्पक करें तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन, कन्ट्रोल रूम एवं सायबर सेल को सुचना दें।

आष्टा में करणी सेना कार्यकर्ताओं पर हमले के चार आरोपी गिरफ्तार। पुलिस की त्वरित कार्रवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश के आष्टा क्षेत्र में दो दिन पहले हुई हिंसक घटना के चार चिन्हित आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना पार्वती के अंतर्गत 21 दिसंबर को करणी सेना के कार्यकर्ताओं पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा हमला किया गया था। मारपीट के साथ वाहनों में तोड़फोड़ भी की गई। इस घटना ने स्थानीय स्तर पर तनाव बढ़ा दिया था। पुलिस की सक्रियता ने इसे जल्द ही नियंत्रित करने में सफलता हासिल की। घटना की जानकारी मिलते ही थाना पार्वती पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। टीम मौके पर पहुंची। आसपास के सीसीटीवी फुटेज व वीडियो रिकॉर्डिंग एकत्रित करने में जुट गई। इन फुटेजों के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में अकील अहमद पिता अफजल अहमद अलीम उद्दीन पिता अमीन उद्दीन फिरोज उद्दीन पिता जमाल उद्दीन मुजफ्फर उद्दीन पिता जहीर उद्दीन शामिल हैं।

सभी आरोपी स्थानीय निवासी बताए जा रहे हैं।

पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ। यह हमला करणी सेना के एक कार्यक्रम के दौरान हुआ। कार्यकर्ता सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैला रहे थे। हमलावरों ने अचानक हमला बोल दिया। कई कार्यकर्ता घायल हो गए। दो वाहनों को नुकसान पहुंचा। एसपी आष्टा ने बताया। घटना की गंभीरता को देखते हुए हमने 24 घंटे के अंदर कार्रवाई की। पूछताछ जारी है। बाकी फरार आरोपियों की तलाश के लिए टीमें लगी हुई हैं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई है।स्थानीय लोगों का कहना है। यह घटना सामुदायिक तनाव का परिणाम हो सकती है। पुलिस ने आश्वासन दिया है। निष्पक्ष जांच होगी। करणी सेना के पदाधिकारियों ने गिरफ्तारियों का स्वागत किया।

सामाजिक न्याय से लेकर कृषि–उद्यानिकी तक, समावेशी विकास की रखी मजबूत नींव : मंत्री श्री कुशवाह

सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन कल्याण एवं उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन–2047 और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को कृषि एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। सामाजिक न्याय से लेकर कृषि–उद्यानिकी तक, समावेशी विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने प्रदेश में गत 2 वर्षों में उद्यानिकी और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में हुए उपलब्धियों, नवाचारों और आगामी 3 वर्षों में विभाग की कार्य योजनाओं के संबंध में अवगत कराया।

उद्यानिकी में रिकॉर्ड वृद्धि

गत दो वर्षों में उद्यानिकी फसलों का रकबा 25.12 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 28.29 लाख हेक्टेयर हो गया है। इसी अवधि में उत्पादन 389.10 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 425.68 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया है। प्रदेश की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता 15.08 मीट्रिक टन, राष्ट्रीय औसत से अधिक है। मध्यप्रदेश मसाला उत्पादन में प्रथम, पुष्प उत्पादन में द्वितीय, सब्जी उत्पादन में तृतीय और फल उत्पादन में चतुर्थ स्थान पर है।

जीआई टैग और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

रीवा का सुंदरजा आम और रतलाम का रियावन लहसुन जीआई टैग प्राप्त कर चुके हैं। प्रदेश की 15 फसलों का जीआई पंजीयन कराया गया है। इजराइल के तकनीकी सहयोग से मुरैना में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया गया है

ढोढर चौकी प्रभारी रघुवीर जोशी की टीम ने प्रतापगढ़ और जावरा के दो मोटर साइकिल सवार तस्करों से 15 लाख की अवैध मादक पदार्थ ड्रग्स एमडी जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार

रतलाम जिला पुलिस कप्तान श्री अमित कुमार की जिले की पुलिस को मिल रही लगातार सफलता के तहत वही रिंगनोद थाना क्षेत्र की ढोढर चौकी पुलिस ने प्रतापगढ़ और जावरा के दो मोटर साइकिल सवार तस्करों से 15 लाख की अवैध मादक पदार्थ ड्रग्स एमडी जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया जिनके विरुद्ध आगे की ठोस कार्रवाई चल रही और अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त ड्रग्स की कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है। पकड़े गये आरोपियों में एक मध्यप्रदेश के जावरा का और दूसरा राजस्थान के प्रतापगढ़ का रहने वाला है। और जावरा एसडीओपी श्री संदीप मालवीय ने बताया कि जिला पुलिस कप्तान श्री अमित कुमार के निर्देश पर मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहे अभियान के तहत रात मुखबिर सूचना पर ढोढर चौकी प्रभारी श्री रघुवीर जोशी और उनकी टीम ने बरखेड़ी फंटा के पास घेराबंदी की। वहां से गुजर रहे बाइक सवार अफरोज खां (35) पिता एहमद खां मेवाती, निवासी मेवातीपुरा,जावरा (रतलाम) नीलेश सिंह (30) पिता दुलेसिंह दरोगा,निवासी रिछापडुनि थाना अरनोद, जिला प्रतापगढ़ (राजस्थान)। कि तलाशी लेने पर उनके पास से प्लास्टिक की थैली में 150 ग्राम MD ड्रग्स मिली पुलिस ने उनकी बजाज पल्सर बाइक भी जब्त कर दोनो के खिलाफ धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि वे इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स कहां से लाए थे और किसे सप्लाई करने जा रहे थे। इस कार्रवाई में रिंगनोद थाना प्रभारी आनंद आजाद और ढोढर चौकी प्रभारी रघुवीर जोशी की अहम भूमिका रही

ड्रोन व मुखबिर तंत्र का असर....खेतों में उग रहा था नशे का जाल....गेहूं-रायड़े की आड़ में गांजे की खेती

थाना कुकडेश्वर की माह दिसंबर की दूसरी बड़ी सफलता

3.12 क्विंटल गांजा, करीब 10 हजार हरे पौधे जप्त

अविनाश जाजपुरा। नीमच

नीमच/कुकडेश्वर : माननीय मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश एवं माननीय पुलिस महानिदेशक महोदय के निर्देशानुसार प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत नीमच पुलिस को एक और बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन, उप पुलिस महानिरीक्षक रतलाम रेंज तथा पुलिस अधीक्षक नीमच श्री अंकित कुमार जायसवाल के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिंह सिसौदिया एवं प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनासा सुश्री निकीता सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कुकडेश्वर निरीक्षक भीम सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में यह प्रभावी कार्यवाही की गई।

पुलिस थाना कुकडेश्वर, मनासा एवं रामपुरा की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम आमद–रगसपुरिया (अमरगढ़) रोड स्थित खेत पर दबिश दी गई। जहां गेहूं एवं रायड़े की फसल की आड़ में अवैध रूप से गांजे की खेती की जा रही थी। पुलिस ने मौके से लगभग 10 हजार छोटे-बड़े हरे गांजे के पौधे, कुल वजन 3 क्विंटल 12 किलोग्राम, जप्त किए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख रुपये है।दिनांक 22 दिसंबर 2025 को थाना प्रभारी कुकडेश्वर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आमद–रगसपुरिया रोड के पश्चिम दिशा में स्थित पत्थर की मेड वाले खेत में अवैध गांजे की खेती की गई है। सूचना के सत्यापन उपरांत पुलिस टीम द्वारा सर्वे क्रमांक 85 स्थित खेत पर दबिश दी गई, जहां बड़ी मात्रा में गांजे के हरे पौधे पाए गए। प्रकरण में संबंधित भूमि स्वामी के संबंध में राजस्व विभाग से जानकारी प्राप्त की जा रही है। गौरतलब है कि पुलिस अधीक्षक नीमच द्वारा हाल ही में आयोजित अपराध समीक्षा बैठक में जिले के सभी थाना प्रभारियों को मादक पदार्थों की अवैध खेती के विरुद्ध मुखबिर तंत्र को सशक्त करने एवं ड्रोन के माध्यम से सर्चिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे।

माह दिसंबर की दूसरी बड़ी कार्रवाई

इससे पूर्व दिनांक 05 दिसंबर 2025 को भी कुकडेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम श्योपुरिया चक्कीवाला स्थित सर्वे क्रमांक 108 के खेत से 3 क्विंटल 25 किलोग्राम वजन के करीब 15 हजार गांजे के हरे पौधे जप्त किए गए थे।

सराहनीय कार्यवाही

इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना कुकडेश्वर, थाना मनासा, थाना रामपुरा एवं उनकी पुलिस टीम का विशेष सराहनीय योगदान रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 16 जनवरी को लाड़ली बहना योजना की 32वीं किशत का बहनों के खातों मे करेंगे अंतरण

एक करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में आएंगे 1836 करोड़ रूपये

माखन नगर में होगा लाड़ली बहना का राज्य स्तरीय सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार, 16 जनवरी को माखन नगर (बाबई), जिला नर्मदापुरम में आयोजित लाड़ली बहनों के राज्य स्तरीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत प्रदेश की बहनों के खातों में राशि का अंतरण करेंगे। प्रदेश की लगभग 1 करोड़ 25 लाख 31 हजार से अधिक पात्र बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जायेगी। साथ ही 29 लाख बहनों को गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 90 करोड़ से अधिक राशि का अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया जायेगा। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत जून 2023 से की गई थी। योजना के अंतर्गत माह नवंबर 2025 से राशि में 250 रुपये की वृद्धि की गई है। अब पात्र हितग्राही महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना में जून 2023 से दिसंबर 2025 तक मासिक आर्थिक सहायता की 31 किश्तों का नियमित रूप से अंतरण किया जा चुका है। जनवरी 2026 में योजना की 32वीं किश्त का लाड़ली बहनों के खातों में अंतरण किया जायेगा। योजना अंतर्गत अब तक जून 2023 से दिसंबर 2025 की अवधि में कुल 48 हजार 632 करोड़ 70 लाख रुपये की राशि हितग्राही महिलाओं के खातों में अंतरित की जा चुकी है। जनवरी 2024 से दिसंबर 2025 के दौरान 38 हजार 635 करोड़ 89 लाख रुपये का अंतरण किया गया है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से प्रदेश की महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान सुनिश्चित किया गया है। आगामी समय में योजना की हितग्राही महिलाओं को विभिन्न रोजगार, स्वरोजगार एवं कौशल उन्नयन कार्यक्रमों से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे, जिससे वे आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बन सकें।

राशन सामग्री की कालाबाजारी करने वाले 05 आरोपीगण को 04-04 वर्ष का सश्रम कारावास

नीमच। श्रीमान् राकेश कुमार शर्मा, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, नीमच द्वारा राशन

की खाद्य सामग्री का परिवहन कर उसको शासकिय उचित मूल्य की दूकान पर नहीं पँहुचाकर उसकी कालाबाजारी करने वाले 05 आरोपीगण (1) जसवंतसिंह पिता मानसिंह चौहान, उम्र-43 वर्ष, निवासी-ग्राम जमुनियारावजी, थाना मनासा, जिला नीमच, (2) सद्दाम मेव पिता उस्मान मेव, उम्र-26 वर्ष, निवासी-जोशी मोहल्ला, मल्हारगढ़, जिला मंदसौर, (3) आसिफ मेव पिता एहमद हुसैन मेव, उम्र-33 वर्ष, निवासी-पुराना बाजार, मल्हारगढ़, जिला मंदसौर, (4) लोकेश उर्फ सोनू पिता कैलाश तिवारी, उम्र-26 वर्ष, निवासी-शांतिनगर, नीमच सिटी, जिला नीमच एवं (5) मेहरबानसिंह पिता पीरूसिंह परमार, उम्र-51 वर्ष, निवासी-ग्राम बेरागढ़, थाना देवास, जिला देवास को धारा 407/120बी भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 04-04 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5000-5000रू. अर्थदण्ड से एवं धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अंतर्गत 02-02 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5000-5000रू. अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

अवैध मादक पदार्थ तस्करों पर जीरन पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 100 किलो डोडाचूरा व कार जब्त

अविनाश जाजपुरा। नीमच

माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश एवं पुलिस महानिदेशक भोपाल के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत थाना जीरन पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस अधीक्षक जिला नीमच श्री अंकित जायसवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसोदिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री किरण चौहान के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी जीरन निरीक्षक उमेश यादव के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा 100 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा सहित वोक्सवेगन कार जब्त की गई है।

घटना का संक्षिप्त विवरण

दिनांक 17 दिसंबर 2025 की रात्रि में पुलिस सहायता केंद्र पैमाने हर्कियाखाल फंटा फोरलेन हाईवे रोड पर वाहन चेकिंग के दौरान एक वोक्सवेगन कार क्रमांक जीजे 07 एआर 9047 को रोका गया। वाहन चालक पुलिस को देखकर वाहन को पीछे मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस टीम द्वारा पीछा कर पकड़ लिया गया।

तलाशी के दौरान वाहन से चार प्लास्टिक के कट्टों में भरा 100 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया गया। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत लगभग 11 लाख रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तार आरोपी

पुखराज पिता तुलछाराम जाट, उम्र 26 वर्ष, निवासी भटाला, थाना सेन्दरी, जिला बाड़मेर (राजस्थान)

फरार आरोपी

पीराराम पिता शेराराम जाट, निवासी नेरा की ढाणी, तहसील सेन्दरी, जिला बाड़मेर (राजस्थान)

जप्त सामग्री

1. अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा 100 किलोग्राम, कीमत लगभग 3 लाख रुपये
2. वोक्सवेगन कार क्रमांक जीजे 07 एआर 9047, कीमत लगभग 8 लाख रुपये 3. दो मोबाइल फोन, कीमत लगभग 14 हजार रुपये जप्तशुदा मादक पदार्थ के संबंध में पूछताछ एवं विवेचना जारी है। उक्त संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश यादव एवं उनकी टीम का सराहनीय योगदान रहा।

नीमच जिले ने दो वर्षों में विकास के नए आयाम स्थापित किए : प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया

मेडिकल कॉलेज, नगरीय विकास, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त की उल्लेखनीय उपलब्धियां, दो वर्षो की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक का किया विमोचन

अविनाश जाजपुरा। नीमच

महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक एवं प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर नीमच जिले में अब तक किए गए विकास कार्यों, योजनाओं की प्रगति तथा उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान प्रभारी मंत्री एवं अतिथियों ने विकास एवं सेवा के दो वर्ष सरकारी की उपलब्धियां पर आधारित पुस्तकें का विमोचन किया। इस दौरान विधायक जावद श्री ओमप्रकाश सखलेचा, नीमच विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, मनासा विधायक श्री अनिरूद्ध मारू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिह चौहान, न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदाबाई धनगर,जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा,जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस. कलेशसहित सहित सभी जिलाधिकारी, समिति के सदस्यगण,पत्रकार गण मौजूद थे। प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि विगत दो वर्षों में नीमच जिले में धार्मिक, पर्यटन, औद्योगिक, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, नगरीय एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में उल्लैखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं। प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा , कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से नीमच जिला निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है तथा आने वाले समय में जिले को विकास के नए शिखर पर पहुंचाया जाएगा।जिला सलाहकार समिति की बैठक में सदस्य श्री हेमंत हरित, श्री आदित्य मालू, श्री बंशीलाल राठौर, श्री मधुसुदन खण्डेलवाल, श्री बगदीराम गुर्जर, श्री सत्यनारायण बडोले, डॉ.मनीष चमडीया, श्री सुनील शर्मा, श्री नरेन्द्र पाटीदार, श्री भगतराम पाटीदार, आदि भी उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, कि नीमच जिला सौर ऊर्जा के हब के रूप में देश एवं प्रदेश में पहचाना जाने लगा है। जिले की सिंगोली तह. के गांव बड़ी कवई में 300 मेगावाट क सौर प्लांट स्थापित हुआ है। इससे बिजली का उत्पादन प्रारंभ हो गया है। नीमच जिले को 350 करोड़ लागत के मेडिकल कॉलेज भवन की सौगात भी मिली है। इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 100 सीटों पर मेडिकल की पढ़ाई भी प्रारंभ हो गई है। इस वर्ष द्वितिय सत्र में 200 छात्रमेडिकल की पढ़ाई कर रहे है। नीमच जिले में नवीन उद्योगों की स्थापना के प्रति भी निवेशकों का रुझान बढ़ा है। जिले में 150 नए एम.एस.एम.ई उद्योग स्थापित हुए है। इनमें 118 करोड़ का पूँजी निवेश होकर, 1096 व्यक्तियों को मिला रोजगार मिला है। साथ ही जिले में एमपीआईडीसी के माध्यम से 11 वृद्धद औद्योगिक ईकाईयाँ स्थापित हो रही है। इनमें 5269 करोड़ का पूजी निवेश प्रस्तावित है। और इन औद्योगिक ईकायों में 4935 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही जिले एवं प्रदेश मे गत दो वर्षों में पक्की सड़कों का जाल बिछा है। नीमच में 133 करोड़ की लागत से भाटखेड़ा, नीमच, डूंगलावदा तक डिवायडर युक्त फोरलेन सीसी सड़क निर्माण का कार्य तेजी से जारी है। बघाना, हिगोरिया, ओवर ब्रिज का कार्य भी प्रगति पर है। इस मौके पर विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, ने कहा, कि जावद क्षेत्र में ए.आई.शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। क्षेत्र के 1400 बच्चें आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस की पढ़ाई कर रहे है। जावद क्षेत्र का परीक्षा परिणाम भी उत्कृष्ट रहा है। जावद के सीएम राईज स्कूल को आईएसओ प्रमाण पत्र मिला है। जनसहयोग से निर्मित मोडी की बावड़ी उज्जैन संभाग की सबसे अच्छी बावड़ियों में शामिल है। नीमच से सिंगोली तक 85 कि.मी.नवीन सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया है। जाट से रतनगढ़ तक की सड़क का निर्माण कार्य भी स्वीकृत होकर शीघ्र प्रारंभ होने वाला है।मनासा विधायक श्री अनिरूद्ध मारू ने कहा,कि मनासा में 100 बिस्तरीय सिविल हॉस्पिटल प्रारंभ हो गया है। साथ ही क्षेत्र में अनेकों नवीन सड़कों का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

रतलाम की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर है विशिष्ट पहचानः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

रतलाम का सौभाग्य, बगैर मांगे मिली मेट्रोपोलिटिन रीजन में शामिल होने की सौगात : मंत्री श्री काश्यप,मुख्यमंत्री डॉ. यादव का रतलामवासियों ने अभूतपूर्व सौगात के लिए किया अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सेंव, सोना और साड़ी के लिए रतलाम की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति है। इनसे रतलाम की अपनी विशिष्ट पहचान बनी है। रतलाम स्वाभिमानी और पुरूषार्थी लोगों की नगरी है। यहां के लोग काम के आधार पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाते हैं। इसका सबसे अच्छा उदाहरण सूक्ष्म,लघु, एवं मध्यम, उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रतलाम को इंदौर मेट्रोपोलिटिन रीजन में शामिल करने के लिए रतलाम वासियों के द्वारा संवाद भवन (मुख्यमंत्री निवास) में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह को संबोधित करते हुए एमएसएमई मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि बगैर मांग के रतलाम को मेट्रोपोलिटिन रीजन में शामिल किया जाना रतलाम वासियों के लिए सौगात की बात है। रतलाम के प्रभारी मंत्री डॉ. विजय शाह ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने वाले मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रतलाम में औद्योगिक विकास की सभी संभावनाएं पहले से ही असीमित हैं। इन संभावनाओं को साकार करने के लिए रतलाम को मेट्रोपोलिटिन क्षेत्र में शामिल किया गया है। नागदा और खाचरौद पहले ही शामिल कर लिए गए, ऐसी स्थिति में असीमित संभावनाओं से परिपूर्ण रतलाम को भी शामिल करना ही था। अब इंदौर, उज्जैन के साथ रतलाम के शामिल हो जाने से मेट्रोपोलिटिन रीजन का विकास ट्रिपल इंजन की समन्वित शक्ति से होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रतलाम वासियों का अभिनंदन के लिए आभार मानते हुए कहा कि मुख्यमंत्री निवास प्रदेश की जनता का ही घर है। एमएसएमई मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि मध्यप्रदेश का विगत दो वर्षों में अभूतपूर्व विकास हुआ है। मेट्रोपॉलिटिन रीजन का विजन मुख्यमंत्री की विकास के प्रति अद्वितीय ललक की परिणीति है। वर्ष 2025 में भोपाल में आयोजत ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, विभिन्न संभागों में आयोजित रीजनल इन्डस्ट्रीयल कॉन्क्लेव और मेट्रोपोलिटिन रीजन मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मध्यप्रदेश के विकास के प्रति व्यापक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संवाद भवन में रतलाम के संयुक्त व्यापारी संघ, सराफा एसोसिएशन, खेल संगठन, ग्रेन मर्चेंट संघ, बार एसोसिएशन, मेडिकल एसोसिएशन सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने अभिनंदन किया। समारोह में जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप उपाध्याय, महापौर रतलाम नगर निगम श्री प्रह्लाद पटेल, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रमुख बिंदु

रतलाम स्वाभिमानी और पुरूषार्थी लोगों की नगरी है।यहां के लोग काम के आधार पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाते हैं।बगैर मांग के रतलाम को मेट्रोपोलिटिन रीजन में शामिल किया जाना रतलाम वासियों के लिए सौगात की बात है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने वाले मुख्यमंत्री हैं।रतलाम में औद्योगिक विकास की संभावनाएं असीमित हैं। इंदौर, उज्जैन के साथ रतलाम के शामिल हो जाने से मेट्रोपोलिटिन रीजन का विकास ट्रिपल इंजन की समन्वित शक्ति से होगा। मुख्यमंत्री निवास प्रदेश की जनता का ही घर है।मेट्रोपॉलिटिन रीजन का विजन मुख्यमंत्री की विकास के प्रति अद्वितीय ललक की परिणीति है।

एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स में मध्यप्रदेश की बड़ी छलांग

नीति आयोग द्वारा जारी निर्यात तत्परता सूचकांक (Export Preparedness Index – EPI) 2024 में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए देश के 17 बड़े राज्यों में 9वां स्थान प्राप्त किया है। 57 अंकों के साथ प्रदेश न केवल 'चैलेंजर' श्रेणी में शामिल हुआ है, बल्कि इस श्रेणी के सभी राज्यों में शीर्ष स्थान पर रहा है। यह उपलब्धि राज्य की निर्यात-संवर्धन नीतियों, बेहतर व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र और निरंतर सुधार की दिशा में किए गए प्रयासों का प्रमाण है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता प्रदेश की निर्यात-अनुकूल नीतियों, व्यापार सुगमता सुधारों और उद्यम प्रोत्साहन पहलों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निर्यात को आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन मानते हुए निरंतर प्रयासरत है और आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश को 'लीडर' श्रेणी में पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

चैलेंजर श्रेणी में मध्यप्रदेश अव्वल

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 'चैलेंजर' श्रेणी में शामिल मध्यप्रदेश, हरियाणा, केरल और पश्चिम बंगाल में मध्यप्रदेश ने पहला स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश ने हरियाणा (55.01 अंक), केरल (53.76 अंक) और पश्चिम बंगाल (53.03 अंक) जैसे स्थापित औद्योगिक एवं निर्यातक राज्यों को पीछे छोड़ते हुए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

70 संकेतकों पर हुआ समग्र मूल्यांकन

EPI-2024 में निर्यात अवसंरचना, व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र, नीति एवं शासन तथा निर्यात प्रदर्शन, चार प्रमुख स्तंभों के अंतर्गत 70 संकेतकों के आधार पर राज्यों का आकलन किया गया। इन सभी क्षेत्रों में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति करते हुए अपनी निर्यात क्षमता को मजबूती प्रदान की है।

निर्यात में सतत वृद्धि

मध्यप्रदेश ने हाल के वर्षों में निर्यात के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जहां प्रदेश का निर्यात 47,959 करोड़ रुपये था, वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 66,218 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह वृद्धि राज्य सरकार की निर्यात-संवर्धन रणनीतियों और उद्योग-अनुकूल वातावरण का परिणाम है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में की सौजन्य भेंट

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से नई दिल्ली में गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सौजन्य भेंट कर नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा के सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन के विस्तार की परियोजना के भूमि-पूजन के लिये अनुरोध किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट के आयोजन, प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाये जाने, नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड-साँची सहकारिता अनुबंध की प्रगति रिपोर्ट के साथ प्रदेश में एनटी नक्सल अभियान की प्रगति से अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में एनटीपीसी लिमिटेड का सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन स्थित है। ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 1600 मेगावॉट (स्टेज II, 2×800 MW) क्षमता के विस्तार की अनुमति प्रदान की गई है। इसकी कुल लागत 20 हजार 446 करोड़ रूपये है। परियोजना को वर्ष 2029-30 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। यह परियोजना अत्याधुनिक अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल टेक्नोलॉजी पर आधारित है और इसमें एयर कूल्ड कंडेंसर टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया गया है, जो पारंपरिक वॉटर कूल्ड कंडेंसर (कूलिंग टॉवरों के साथ) की तुलना में पानी की खपत को 1/3 कम करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष-2026 में "समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश" के लक्ष्य को साकार करने के लिए 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 को मध्यप्रदेश में 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' के रूप में मनाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि कृषक कल्याण वर्ष-2026 के आयोजन के लिये जनवरी, 2026 से नवम्बर 2026 तक विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का विस्तृत कैलेंडर तैयार किया गया है।

खंडवा पुलिस ने नकली पुलिस बनकर लूट करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का किया पर्दाफाश

500 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालकर पुलिस ने दो सदस्यों को किया गिरफ्तार

खंडवा जिले के थाना पदमनगर पुलिस ने नकली पुलिस बनकर लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो सदस्यों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। यह गिरोह मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी नकली पुलिस बनकर वारदातों को अंजाम देते थे। दिनांक 12 नवंबर को फरियादी हसमतराय गुरवानी (उम्र 65 वर्ष) निवासी कावेरी स्टेट, थाना पदमनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दो अज्ञात बाइक सवार व्यक्तियों ने स्वयं को पुलिसकर्मी बताकर उनसे सोने की एक चेन एवं दो अंगूठियां यह कहकर उतरवा लीं कि पास में लूट की घटना हुई है। विरोध करने पर फरियादी पर हमला कर फरार हो गए। इस संबंध में बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार राय के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री महेन्द्र तारनेकर एवं सीएसपी खंडवा श्री अभिनव कुमार बारंगे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण आर्य के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा शहर एवं आवागमन मार्गों पर लगे 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का विश्लेषण किया गया, जिससे तीन संदिग्धों की पहचान की गई। 15 दिसंबर को संदिग्धों के फुटेज अन्य जिलों में प्रसारित किए गए। विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी नर्मदापुरम जिले के ईरानी गैंग से जुड़े हैं। इसके आधार पर पदमनगर पुलिस की टीम को नर्मदापुरम भेजा गया, जहाँ तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिरों की मदद से दो आरोपी गटरा उर्फ अप्पा हुसैन उर्फ अयान, पिता अफसर हुसैन, उम्र 25 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 32, ईदगाह मोहल्ला, थाना कोतवाली, जिला नर्मदापुरम तथा कासिम, पिता अफसर सैय्यद, उम्र 30 वर्ष निवासी ईदगाह मोहल्ला, नर्मदापुरम, मूल निवासी साई बाबा मंदिर के पीछे, अंबीवली मंगलनगर, कल्याण, मुंबई (महाराष्ट्र) को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने साथी इकबाल हुसैन के साथ मिलकर उक्त वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया तथा लूटा गया माल उन्होंने अपने साथी इकबाल हुसैन को देना बताया। आरोपियों ने

महाराष्ट्र के नागपुर, अमरावती एवं मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के शाहगंज क्षेत्र में भी इसी तरह की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपियों द्वारा सुनियोजित तरीके से स्वयं को पुलिसकर्मी बताकर वारदात को अंजाम दिया जाता था। वे अकेले या उम्रदराज राहगीरों को रोककर किसी हालिया अपराध या चेकिंग का हवाला देते हुए विश्वास में लेते थे। इसके बाद सुरक्षा जांच के बहाने पीड़ित से सोने के आभूषण उतरवाकर कागज में रखने को कहते थे। जैसे ही आभूषण उनके हाथ में आते, आरोपी मोटरसाइकिल से तेजी से फरार हो जाते थे। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त की है। आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है तथा गिरोह के अन्य सदस्यों एवं लूट गए माल की बरामदगी हेतु आगे की कार्रवाई जारी है। खंडवा पुलिस की यह कार्रवाई तकनीकी दक्षता, सतत निगरानी एवं अंतरजिला समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिकों में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हुई है। ऐसे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत डायल 112 या नजदीकी थाने में दें।

मध्यप्रदेश पुलिस की वाहन चोरों पर बड़ी कार्रवाई,एक सप्ताह में 33 मोटरसाइकिल और 4 ट्रैक्टर बरामद

मध्यप्रदेश पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं के विरुद्ध विगत एक सप्ताह में विशेष कार्यवाहियां की हैं। पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई, तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर सूचनाओं के आधार पर 33 चोरी की मोटरसाइकिलें, 4 ट्रैक्टर एवं अन्य सामग्री बरामद की है।

प्रमुख कार्रवाइयाँ

सागरः जिले के थाना बंडा पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 4 आरोपियों से 17 मोटरसाइकिलें, एक बोलेरो वाहन और एक मोबाइल फोन जब्त किए हैं । इसी प्रकार थाना मोतीनगर पुलिस ने ट्रैक्टर चोरी के मामले में एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर आरोपी से स्वराज 735 ट्रैक्टर व ट्रॉली (कीमत 3 लाख 50 हजार)

बरामद किया है।

छतरपुरः थाना कोतवाली पुलिस ने जिला अस्पताल क्षेत्र से हुई मोटरसाइकिल चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आदतन चोर गजेंद्र उर्फ गर्जन सिंह बुंदेला को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 6 मोटरसाइकिलें (एचएफ डीलक्स, पैशन प्रो, टीवीएस स्पोर्ट, सीडी डीलक्स) व 8 मोबाइल फोन (टेक्नो, लावा, वीवो, रेडमी, रियलमी) जब्त किए गए। बरामद की गई सामग्री का अनुमानित

मूल्य लगभग 4 लाख रूपए है। आरोपी पूर्व में भी कई चोरी के मामलों में संलिप्त रहा है।

खरगोनः पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर 3 लाख रूपए मूल्य की 6 मोटरसाइकिलें जब्त की है।

पन्नाः पुलिस ने देवेन्द्रनगर और सलेहा थाना क्षेत्रों में हुई मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं में 2 मोटरसाइकिलें बरामद की है।

गुनाः जिले के आरोन थाना क्षेत्र में पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक प्रकरण में प्रभावी कार्रवाई की है। प्रकरण में 01 आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की 2 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

राजगढ़ः तलेन–जीरापुर क्षेत्र में पुलिस टीम ने एक वर्ष पुराने लंबित ट्रैक्टर प्रकरण का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह से 03 ट्रैक्टर बरामद किए और मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। पिछले एक सप्ताह में की गई इन कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश पुलिस वाहन चोरी जैसे संगठित अपराधों के प्रति सतर्क और सक्रिय है। तकनीकी साक्ष्य, अंतर-जिला समन्वय, सतत मॉनिटरिंग और त्वरित तकनीकी प्रतिक्रिया के माध्यम से पुलिस ने वाहन चोरों के नेटवर्क पर प्रभावी शिकंजा कसा है।

नीमच में कुपोषण मुक्ति की दिशा में प्रभावी पहल, प्रभारी मंत्री ने 50 बच्चों को वितरित किए न्यूट्री बास्केट

महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा नीमच जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि नीमच जिले के समग्र विकास के लिए सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिल-जुलकर निरंतर प्रयास कर रहे हैं। कुपोषण के निवारण के लिए व्यापक जनजागरूकता आवश्यक है और इसी दिशा में प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रभावी नवाचार किए जा रहे हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। शासन की मंशा है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे और समाज में स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता बढ़े। प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया गुरुवार को टाउनहॉल, नीमच में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जीएसटी बचत सम्मेलन एवं न्यूट्री बास्केट वितरण कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री द्वारा 50 बच्चों एवं उनकी माताओं को पोषण युक्त न्यूट्री बास्केट वितरित की गई। इस अवसर पर जावद विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक श्री अनिरुद्ध मारू, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदाबाई धनगर, जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि कुपोषण का अमीरी या गरीबी से कोई सीधा संबंध नहीं है। बच्चों को समय पर पौष्टिक आहार मिले, इसके लिए माताओं और बहनों को जागरूक होना होगा। उन्होंने नीमच जिले में सेम और मेम श्रेणी के बच्चों को न्यूट्री बास्केट उपलब्ध कराने के नवाचार की सराहना करते हुए इसे अन्य जिलों के लिए अनुकरणीय बताया। उन्होंने बाल विवाह रोकथाम में समाज के सभी वर्गों से सहभागी बनने का आह्वान किया तथा महिलाओं की बचत और आत्मनिर्भरता की भावना की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी में दी गई राहत से आम परिवारों को आर्थिक लाभ मिला है और आयकर एवं जीएसटी में छूट से लोगों की बचत बढ़ी है। विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बीते दो वर्षों में प्रदेश की दिशा और दशा बदली है तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिला है।

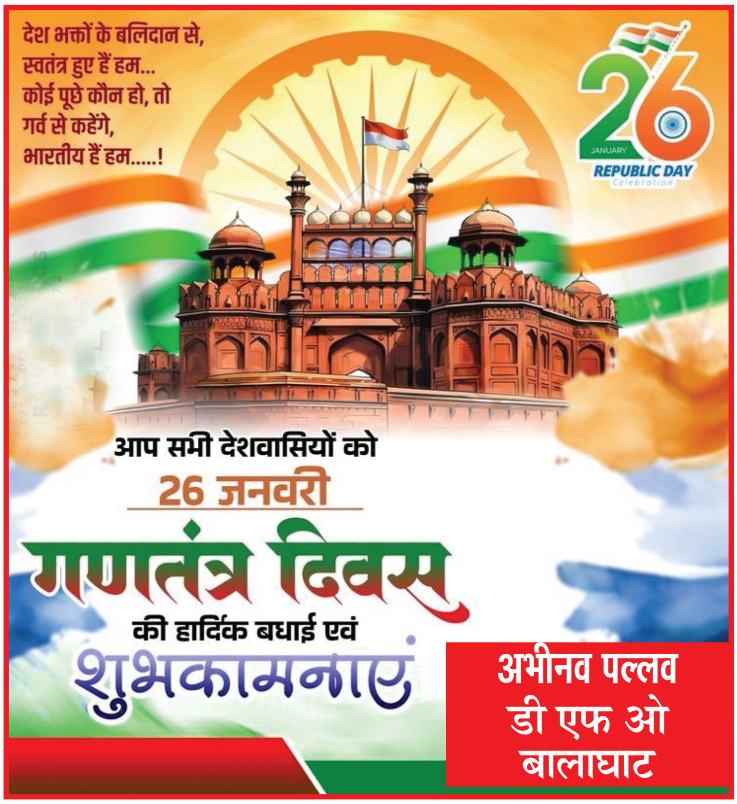

"लाल आतंक" के अंत से "नये मध्यप्रदेश" का उदय विधानसभा में कटंगी विधायक श्री गौरव सिंह पारधी का उद्बोधन

मध्यप्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान कटंगी से भारतीय जनता पार्टी के विधायक श्री गौरव सिंह पारधी ने आंतरिक सुरक्षा और नक्सल उन्मूलन पर एक अत्यंत सारगर्भित और ओजस्वी वक्तव्य प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में उन्होंने प्रदेश की धरती से नक्सलवाद के पूर्ण खात्मे और तकनीक से सुसज्जित 'नये मध्यप्रदेश' की तस्वीर सदन के पटल पर रखी।

मोदी की नीति और मोहन की रीत से मिली विजय

श्री पारधी ने अपने उद्बोधन का आरंभ 2014 के कठिन दौर को याद करते हुए किया, जब देश के 126 जिले नक्सलवाद की चपेट में थे और बाहरी ताकतें आंतरिक सुरक्षा को चुनौती दे रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2015 में एक निर्णायक राष्ट्रीय रणनीति तैयार की। 2016 की नोटबंदी, डिजिटलाइजेशन और नक्सलवाद को पोषित करने वाले एनजीओ (NGO) की आर्थिक कमर तोड़ने जैसे साहसिक फैसलों ने इस समस्या पर कड़ा प्रहार किया।

विधायक श्री पारधी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने नक्सलवाद के उन्मूलन का जो 'महा-संकल्प' लिया था, वह अब सिद्ध हो चुका है। उन्होंने सदन को स्मरण कराया कि मई 2025 में मुख्यमंत्री जी ने स्वयं बालाघाट आकर 64 वीर पुलिसकर्मियों को 'आउट ऑफ टर्न' प्रमोशन देकर सम्मानित किया था। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर मंडला, डिंडोरी और बालाघाट में चलाए गए अभियानों ने नक्सलवाद की जड़ों को उखाड़ फेंका है।

मध्यप्रदेश की धरती अब 'नक्सल मुक्त'

सदन में गर्व के साथ घोषणा करते हुए श्री पारधी ने कहा, "आज मध्यप्रदेश की पावन धरा पर एक भी नक्सली शेष नहीं है।" उन्होंने बताया कि पुलिस और सुरक्षाबलों के निरंतर दबाव के कारण एमएमसी (मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) जोन में सक्रिय अनेक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। नक्सलवाद से इस संघर्ष में इंस्पेक्टर आशीष शर्मा जैसे जांबाजों की शहादत को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि यह शांति उनके बलिदान का ही प्रतिफल है।श्री पारधी ने स्पष्ट किया कि मध्यप्रदेश ने पहले डकैतों की समस्या को समाप्त किया और अब जंगलों से नक्सलवाद का सफाया किया है।

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश त्रिपाठी, डीसीपी क्राइम, इंदौर

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व की सभी नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अपील

- निकाय द्वारा जारी कम्प्यूटरीकृत संपत्ति कर,जल कर का समय पर भुगतान करें।
- जल ही जीवन है,जल का दुरुपयोग न करें।
- नगर परिषद की भूमि एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न करें।
- नगर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए नगर परिषद का सहयोग करें।
- जन्म-मृत्यु का पंजीयन समय पर कराएं तथा निकाय से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करें।
- नगर परिषद से अनुमति प्राप्त कर भवन निर्माण करें।
- नगर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए हरे-भरे पौधे को अपने घरों में लगाएं।

श्रीमती रामजानकी राजेश पंडा
अध्यक्ष
नगर परिषद पिछोर
जिला ग्वालियर

पीयूष श्रीवास्तव
सीएमओ
नगर परिषद पिछोर
जिला ग्वालियर

इरफान खान
उपाध्यक्ष
नगर परिषद पिछोर
जिला ग्वालियर

शुभेच्छुः-नगर परिषद पिछोर जिला ग्वालियर

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व की सभी रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अपील

- मण्डी प्रांगण में प्रवेश करते समय कृषि उपज की जानकारी प्रवेश द्वार पर आवश्यक रूप से दर्ज करावें एवं प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
- किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही करें।
- नीलामी के समय किसान भाई अपनी ट्रॉली पर उपस्थित रहें।
- फसल बेचते समय दलालों से एवं बिचौलियों से सावधान रहें।
- कृषि उपज मंडी में फसल विक्रय होने पर कर्मचारियों से अनुबंध पर्ची अवश्य प्राप्त करें।

रूपेश सिंघई
डबरा एस डी एम
जिला ग्वालियर

पर्वतलाल मालवीय
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति, डबरा

शुभेच्छुः-कृषि उपज मंडी समिति डबरा

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व की सभी रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

: अपील :

- निकाय द्वारा जारी कम्प्यूटरीकृत संपत्ति कर,जल कर का समय पर भुगतान करें।
- जल ही जीवन है,जल का दुरुपयोग न करें।
- नगर पालिका की भूमि एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न करें।
- नगर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए नगर पालिका परिषद का सहयोग करें।
- जन्म-मृत्यु का पंजीयन समय पर कराएं तथा निकाय से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करें।
- नगर पालिका परिषद से अनुमति प्राप्त कर भवन निर्माण करें।
- नगर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए हरे-भरे पौधे को अपने घरों में लगाएं।

श्रीमती लक्ष्मी देवी
अध्यक्ष
नगर पालिका डबरा

सुश्री साक्षी बाजपेयी
सीएमओ
नगर पालिका परिषद, डबरा

सतेन्द्र दुबे
उपाध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, डबरा

शुभेच्छुः-नगर पालिका परिषद डबरा जिला ग्वालियर

मेहगांव नगरपरिषद की ओर से गणतंत्र दिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएं

श्री महेश पुरोहित
सीएमओ नगरपरिषद मेहगांव

श्रीमती कंचन पिन्टू राठौर
अध्यक्ष नगर परिषद मेहगांव

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

अतेंद्र रावत
विशेष सलाहकार

हर्षित सिंह रावत
एडवोकेट

क्या एआई और डेटा साइंस में बी.टेक आपके लिए सही विकल्प है?

बी.टेक स्नातकों के लिए एआई और डेटा साइंस में करियर आकर्षक और लाभदायक विकल्प है। यह तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है जो उपलब्ध विशाल डेटा सेट से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और निर्णय लेने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करता है। एआई और डेटा साइंस के लिए गणित, सांख्यिकी, पायथन और आर जैसी प्रोग्रामिंग भाषाओं और मशीन लर्निंग में मजबूत आधार आवश्यक है। एआई और डेटा साइंस में रोजगार के विविध अवसर उपलब्ध हैं, जिनमें वित्त, स्वास्थ्य सेवा, ई-कॉमर्स और ऑटोमोटिव उद्योगों में डेटा साइंटिस्ट, मशीन लर्निंग इंजीनियर, एआई शोधकर्ता और बिजनेस एनालिस्ट शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक उपसमूह, मशीन लर्निंग, न केवल करियर में तेजी से विकास को बढ़ावा देता है, बल्कि व्यक्तिगत विकास और उन्नति के लिए एक मंच भी प्रदान करता है। न्यूरल नेटवर्क, डीप लर्निंग और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग जैसी मशीन लर्निंग तकनीकों में निपुण पेशेवरों की कंपनियों में काफी मांग होती है, जिससे उन्हें अपनी क्षमताओं को निखारने और अपने क्षेत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के रोमांचक अवसर मिलते हैं।

एआई और डेटा साइंस में बीटेक क्या है?

एआई और डेटा साइंस में बी.टेक सिर्फ एक डिग्री नहीं है; यह एक व्यापक कार्यक्रम है जिसे एआई और डेटा साइंस में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कंप्यूटर विज्ञान, गणित, सांख्यिकी और मशीन लर्निंग की अवधारणाओं को एकीकृत करता है ताकि बड़े डेटासेट से मूल्यवान अंतर्दृष्टि का विश्लेषण और निष्कर्षण करने की गहरी समझ प्रदान की जा सके। परियोजनाओं, इंटर्नशिप और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से, आप पायथन और आर जैसी प्रोग्रामिंग भाषाओं के साथ-साथ एआई और डेटा साइंस में उपयोग किए जाने वाले नवीनतम तकनीकी उपकरणों और सॉफ़्टवेयर में दक्षता प्राप्त करेंगे, जिससे आपको अपने करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने का आत्मविश्वास मिलेगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विज्ञान का दायरा

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा विज्ञान का दायरा विशाल है और लगातार बढ़ रहा है, जिससे विश्व स्तर पर कई कैरियर विकल्प उपलब्ध हैं। प्रौद्योगिकी में प्रगति और डेटा के बढ़ते उपयोग के साथ, संगठन और व्यवसाय नवाचार, बेहतर निर्णय लेने और प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त करने के लिए एआई और डेटा विज्ञान पर निर्भर हैं। वित्त, स्वास्थ्य सेवा, खुदरा और विनिर्माण क्षेत्रों में, एआई और डेटा विज्ञान न केवल प्रक्रियाओं में क्रांति ला रहे हैं बल्कि उद्योगों को भी रूपांतरित कर रहे हैं। ये क्षेत्र व्यवसायों को रुझानों की पहचान करने, परिणामों की भविष्यवाणी करने, अनुभवों को वैयक्तिकृत करने, कार्यों को स्वचालित करने और संचालन को अनुकूलित करने के लिए डेटा की शक्ति का उपयोग करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे वे अधिक कुशल, प्रभावी और प्रतिस्पर्धी बनते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा विज्ञान स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पर गहरा प्रभाव डाल रहे हैं, क्योंकि ये चिकित्सा डेटा के विश्लेषण को सुगम बनाते हैं, जिससे बीमारियों का सटीक निदान और रोगियों के परिणामों का पूर्वानुमान लगाकर उपचार और दवाओं के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित किया जा सकता है। वित्त क्षेत्र में, एआई और डेटा विज्ञान का उपयोग जोखिम प्रबंधन, धोखाधड़ी का पता लगाने, निवेश की गहन जांच और ग्राहकों के अनुभव को व्यक्तिगत बनाने में किया जाता है। एल्गोरिदम वित्तीय डेटा का विश्लेषण करके पैटर्न की पहचान कर सकते हैं, जिससे वित्तीय कंपनियों के लिए जोखिम काफी कम हो जाता है। एआई-संचालित स्वचालन विनिर्माण प्रक्रियाओं में भी शामिल है, जिससे दक्षता बढ़ती है और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार होता है, साथ ही त्रुटियों को होने से पहले ही ठीक करके उत्पादकता को अधिकतम किया जा सकता है। परिवहन, कृषि, ऊर्जा और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्र भी एआई और डेटा विज्ञान का उपयोग करते हैं। जैसे-जैसे एआई और डेटा विज्ञान विकसित हो रहे हैं, कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। कुल मिलाकर, एआई और डेटा विज्ञान का दायरा अपार है और यह भविष्य में क्रांति ला सकता है।

एआई और डेटा साइंस में बी.टेक को समझना

एमआईटी-डब्ल्यूपीयू का बी.टेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस) कार्यक्रम एआई और डेटा साइंस के विभिन्न पहलुओं को कवर करता है, जैसे सांख्यिकी, ज्ञान की खोज, मशीन लर्निंग, बिग डेटा एनालिटिक्स, डेटा विजुअलाइज़ेशन, कॉग्निटिव कंप्यूटिंग और डीप लर्निंग, जो प्रमुख क्षेत्र हैं। तकनीकी कौशल के अलावा, यह पाठ्यक्रम छात्रों को विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक सोच कौशल विकसित करने में मदद करता है, जिससे वे स्वास्थ्य सेवा और वित्त जैसे उद्योगों में आसानी से आगे बढ़ सकते हैं। छात्र सिस्टम और एज कंप्यूटिंग, एक्सटेंडेड रियलिटी, बिजनेस एनालिटिक्स और कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में विभिन्न करियर पथ अपना सकते हैं। उद्योग विशेषज्ञों के व्याख्यानों, संकाय मार्गदर्शन और उद्योग इंटर्नशिप के माध्यम से सीखने से छात्र उद्योग के लिए तैयार हो सकते हैं!

कैरियर के अवसर

वित्त, स्वास्थ्य सेवा, ई-कॉमर्स, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में स्नातकों की अत्यधिक मांग है। डेटा-आधारित जानकारियों और एआई-संचालित समाधानों पर बढ़ती निर्भरता के साथ, संगठन प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने के लिए पेशेवरों की तलाश कर रहे हैं। इनमें ग्राहक विभाजन, विनिर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण आदि के लिए डेटा वैज्ञानिक, मशीन लर्निंग इंजीनियर, एआई शोधकर्ता, व्यावसायिक विश्लेषक और डेटा इंजीनियर शामिल हैं। स्नातकों को उनकी विशिष्ट कौशल क्षमता और उच्च मांग के कारण प्रतिस्पर्धी वेतन की उम्मीद रहती है। शुरुआती स्तर के पदों पर उच्च वेतन के साथ-साथ विकास और पदोन्नति के अवसर भी मिलते हैं। उन्नत प्रमाणपत्र या उच्च शिक्षा प्राप्त करने से आय क्षमता और करियर की संभावनाएं बढ़ सकती हैं।

प्रवेश प्रक्रिया और पात्रता

सभी बी.टेक कार्यक्रमों के लिए, उम्मीदवारों को जेईई 2024, एमएचटीसीईटी 2024, पेरा 2024 और एमएचटीसीईटी-बी* 2024 जैसी परीक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य है। भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित/जीव विज्ञान या भौतिकी, गणित और किसी भी तकनीकी व्यावसायिक विषय में न्यूनतम 50% कुल अंक अनिवार्य हैं। डिप्लोमा उम्मीदवारों के लिए यूजीसी से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित शाखा में न्यूनतम 60% कुल अंक अनिवार्य हैं।

अब जब आपने एआई और डेटा साइंस में करियर चुनने के फायदों के बारे में पढ़ लिया है, तो आप इनमें से एक विकल्प चुन सकते हैं—एमआईटी-डब्ल्यूपीयू में बी.टेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एआई और डेटा साइंस) या इंटीग्रेटेड बी.टेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एआई और डेटा साइंस)—और इस उभरते और प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में उच्चतम शुरुआती वेतन के साथ अपना करियर बना सकते हैं!

भारत के अनछुए स्थान

आपको 2025 में अवश्य देखना चाहिए

भारत में घूमने-फिरने के लिए अनगिनत जगहें हैं, जहां कई लोग आते-जाते रहते हैं। आप चाहे पूरब जाएं, पश्चिम जाएं, उत्तर जाएं या दक्षिण जाएं, आपको कई ऐसी जगहें मिलेंगी जो अभी भी व्यवसायीकरण से अछूती हैं।गुरेज घाटी, फुगताल, दमरो, जवाई और किला रायपुर भारत के कुछ ऐसे अनछुए स्थान हैं जिन्हें आपको अपनी अगली छुट्टियों की यात्रा में अवश्य शामिल करना चाहिए। ये स्थान भले ही गुमनाम हों या फिर अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको अचंभित कर देंगे।

1. गुरेज घाटी, कश्मीर

गुरेज घाटी में अवास्तविक परिदृश्य, ठंडी हवा, मनमोहक दृश्य और नदियों की कलकल ध्वनि आम बात है । चरवाहों और खेतों का नियमित नजारा किसी फिल्म 'बाम्बी' के दृश्य जैसा लगता है। नियंत्रण रेखा के ठीक नीचे स्थित होने के कारण यह घाटी भारत के सबसे सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है। और हां, निरंतर निगरानी और गश्त के कारण यहां जाना बेहद सुविधाजनक है।

2. फुगताल गोम्पा, जम्मू और कश्मीर

एशिया का संभवतः सबसे दूरस्थ मठ, फुगताल गोम्पा ज़ांस्कर की पर्वतीय गुफा में स्थित एक आकर्षक स्थल है। ऊंचे पहाड़ों पर चढ़ते हुए, आपको त्सारप नदी के शानदार दृश्य दिखाई देते हैं, जो इसे उत्तर भारत के सबसे बेहतरीन अनछुए स्थानों में से एक बनाते हैं। इस शांति के स्थान तक कोई सड़क नहीं जाती। इस अनछुए स्थान तक पहुंचने के लिए आपको एक या दो दिन की पैदल यात्रा करनी होगी। निकटतम हवाई अड्डाः कुशोक बकुला रिम्पोची हवाई अड्डा,फुगताल गोम्पा में आकर्षणः द्रंग डुंग ग्लेशियर, नून-कुन कासिफ़

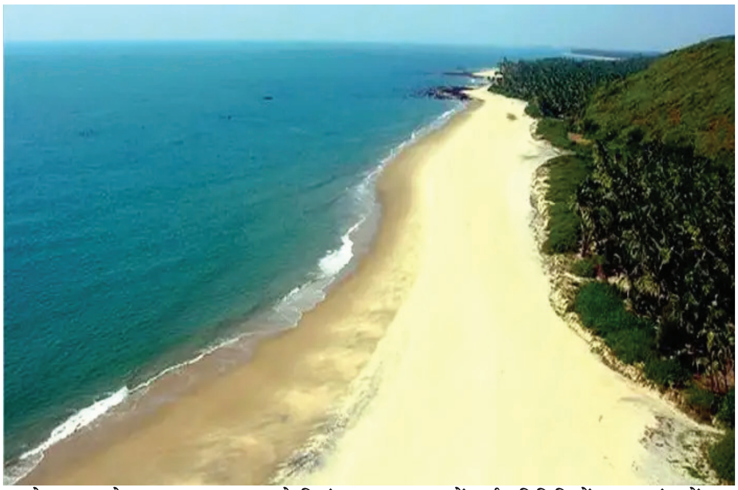

घूमने का सबसे अच्छा समयः जून से सितंबर

3. चोपटा, उत्तराखंड

चोपटा निस्संदेह भारत के सभी अनूठे पर्यटन स्थलों में सबसे खूबसूरत जगह है। हिमालय, बर्फ से ढके पहाड़ों और घने जंगलों की मनमोहक सुंदरता का आनंद लें। यह शांत शहर अपने रहस्यमय घास के मैदानों, ऊंचे पेड़ों, बर्फीले नजारों और मिलनसार लोगों से आपको मंत्रमुग्ध कर देगा।

4. कनाटल, उत्तराखंड

देहरादून से मात्र 80 किलोमीटर दूर स्थित कनाटल, रोमांटिक लोगों के लिए एक खूबसूरत छोटा सा गांव है। भारत के सबसे कम खोजे गए स्थानों में से एक , कनाटल अपने मनमोहक दृश्यों और गर्मजोशी भरे आतिथ्य सत्कार के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही, कनाटल में जोड़ों के लिए विशेष टेरेस स्टे की सुविधा भी उपलब्ध है। अपने प्यार के साथ एक शांत और सुखद छुट्टी बिताने के लिए कनाटल में कई गतिविधियों का आनंद लें।

5. दामरो, अरुणाचल प्रदेश

दमरो अरुणाचल प्रदेश के सबसे लंबे (1,000 फीट) झूलते पुल का आधार है। स्वर्ग का एक छिपा हुआ रास्ता माने जाने वाला दमरो, बांस की छप्परों वाले घरों, झूलते हुए पुलों और स्थानीय लोगों की शांत जीवनशैली से मंत्रमुग्ध कर देता है। भारत के अनछुए स्थानों में से एक, यह शहरी जीवन की थकान से मुक्त लोगों के लिए एक ग्रामीण पलायन स्थल है। कटी हुई फसलों के दृश्य, शांत स्वभाव के बाइसन और विशाल घास के मैदान मन को सुकून देते हैं।

6. मावलिननॉन्ग, मेघालय

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा 'एशिया का सबसे स्वच्छ गाँव' के रूप में सम्मानित यह गाँव देश में काफी हद तक अज्ञात है। सुरम्य मावलिननॉन्ग गाँव सद्भाव और स्वच्छता का प्रतीक है, जो इसे भारत के अनछुए लेकिन देखने लायक स्थानों में से एक बनाता है। सुव्यवस्थित सड़कें, चमकीली गलियाँ, बेदाग घर, करीने से सजाए गए आंगन और पत्थर के फुटपाथ किसी आलीशान शहर का आभास कराते हैं। जैविक और अजैविक कचरे के लिए व्यवस्थित गड्ढे, सुव्यवस्थित सार्वजनिक सुविधाएं और जगह-जगह बिखरे बांस के कूड़ेदान इस जगह को एक अनूठा आकर्षण प्रदान करते हैं।

7. संदकफू, दार्जिलिंग

'संदकफू' शब्द का अर्थ है विषैले पौधों की ऊँचाई। इसका नाम इस प्रकार इसलिए पड़ा है क्योंकि यहाँ चोटी के पास ही वुल्फ्सबेन नामक एक विशेष विषैला पौधा प्राकृतिक रूप से उगता है। भारत के सबसे खतरनाक और दुर्गम स्थलों में से एक, संदकफू दार्जिलिंग की सबसे ऊँची चोटी है, जिसकी ऊँचाई 3,336 मीटर है। संदकफू ट्रेक प्रकृति प्रेमियों और पर्वतारोहियों के लिए स्वर्ग समान है, जहाँ वे शांत वातावरण में मनोरम दृश्यों का आनंद ले सकते हैं।

8. किला रायपुर, पंजाब

किला रायपुर, ग्रामीण ओलंपिक खेलों का केंद्र, न केवल अपने आकर्षक खेलों के लिए, बल्कि अपनी जीवंत संस्कृति और लोगों के लिए भी प्रसिद्ध है। मनमोहक नृत्य प्रदर्शनों और पारंपरिक नाटकों सहित उत्सव और धूमधाम आपको एक अविस्मरणीय यात्रा पर ले जाएगी। यह खेल स्थल ऐसा माना जाता है जहाँ आप साहसी और मजबूत लोगों से दोस्ती कर सकते हैं। यहाँ की ऊर्जा अलौकिक है, जो इसे भारत के सबसे बेहतरीन अनछुए स्थानों में से एक बनाती है। ग्रामीण ओलंपिक खेल आमतौर पर फरवरी महीने में आयोजित किए जाते हैं।

चंदेरी

दो प्रमुख कारणों से प्रसिद्ध है साड़ियाँ और यहाँ स्थित किले और महल

मध्य प्रदेश में कई ऐसे अनछुए स्थान हैं जिनके बारे में शायद आपने सुना भी न हो, लेकिन वे आपकी यात्रा सूची में शामिल होने लायक हैं। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण मध्य प्रदेश को "भारत का हृदय " भी कहा जाता है। यह देश के प्रमुख पर्यटन केंद्रों में से एक है और बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। राज्य का लगभग हर कोना धार्मिक या ऐतिहासिक महत्व के आकर्षक स्थलों से भरा पड़ा है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश में वन्यजीव और प्रकृति प्रेमियों के लिए भी स्थानों की कोई कमी नहीं है, क्योंकि यह प्रकृति की सर्वोत्तम संपदा से परिपूर्ण है। आपकी रुचि चाहे जो भी हो, यहां आपको अपनी पसंद और जुनून से मेल खाने वाले स्थान अवश्य मिलेंगे। हालांकि, जिन जगहों को काफी प्रसिद्धि मिलती है, उनके बीच मध्य प्रदेश में कुछ ऐसी कम प्रसिद्ध जगहें भी हैं जो पर्यटकों के बीच उतनी मशहूर नहीं हैं, लेकिन वे उतनी ही आकर्षक हैं जितनी कि प्रसिद्ध जगहें। और यही बात उन्हें और भी अधिक आदर्श बनाती है।

आप पर्यटकों की भीड़भाड़ से परेशान हुए बिना अकेले ही इन स्थानों का भ्रमण और आनंद ले सकते हैं। इन स्थानों में प्राचीन मंदिर, अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल, विदेशी वन्यजीवों से भरे वन्यजीव उद्यान, रमणीय कस्बे और गाँव, और बहुत कुछ शामिल हैं।

आप अपने दोस्तों और परिवार के साथ इन अनोखी जगहों पर जाकर अपनी छुट्टियों का अनुभव और भी बेहतर बना सकते हैं।

जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान

मध्य प्रदेश के सबसे रोचक लेकिन कम ज्ञात स्थानों में से एक, घुघुआ जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान पौधों के जीवाश्मों का खजाना है। ऐसा दावा किया जाता है कि इनमें से कुछ जीवाश्म 65 मिलियन वर्ष से भी अधिक पुराने हैं। यदि आपको पुरातत्व में रुचि है, तो आपको मध्य प्रदेश के शाहपुरा के पास डिंडोरी जिले में स्थित इस स्थान पर अवश्य जाना चाहिए। पौधों, पेड़ों, फलों और बीजों के जीवाश्मों से समृद्ध इस राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना 1983 में हुई थी और तब से यह भारत और विदेशों के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। इसके लिए प्रसिद्ध : 65 मिलियन वर्ष पुराने पौधों के जीवाश्म। स्थान : डिंडोरी जिला, मध्य प्रदेश। समय : सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक। प्रमुख शहर से दूरी : यह जबलपुर से 76 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

ट्रैवल एजेंट से पूछने की बजाए, यहां देखें हिल स्टेशन पर ले जाने वाले जरूरी सामानों की पूरी लिस्ट

हम जब भी हिल स्टेशन जाते हैं, तो जरूरी सामान क्या ले जाने चाहिए, इसके लिए या तो हम अपने दोस्तों, परिवार वालों का दिमाग खा जाते हैं या फिर ऑर्गनाइजर से पूछ-पूछकर थक जाते हैं। अब आपको किसी का भी सिर खाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यहां हैं, हिल स्टेशन ले जाने वाले सभी सामानों की पूरी लिस्ट। ज्यादा गर्मी पड़ने पर आप में से ज्यादातर लोग ऐसे होंगे, जो हिल स्टेशन का रुख करते हैं या सर्दियों में हिल स्टेशन पर बर्फ देखना पसंद करते हैं। भारत में शिमला, मसूरी, नैनीताल ऐसे कई हिल स्टेशन हैं, जहां टूरिस्ट की भीड़ हर साल देखने को मिलती है। अगर आप भी किसी हिल स्टेशन जाने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो हम आपको बता दें, हिल स्टेशन जाने से पहले बैग में कुछ जरूरी सामान रखकर ले जाने जरूर चाहिए, क्योंकि हिल स्टेशन की यात्रा करते समय ऐसी बहुत सी चीजें होती हैं, जिनकी जरूरत हमें किसी भी वक्त पड़ सकती है। एक बार इस लेख को अच्छे से पढ़ लें, हमें यकीन है कि आपको अपने ट्रैवल एजेंट से इन सब सामानों की जानकारी नहीं लेनी पड़ेगी। सर्दियां हो या गर्मियां, जिस भी हिल स्टेशन की यात्रा करने के लिए जाएं, अगर वहां का तापमान 15 डिग्री से कम है, तो अपने साथ लेदर जैकेट ले जाना न भूलें। ये जैकेट काफी गर्म होती हैं और आपको ठंड लगने से बचाती हैं। लेदर जैकेट पहनने में भी काफी कूल लगती हैं और इनमें फोटोज भी बहुत अच्छी आती हैं। आप जितने भी दिनों के लिए मनाली या नैनीताल जाएं, या कोई भी हिल स्टेशन जाएं, किसी ठंडी जगह की यात्रा करते समय अपने साथ हर एक दिन के लिए एक-एक स्वेटर जरूर रख रख लें। क्योंकि हिल स्टेशन पर दिन के समय तो अच्छी धूप निकलती है, लेकिन शाम होते ही तापमान अचानक से गिर जाता है, इसलिए अच्छा होगा अगर आप अपने बैग में एक्स्ट्रा स्वेटर भी रख लें। कई लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें स्वेटर से खुजली होने लगती है या उन्हें ज्यादा देर तक स्वेटर पहनने की आदत नहीं होती, इसलिए किसी भी हिल स्टेशन की यात्रा करते समय दो बॉडी वार्मर अपने साथ जरूर रखें। स्वेटर की तुलना में वार्मर काफी हल्के होते हैं और शरीर को ठंड लगने से बचाते हैं।अपने क्षेत्र से बाहर आप कहीं भी घूमने जा रहे हो, अपने पास एक आपातकालीन नंबर जरूर रखें। हिल स्टेशन की प्लानिंग करने से पहले अपने फोन में एमरजेंसी नंबर जरूर रखना चाहिए, क्योंकि पहाड़ों पर कभी-कभी सिगनल नहीं आते हैं, तो ऐसे में आप फोन बूथ से अपने करीबियों से सम्पर्क कर सकते हैं। कभी-कभी दुर्घटना होने पर भी ऐसे नंबर बहुत काम आते हैं। या कोई भी हिल स्टेशन जाएं, किसी ठंडी जगह की यात्रा करते समय अपने साथ हर एक दिन के लिए एक-एक स्वेटर जरूर रख रख लें। क्योंकि हिल स्टेशन पर दिन के समय तो अच्छी धूप निकलती है, लेकिन शाम होते ही तापमान अचानक से गिर जाता है हिल स्टेशन पर भले ही बर्फ पड़ती हो या ठंड रहती हो, लेकिन जब धूप निकलती है, तो वो सीधा आपकी आंखों पर पड़ती है। ट्रैकिंग करते समय तो सनग्लासेस की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है। आप अगर मनाली, शिमला जैसे हिल स्टेशन जा रहे हैं, तो वहां ज्यादातर टूरिस्ट सनग्लासेस लगाते हुए ही दिखेंगे। वैसे चश्मों में फोटोज भी एकदम परफेक्ट आती हैं।अगर आप कहीं भी ट्रिप के लिए जा रहे हैं, भले ही वहां ठंड हो या गर्मी, सनस्क्रीन आपको सूरज की किरणों से बचाने में मदद करती है। एक्सपर्ट्स की भी यही सलाह होती है कि आप जब भी धूप में निकलें, खासकर पहाड़ियों पर ट्रैवल कर रहे हो, तो वहां सनस्क्रीन जरूर लेकर जाएं। सनस्क्रीन टैनिंग, सन बर्न आदि से काफी हद तक बचाती है। कई बार ऐसा होता है कि परिवार वालों या दोस्तों के साथ मस्ती करते-करते हमें चोट लग जाती है या फिर खराब मौसम की वजह से सर्दी-जुकाम हो जाता है। इसलिए जब भी आप किसी यात्रा पर जाएं तो अपने साथ फर्स्ट ऐड किट जरूर रखें। साथ ही अपनी दवाइयों को भी साथ में ले जाना न भूलें। ऊपर बताई गई चीजों के साथ-साथ हिल स्टेशन ट्रिप की पैकिंग में एक्स्ट्रा मौजे, स्किन केयर प्रोडक्ट्स, छतरी या रेनकोट, कम्फर्टेबल शूज, वूलेन कैप, ग्लव्स, मफलर रखना न भूलें।

गर आप शहर में चलाने के लिए सस्ती इलेक्ट्रिक कार ढूंढ रहे हैं तो आपकी यह खोज यहां पूरी हो सकती है। आज हम आपके लिए भारत में मिलने वाली पांच सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों की लिस्ट लेकर आए हैं।

भारत में कई छोटी इलेक्ट्रिक कारें (Electric Small Car) उपलब्ध हैं, जिनमें टाटा टियागो ईवी (Tata Tiago EV) और टाटा पंच ईवी (Tata Punch EV) सबसे लोकप्रिय हैं, जो अच्छी रेंज और 8 लाख से 10 लाख के बजट में आती हैं, साथ ही MG Comet EV भी एक छोटी और किफायती विकल्प है, जिसकी कीमत 6.24 लाख से शुरू होती है. Citroen eC3 जैसी और भी गाड़ियाँ हैं जो शहरी उपयोग के लिए बढ़िया हैं.

प्रमुख छोटी इलेक्ट्रिक कारें (Popular Small Electric Cars):

Tata Tiago EV: 7.99 लाख से शुरू, अच्छा विकल्प है.

Tata Punch EV: 9.99 लाख से शुरू, SUV स्टाइलिंग के साथ आती है.

MG Comet EV: 6.24 लाख से शुरू, बहुत कॉम्पैक्ट और शहर के लिए आदर्श.

Citroen eC3: 12.90 लाख से शुरू, बड़ी इंटीरियर स्पेस के साथ.

कुछ अन्य विकल्प (Other Options):

Tata Tigor EV: सेडान बॉडी स्टाइल में उपलब्ध है.

PMV EaS-E: एक 2-सीटर माइक्रो EV, जो 4.79 लाख से शुरू होती है (एक्स-शोरूम). आप अपनी ज़रूरत और बजट के हिसाब से इन कारों की तुलना कर सकते हैं, जैसे रेंज, फीचर्स और कीमत.

भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों का चलन काफी तेजी से बढ़ रहा है। अब लोग इन्हें सिर्फ दूसरी गाड़ी के तौर पर नहीं, बल्कि अपनी पहली कार के रूप में भी खरीद रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है इनका बहुत कम खर्च में चलना। ये पेट्रोल-डीजल के खर्च से लोगों को मुक्ति दिलाती हैं। इन्हें चार्ज करने के बाद आप तय रेंज तक इन गाड़ियों को आराम से चला सकते हैं। अगर आप शहर में चलाने के लिए

सस्ती इलेक्ट्रिक कार ढूंढ रहे हैं तो आपकी यह खोज यहां पूरी हो सकती है। आज हम आपके लिए भारत में मिलने वाली पांच सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों की लिस्ट लेकर आए हैं। आइए देखते हैं लिस्ट में कौन-कौन सी कारें शामिल हैं।MG Comet इस समय भारत में बिकने वाली सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार है। अगर आपके घर या ऑफिस में चार्जिंग की सुविधा है तो यह बहुत अच्छा ऑप्शन है। यह काफी छोटी भी है इसलिए शहर में चलाने के लिए बहुत अच्छी भी है और आसानी से कम जगह में पार्क भी हो सकती है। दो दरवाजों वाली होने के बावजूद इसमें चार लोग आराम से बैठ सकते हैं और इसमें अच्छी सुविधाएं भी मिलती हैं। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 7.50 लाख से शुरू होकर 10 लाख तक जाती है।

सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों की लिस्ट में अगला नाम Tata Tiago EV का है। इसमें 4 दरवाजे हैं, जो इसे इलेक्ट्रिक कारों की दुनिया में एक अच्छा ऑप्शन बनाते हैं। Tiago EV एक स्मूथ और रिफाइंड इंजन, बेहतरीन राइड क्वालिटी और कम खर्च के साथ एक अच्छी कार है। इसका कॉम्पैक्ट साइज भी इसे शहर में घूमने के लिए उपयुक्त बनाता है और इसमें अच्छे फीचर्स भी दिए गए हैं. कीमत की बात करें तो यह कार 7.99 लाख एक्स-शोरूम से शुरू होकर 11.14 लाख तक जाती है।

इस लिस्ट में अगला नाम टाटा की ही एक और कार Punch EV का है। यह फिलहाल देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक एसयूवी है और बड़ी इलेक्ट्रिक कार पसंद करने वालों को पसंद आ सकती है। इसमें कई बेहतरीन फीचर्स, दमदार परफॉरमेंस, शानदार राइड क्वालिटी और पर्याप्त रेंज मिलती है। ये शहर में चलाने के लिए तो अच्छी है ही, साथ ही थोड़ी प्लानिंग के साथ आप इसे लंबी यात्राओं के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। Punch EV कम बजट में उपलब्ध सबसे अच्छी इलेक्ट्रिक कारों में से एक है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 9.99 लाख से शुरू होकर 13.94 लाख तक जाती है।

Tigor EV सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों की इस लिस्ट में शामिल होने वाली एकमात्र सेडान है। इस कार ज्यादा बूट स्पेस मिलता है, जो कि हैचबैक की सबसे बड़ी कमी को दूर करता है। इसमें बड़ी बैटरी भी है, जिससे रेंज भी ज्यादा मिलती है। इसके अलावा Tigor EV में अच्छी राइड क्वालिटी, सुविधाओं से भरा केबिन और रिफाइंड इंजन जैसे फीचर्स हैं। अगर आप कम बजट में इलेक्ट्रिक सेडान खरीदना चाहते हैं तो यह एक अच्छा विकल्प हो सकती है। इसकी एक्स-शोरूम प्राइस 12.49 लाख से शुरू होकर 13.75 लाख तक जाती है।

Citroen eC3 भी सबसे अच्छी और सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में से एक है। यह C3 हैचबैक का इलेक्ट्रिक वर्जन है, जिसका बॉक्सी डिजाइन इसे एक बड़ा इंटीरियर देता है। इसमें कई अच्छे फीचर्स भी हैं और अच्छी रेंज भी देती है। शहर में इस्तेमाल करने के लिए आप इस कार को खरीद सकते हैं। इसकी कीमत 12.90 लाख से शुरू होकर 13.53 लाख तक जाती है।

लियन राशि क्या है : अर्थ, कारण और इसे हटाने की प्रक्रिया

लियन राशि वह राशि है जिसे बैंक ग्राहक के खाते में सुरक्षा के तौर पर आरक्षित रखता है। यह राशि आमतौर पर फ्रीज या आरक्षित कर दी जाती है और खाताधारक इसे स्वतंत्र रूप से निकाल या उपयोग नहीं कर सकता है। लियन लगाकर, बैंक खाते में मौजूद एक निश्चित राशि तक पहुंच को अस्थायी रूप से अवरुद्ध कर देता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि यदि खाताधारक ऋण की किस्तें, क्रेडिट कार्ड बिल, कर आदि का भुगतान तय शर्तों के अनुसार नहीं करता है, तो बैंक उस राशि की वसूली कर सकता है। हम यहां आपके लिए प्रक्रिया को आसान बनाने और बैंक खाते में बकाया राशि और उससे निपटने के तरीके को विस्तार से समझाने के लिए हैं। इस गाइड में विभिन्न बैंक खातों से बकाया राशि हटाने और बकाया राशि की जांच करने के तरीके भी शामिल हैं।

ग्रहणाधिकार राशि कितनी है?

लियन राशि आपके खाते में मौजूद वह राशि है जिसे लॉक या फ्रीज कर दिया जाता है और एक निश्चित समय सीमा के लिए उस तक पहुँचा नहीं जा सकता। आमतौर पर, बैंक अधिकारी इस राशि के उपयोग पर रोक लगा देते हैं। यह राशि आपके खाते में तो रहेगी, लेकिन आप न तो इसे निकाल सकते हैं और न ही किसी दूसरे खाते में ट्रांसफर कर सकते हैं। लियन राशि तब तक फ्रीज रहेगी जब तक बैंक अधिकारी आपके खाते से लॉक हटाने का निर्णय नहीं लेते। लॉक की गई राशि की कोई निर्धारित सीमा नहीं है, क्योंकि बैंक अधिकारियों को पूरे बैंक बैलेंस को प्रतिबंधित करने और उसे लियन राशि में बदलने का पूरा अधिकार है।

ग्रहणाधिकार राशि या ग्रहणाधिकार चिह्न का क्या अर्थ है?

लीन मार्क के बारे में जानने के बाद अगली महत्वपूर्ण बात यह है कि बैंक खाते पर लगे लीन मार्क का क्या अर्थ होता है। लीन मार्क वाले बैंक खाते का मतलब है कि उधारकर्ता ने म्यूचुअल फंड से जुड़ी रकम की वसूली के लिए ऋणदाता को ऐसा करने की अनुमति दी है। आमतौर पर, बैंक अधिकारी किसी खाते पर लीन मार्क तब लगाते हैं जब उधारकर्ता तय शर्तों के अनुसार राशि चुकाने में विफल रहता है। म्यूचुअल फंड के बदले स्वीकृत ऋण की वसूली के लिए, बैंक लीन मार्क लगाते हैं जिसमें ऋणदाता द्वारा सुरक्षा के रूप में उपयोग की गई फंड इकाइयों का उल्लेख होता है।

बैंकों में ग्रहणाधिकार राशि का कारण

यहां कुछ सामान्य कारण दिए गए हैं जिनकी वजह से बैंक ग्राहकों के खातों पर ग्रहणाधिकार लगाते हैं:ऋण भुगतान में चूकः यदि बैंक से लिए गए ऋण की कोई भी किस्त बकाया हो या भुगतान में देरी हो, तो भुगतान सुरक्षित करने के लिए गिरवी रखी जा सकती है। गिरवी रखी गई राशि बकाया ऋण राशि के बराबर होगी। क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान न होनाः इसी प्रकार, क्रेडिट कार्ड के बकाया बिलों के मामले में, बैंक बकाया राशि के लिए खाते पर ग्रहणाधिकार लगा सकता है। इससे बकाया राशि का भुगतान होने तक खाते से धनराशि का उपयोग प्रतिबंधित हो जाता है। न्यूनतम शेष राशि का उल्लंघनः यदि न्यूनतम औसत शेष राशि बनाए नहीं रखी जाती है, तो बैंक जुर्माने के रूप में कमी वाली राशि पर ग्रहणाधिकार लगा देते हैं। शेष राशि बहाल होने पर ग्रहणाधिकार हटा दिया जाता है। चेक बाउंस/विफल लेनदेनः यदि खाते से जारी किए गए चेक बार-बार बाउंस होते हैं या लेनदेन विफल हो जाते हैं, तो बैंक को संभावित नुकसान से बचाने के लिए एक ग्रहणाधिकार लगाया जाता है। संदिग्ध लेनदेनः बैंक के धोखाधड़ी संबंधी एल्गोरिदम द्वारा संदिग्ध माने जाने वाले किसी भी लेनदेन के कारण जांच होने तक खाते को ब्लॉक करने के लिए ग्रहणाधिकार (लीन) लगाया जा सकता है। आयकर बकायाः यदि आयकर बकाया है और उसका भुगतान नहीं किया गया है, तो आयकर विभाग बैंकों को डिफ़ॉल्टरों के खातों पर ग्रहणाधिकार लगाने का निर्देश दे सकता है।सावधि जमा के बदले ऋणः यदि आप अपनी सावधि जमा के बदले ऋण लेते हैं, तो सावधि जमा की राशि को ऋण चुकौती के विरुद्ध सुरक्षा के रूप में गिरवी रखा जाता है।न्यायालय का आदेशः यदि किसी विवाद या मामले में न्यायालयों द्वारा खातों पर ग्रहणाधिकार लगाने का कोई कानूनी आदेश दिया गया है, तो बैंकों को उसका पालन करना होगा।

गिरवी राशि को कैसे हटाएं? यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं कि आप अपने बैंक खाते से बकाया राशि कैसे हटा सकते हैं: सबसे पहले यह पता लगाएं कि ग्रहणाधिकार क्यों लगाया गया है – ऋण का भुगतान न होना, न्यूनतम शेष राशि, देय कर आदि। इससे समस्या के समाधान की दिशा में बेहतर दृष्टिकोण अपनाने में मदद मिलती है। ऋण/क्रेडिट कार्ड की EMI का भुगतान न कर पाने या न्यूनतम शेष राशि का उल्लंघन करने जैसी समस्याओं के लिए, नियमित भुगतान करने हेतु आवश्यक भुगतान करें। इसके बाद बैंक गिरवी हटा देगा। यदि करों के भुगतान न करने के कारण ग्रहणाधिकार (lien) है, तो बकाया कर और सभी जुर्माने का भुगतान कर दें। इससे ग्रहणाधिकार हट जाएगा। यदि वर्चुअल कार्ड या यूपीआई जैसी कोई लिंक्ड सेवा लेन का कारण बन रही है, तो उसे अनइंस्टॉल और डिलीट कर दें। लेन स्वतः ही रद्द हो जानी चाहिए। तकनीकी त्रुटियों या मनमाने ढंग से लगाए गए ग्रहणाधिकार के मामले में, अपने बैंक के ग्राहक सेवा विभाग से संपर्क करें और इसे हटाने के लिए उनसे बातचीत करें। आप अपनी बैंक शाखा में जाकर वहां के अधिकारियों से बात करके गिरवी रखने का कारण समझ सकते हैं और समाधान के चरणों के बारे में स्पष्टता प्राप्त कर सकते हैं। यदि आपके खाते में केवाईसी लंबित होने के कारण कोई लेन है, तो लेन हटाने के लिए बैंक प्रक्रिया के अनुसार तुरंत अपनी केवाईसी अपडेट करें। बैंक अधिकारियों से लेन हटाने के लिए विनम्र लेकिन दृढ़ रहें। आवश्यकता पड़ने पर उच्च अधिकारियों से संपर्क करें। बैंक द्वारा समस्या के समाधान की पुष्टि हो जाने के बाद, सीधे तौर पर सत्यापित करें कि ग्रहणाधिकार चिह्न हटा दिया गया है और खाता बहाल कर दिया गया है। बैंक के साथ बातचीत करते समय दृढ़ और सतर्क रहने से गिरवी रखी गई राशि को जल्दी रद्द करवाने और अपने खाते तक पूरी पहुंच फिर से प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। मान लीजिए कि एसईबीआई द्वारा आईपीओ आवेदन के लिए अनिवार्य एएसबीए (ब्लॉक की गई राशि द्वारा समर्थित आवेदन) के तहत आपका बैंक खाता प्रतिबंधित है। ऐसे में आपको आईपीओ रजिस्ट्रार को निकासी के लिए अनुरोध प्रस्तुत करना होगा। हालांकि, यदि आपको कोई अर्जेंसी नहीं है, तो आप आईपीओ आवंटन तक प्रतीक्षा कर सकते हैं। यदि आपको अनुरोधित आईपीओ का आवंटन नहीं मिलता है, तो यह प्रतिबंध हट जाएगा। जब एसबीआई बैंक आपके बैंक खाते पर वर्चुअल कार्ड के लिए लेन लगाता है, तो आप वर्चुअल कार्ड को डिलीट करके तुरंत लेन हटा सकते हैं। यदि लेन आपके क्रेडिट कार्ड से जुड़ा है, तो आप बैंक अधिकारी से बातचीत करके या अपना कार्ड बंद करके भी लेन हटा सकते हैं। करों का भुगतान न करने, एसबीआई ऋण की ईएमआई न चुकाने आदि जैसे अन्य सभी मामलों में, आपको बकाया राशि और लागू ब्याज का भुगतान करके बैंक द्वारा लगाए गए बंधक को हटवाना होगा। बकाया चुकाने के बाद, बैंक बंधक हटा देगा। इसके अलावा, लेन मार्क किसी तकनीकी या सिस्टम त्रुटि के कारण भी हो सकता है। यदि ऐसा है, तो निकटतम एसबीआई बैंक शाखा में जाएं और बैंक अधिकारी से इसे ठीक करने का अनुरोध करें। यदि आपको इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि बैंक ने लाइन मार्क क्यों बढ़ाया है, तो एसबीआई बैंक के कार्यकारी से संपर्क करें और स्पष्टीकरण मांगें। इसके अतिरिक्त, आप एसबीआई बैंक की शाखा में जाकर भी इस बारे में पूछताछ कर सकते हैं। बैंक अधिकारी आपको उचित कारण और लेन मार्क को हल करने का तरीका बताएंगे। आप अपनी समस्या के समाधान के लिए एसबीआई की 24x7 हेल्पलाइन पर कॉल कर सकते हैं। टोल फ्री नंबर 1800 1234, 1800 11 2211, 1800 425 3800, 1800 2100 या 080-26599990 हैं।

कोटक बैंक खाते में बकाया राशि को कैसे हटाएं?

यदि आप कोटक बैंक के खाताधारक हैं और अपने खाते में दर्ज गिरवी राशि को हटवाना चाहते हैं, तो आपको सबसे पहले मूल कारण का पता लगाना होगा। पता लगाएं कि आपके खाते पर गिरवी का निशान किस कारण से लगा है। बीओबी बैंक में बकाया राशि को कैसे हटाएं?यदि आप बैंक ऑफ बड़ौदा के ग्राहक हैं और आपके बैंक खाते पर ग्रहणाधिकार (लीन) अंकित है, तो इसे हटाने के लिए आप कई कदम उठा सकते हैं। सबसे पहले, ग्रहणाधिकार अंकित होने के कारण को समझें। कारण को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्रहणाधिकार हटाने की विधि मुख्य कारण के अनुसार भिन्न हो सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा में ग्रहणाधिकार राशि हटाने के लिए आप निम्नलिखित कदम उठा सकते हैं: यदि आपने हाल ही में आईपीओ के लिए आवेदन किया है और आपको इस ग्रहणाधिकार खाते की समस्या का सामना करना पड़ा है, तो आईपीओ रजिस्ट्रार को लिखकर अपना आवेदन वापस ले लें। यदि यह कर संबंधी देनदारी है, तो अपने बैंक खाते से देनदारी हटाने के लिए अपने लंबित करों और जुर्माने की राशि का भुगतान करें। यदि यह किसी वर्चुअल कार्ड से जुड़ा है, तो कार्ड को हटा दें, और लेन तुरंत हट जाएगा। यदि आपके क्रेडिट कार्ड खाते पर बैंक का लीन मार्क लगा हुआ है, तो उसे समाप्त करने का अनुरोध करें। यदि आपका कोई क्रेडिट कार्ड बिल बकाया है, तो उसे आज ही चुका दें।जब ऋण भुगतान में चूक के कारण खाते पर ग्रहणाधिकार का चिह्न लग जाता है, तो ग्रहणाधिकार चिह्न को अपने खाते से हटाने के लिए भुगतान करें।

Freelancing का मतलब है किसी company या client के लिए बिना permanently employed हुए contract के आधार पर काम करना। Freelancer अपनी मर्जी से काम चुन सकता है और अपनी flexibility के साथ projects पूरा करता है।

Freelancing की डिमांड क्यों बढ़ रही है?
आजकल freelancing की डिमांड तेजी से बढ़ रही है, और इसके कई कारण हैं। पहले, work-from-home culture की बढ़ती लोकप्रियता ने freelancing को एक अच्छा विकल्प बना दिया है, जिससे लोग अपने घर से काम करके अपनी लाइफ को बैलेंस कर सकते हैं। दूसरा, freelancing में flexible working hours का फायदा मिलता है, जिससे लोग अपने काम के समय को अपनी जरूरत के हिसाब से तय कर सकते हैं।

बढ़ते Freelancing के मुख्य कारण-

Flexibility in Working Hours Freelancers को अपने कार्य समय को नियंत्रित करने की स्वतंत्रता होती है। इस लचीलापन से वे अपनी जीवनशैली और व्यक्तिगत समय का बेहतर प्रबंधन कर सकते हैं, जिससे यह नौकरी के लिए आकर्षक विकल्प बनती है।

Work-from-Home Culture की बढ़ती लोकप्रियताCOVID-19 महामारी के बाद, work-from-home संस्कृति ने freelancing को एक बेहतरीन करियर विकल्प बना दिया है। अब लोग घर से काम करके अपना समय बचा सकते हैं और किसी भी स्थान से काम कर सकते हैं।

Technological Advancements इंटरनेट और तकनीकी उपकरणों के माध्यम से freelancing और भी आसान हो गया है। अब लोग दुनिया के किसी भी कोने से काम कर सकते हैं, और Slack, Zoom, और Google Drive जैसे टूल्स से आसानी से काम का प्रबंधन किया जा सकता है।

Global Opportunities Freelancing का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे global clients के साथ काम करने के अवसर मिलते हैं। लोग सिर्फ अपने देश तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी काम कर सकते हैं, जिससे उनकी कमाई के रास्ते खुलते हैं।

Increased Earning Potential Freelancers को अपनी विशेषज्ञता के हिसाब से अपनी फीस तय करने का अधिकार होता है। अगर आपके पास विशेष कौशल हैं, तो आप freelancing के जरिए उच्च कमाई कर सकते हैं।

Freelancing कैसे काम करता है?

Freelancing एक ऐसा तरीका है जिसमें आप किसी कंपनी के लिए एक निश्चित समय के लिए नहीं, बल्कि अपने हिसाब से काम करते हैं। इसमें आप अपना खुद का बॉस होते हैं और किसी भी प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं। यह काम ऑनलाइन होता है और आप इसे घर से भी कर सकते हैं।

Freelancer और Client के बीच संपर्क:

Freelancer: किसी विशेष कौशल (Skills) जैसे (Writing, Graphic Designing, Web Development) में माहिर व्यक्ति होता है। वह अपने काम के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध होता है।

Clint: जो व्यक्ति या कंपनी किसी प्रोजेक्ट के लिए फ्रीलांसर की मदद लेना चाहती है।

प्लेटफ़ॉर्म पर काम:फ्रीलांसर और क्लाइंट आमतौर पर Upwork, Fiverr, Freelancer, Toptal जैसी वेबसाइट्स पर मिलते हैं। यहां क्लाइंट अपनी जरूरत के हिसाब से प्रोजेक्ट पोस्ट करते हैं और फ्रीलांसर बिड या प्रपोजल भेजते हैं।

प्रोजेक्ट का चुनाव और समझौता:जब क्लाइंट एक फ्रीलांसर को पसंद करता है, तो वे दोनों प्रोजेक्ट की डिटेल्स, डेडलाइन, और भुगतान पर सहमत होते हैं।

काम और भुगतान:फ्रीलांसर काम शुरू करता है और निर्धारित समय में उसे पूरा करता है।काम पूरा होने पर क्लाइंट उसे चेक करता है और अगर सब ठीक होता है, तो फ्रीलांसर को भुगतान किया जाता है।

सेल्फ-मैनेजमेंट:फ्रीलांसर खुद ही अपना काम और समय तय करता है, और कई अलग-अलग क्लाइंट्स के लिए एक साथ काम कर सकता है।इस प्रणाली के माध्यम से, फ्रीलांसर को अपने कौशल का उपयोग करके अलग-अलग प्रोजेक्ट्स पर काम करने का मौका मिलता है, और क्लाइंट को विशेषज्ञों से अपनी ज़रूरत के मुताबिक काम मिल जाता है।

Freelancing के फायदे और नुकसान
Freelancing के बारे में जानने के बाद, अब हम देखेंगे कि इस करियर के क्या फायदे और नुकसान हैं। जबकि Freelancing कई लोगों के लिए आकर्षक और बहुत अच्छा करियर विकल्प हो सकता है, यह हमेशा एक आसान रास्ता नहीं होता। इसलिए, इसके फायदे और नुकसान को समझना महत्वपूर्ण है, ताकि आप सही निर्णय ले सकें।

Freelancing के फायदे:

अपने टाइम के हिसाब से काम (Flexibility):फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपना समय खुद तय कर सकते हैं। आपको किसी ऑफिस में जाकर काम करने की ज़रूरत नहीं होती। आप अपनी सुविधा के अनुसार काम कर सकते हैं, चाहे दिन हो या रात।

स्वतंत्रता (Independence):फ्रीलांसिंग आपको अपनी खुद की मर्जी से काम करने का अवसर देती है। आपको किसी बॉस या सीनियर से आदेश नहीं मिलते, और आप अपनी पसंद के प्रोजेक्ट्स चुन सकते हैं।

घर से काम (Work from Home):आप अपने घर से ही काम कर सकते हैं, जिससे यात्रा करने का समय और खर्च बचता है। यह उन लोगों के लिए आदर्श है जो घर से काम करना पसंद करते हैं।

कमाई की संभावना (Earning Potential):फ्रीलांसिंग में आपकी कमाई आपकी मेहनत और कौशल पर निर्भर करती है। जितना अच्छा काम करेंगे, उतनी ज्यादा कमाई कर सकते हैं।

Freelancing कैसे शुरू करें?

Freelancing शुरू करना आज के समय में काफी आसान हो गया है। अगर आप अपने स्किल्स का सही उपयोग करना चाहते हैं और स्वतंत्र रूप से काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए एक बेहतरीन करियर विकल्प हो सकता है। नीचे दिए गए स्टेप्स आपको फ्रीलांसिंग शुरू करने में मदद करेंगे:

अपने स्किल्स की पहचान करें
सबसे पहले यह तय करें कि आपके पास कौन-कौन से स्किल्स हैं, जैसे:
लेखन (Content Writing)
ग्राफिक डिजाइनिंग (Graphic Designing)
वेब डेवलपमेंट (Web Development)
वीडियो एडिटिंग (Video Editing)
डिजिटल मार्केटिंग (Digital Marketing)
लगातार अपने स्किल्स को अपग्रेड करें और उन पर महारत हासिल करें।

सही प्लेटफ़ॉर्म चुनें
Freelancing Projects के लिए कई ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ लोकप्रिय विकल्प हैं:
Upwork, Fiverr, Freelancer,Toptal Guru,LinkedIn
इन प्लेटफ़ॉर्म्स पर अपनी प्रोफाइल बनाएं और अपने स्किल्स, अनुभव, और पोर्टफोलियो को अच्छे से प्रदर्शित करें।

पोर्टफोलियो तैयार करें

क्लाइंट्स को आकर्षित करने के लिए आपका एक मजबूत पोर्टफोलियो होना चाहिए। आपके द्वारा किए गए पिछले प्रोजेक्ट्स के नमूने इसमें शामिल करें। यदि आपने पहले काम नहीं किया है, तो कुछ डेमो प्रोजेक्ट्स बनाएं। अपनी सेवाओं की कीमत तय करें
शुरुआत में, अपने स्किल्स और अनुभव के अनुसार उचित रेट तय करें।

ऑनलाइन शुरू करने के लिए 7 व्यावसायिक विचार

यदि आप अपना खुद का ऑनलाइन व्यवसाय शुरू करने में रुचि रखते हैं, तो अभी सबसे सही समय है। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जो अवसरों से भरा है और अभूतपूर्व पैमाने पर व्यावसायिक विकास की अपार संभावनाएँ रखता है। इंटरनेट और स्मार्टफ़ोन की बदौलत, ऑनलाइन प्रसारित होने वाले ज्ञान और सूचनाओं की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अगर आपको ऑनलाइन मार्केटिंग की बारीकियां समझ हैं, या आप सोशल मीडिया में माहिर हैं, तो यह आपके लिए काफी आसान होगा। लेकिन ऑनलाइन बिजनेस शुरू करने के लिए प्रोफेशनल होना जरूरी नहीं है। यहां 7 बेहतरीन ऑनलाइन बिजनेस आइडिया दिए गए हैं, जिनसे आप तुरंत अपना बिजनेस शुरू कर सकते हैं।

1. चैटबॉट सेवाएं

चैटबॉट का उदय देखना अभूतपूर्व रहा है। एआई-आधारित चैटबॉट व्यवसाय उन व्यवसायों के लिए एक नया डिजिटल क्षेत्र प्रस्तुत करते हैं जो अपने ग्राहकों से जुड़ने के लिए आवश्यक मानव संसाधन को कम करके प्रक्रिया को स्वचालित बनाना चाहते हैं। आज चैटबॉट व्यवसाय में ज़बरदस्त प्रतिस्पर्धा का माहौल है। और ठीक इसी कारण से, इस डिजिटल युग में अपना खुद का चैटबॉट उद्यम शुरू करना आपके ऑनलाइन व्यवसाय के लिए चमत्कार कर सकता है। बेशक, इसमें कुछ मेहनत तो लगेगी, लेकिन इसमें सीखने की प्रक्रिया में जो कठिनाइयाँ आती हैं, वे निश्चित रूप से इसके लायक हैं।

2. एसईओ व्यवसाय

जहां एक ओर सशुल्क विज्ञापन आश्चर्यजनक गति से बढ़ रहे हैं, वहीं Google जैसे सर्च इंजनों पर स्वाभाविक और प्रासंगिक रूप से दिखाई देने की क्षमता न केवल अधिक प्रतिस्पर्धी होती जा रही है, बल्कि अधिक लाभदायक भी होती जा रही है। जब बात ऑर्गेनिक सर्च कीवर्ड्स की आती है, तो शीर्ष पर अपार मूल्य निहित है। जैसे-जैसे इंटरनेट का विस्तार और विकास हो रहा है, SEO न केवल अधिक प्रतिस्पर्धी होता जाएगा, बल्कि एक स्वतंत्र व्यावसायिक इकाई के रूप में भी विकसित होगा। सही मात्रा में SEO कौशल के साथ कोई भी व्यक्ति कई ऑनलाइन व्यवसाय, विशिष्ट वेबसाइट और ब्लॉग शुरू कर सकता है।

3. सोशल मीडिया सलाहकार

सोशल मीडिया किसी भी व्यवसाय का अभिन्न अंग है। इस भूमिका में ग्राहकों को उनके सोशल मीडिया चैनलों पर आने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़ाने और उन्हें सामग्री से अधिक जोड़ने के तरीकों पर सलाह देना शामिल है। मार्केटिंग गतिविधियों को अंजाम देकर इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। इसके साथ ही, सोशल मीडिया के शौकीनों को उनके व्यवसाय को बढ़ाने के लिए मार्केटिंग और सोशल मीडिया गतिविधियों में सहायता प्रदान की जा सकती है। यदि आपके पास सोशल मीडिया का अनुभव है और कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की गहरी समझ है, तो एक सोशल मीडिया कंसल्टिंग व्यवसाय शुरू करने का प्रयास करें जो बुनियादी बातों पर कम और व्यवसायों को लाखों उपयोगकर्ताओं और ग्राहकों का लाभ उठाने में मदद करने पर अधिक केंद्रित हो।

4. एफिलिएट मार्केटिंग

क्या आपके पास मार्केटिंग का अनुभव है? कई सूचना प्रकाशकों और कंपनियों को अपने एफिलिएट प्रोग्राम को प्रबंधित करने में सहायता की आवश्यकता होती है, जिसमें मार्केटिंग कैलेंडर बनाने से लेकर कैंपेन का समन्वय करने और एफिलिएट्स के साथ बातचीत करने तक शामिल है।

मौखिक प्रचार आज भी कई कंपनियों के लिए ग्राहकों को आकर्षित करने का एक बड़ा जरिया है, और बहुत से व्यवसाय अपने मुनाफे का एक हिस्सा उन प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ साझा करने को तैयार हैं जो जनता के बीच उनके उत्पादों का प्रचार करेंगे।

5. ऐप विकास

मोबाइल एप्लिकेशन पहले से कहीं अधिक लोकप्रिय हैं, और लोग अपने स्मार्टफोन से अपने जीवन को प्रबंधित करने के तरीकों के लिए अच्छी खासी रकम खर्च करने को तैयार हैं। यदि आपके पास कोई शानदार विचार है और आपको कोडिंग का ज्ञान है, तो आप अपना ऐप स्वयं बना सकते हैं। यदि आपको इसे वास्तविकता में बदलने की बारीकियां पता हैं, तो ऐप निर्माण में सहयोग करने के इच्छुक कई सॉफ्टवेयर डेवलपर मौजूद हैं।

6. वेब डिजाइनिंग

आज रचनात्मक विचारों की बढ़ती मांग के चलते वेब डिजाइनिंग की मांग में जबरदस्त वृद्धि हुई है। यदि आप कंप्यूटर में कुशल हैं, कलात्मक दृष्टिकोण रखते हैं और फोटोशॉप का अच्छा अनुभव रखते हैं, तो आप फ्रीलांस वेब डिजाइनर बनने पर विचार कर सकते हैं। लेकिन डिजाइनिंग के लिए इससे कहीं अधिक की आवश्यकता होती है। आपको कोडिंग का ज्ञान होना चाहिए और अनुभव भी आवश्यक हो सकता है। वेब डिजाइनिंग और डेवलपमेंट का कोर्स करने से आपको इस क्षेत्र में आसानी से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

7. विदेशी भाषा प्रशिक्षण/ट्यूटोरियल

यदि आप दो से अधिक विदेशी भाषाएँ बोल और लिख सकते हैं, तो यह विकल्प आपके लिए उपयुक्त हो सकता है। अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों से संवाद करने या विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में भी विदेशी भाषाओं की बहुत मांग है। सोशल मीडिया पर ऑनलाइन कोर्स शुरू करने से ही आपको शुरुआत में काफी मदद मिलेगी। जब आपके पास ग्राहकों की अच्छी संख्या हो जाए, तो आप अपने ऑनलाइन व्यवसाय को ऑफलाइन भी विस्तारित करने के बारे में सोच सकते हैं। ये व्यावसायिक विचार तो बस कुछ ही विकल्प हैं, लेकिन ऑनलाइन व्यवसाय शुरू करने के लिए अनगिनत विकल्प मौजूद हैं। इस डिजिटल युग में ऑनलाइन व्यावसायिक विचारों की मांग में भारी वृद्धि हुई है। इसलिए, व्यवसाय शुरू करने के लिए पेशेवर डिग्री होना आवश्यक नहीं है। यदि आपके पास किसी विशेष विषय में सही अनुभव और विशेषज्ञता है, तो उसका सही उद्देश्य से उपयोग करें और आपका व्यवसाय देखते ही देखते सफलता की ओर अग्रसर होगा।

छोटे खेतों के लिए 15 सबसे अधिक लाभदायक फसलें

दशकों के प्रयोगों, गलतियों और गहन रिकॉर्ड रखने के बाद, मैंने छोटे खेतों और जैव-गहन बाज़ार बागानों के लिए सबसे लाभदायक फसलों का मूल्यांकन करने की एक सरल लेकिन विश्वसनीय विधि विकसित की है। यह रैंकिंग वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित है, जिन्हें हमने ला फ़र्म डेस क्वात्रे-टेम्प्स और लेस जार्डिन्स डे ला ग्रेलिनेट में हर मौसम में ट्रैक किया है —जिसमें प्रति दिन प्रति क्यारी की आय, विकास दर, लोकप्रियता और समय निवेश शामिल हैं।पिछले कई वर्षों में, मैंने विभिन्न देशों, जलवायु और बाज़ार स्थितियों में सैकड़ों किसानों को मार्गदर्शन और परामर्श दिया है। और यद्यपि प्रत्येक खेत का अपना पारिस्थितिकी तंत्र होता है, मैंने एक आश्चर्यजनक प्रवृत्ति देखी हैः चाहे आप क्यूबेक में हों, ओरेगन में हों या पश्चिमी यूरोप में, वही फसलें शीर्ष पर पहुँचती हैं। (वैसे... सुदूर दक्षिण में भिंडी को छोड़कर—वह तो एक स्थानीय घटना है!)

यह सूची न केवल सिद्धांत रूप में, बल्कि व्यवहार में भी छोटे खेतों के लिए सबसे लाभदायक फसलों को दर्शाती है।

जब आपके पास सीमित भूमि, श्रम और समय हो, तो उच्च लाभ, त्वरित बिक्री और निरंतर उत्पादन देने वाली फसलों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। यही कारण है कि छोटे खेतों के लिए सबसे लाभदायक फसलों की पहचान करना, लाभदायक बागवानी के हमारे दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।यह सूची इस बारे में नहीं है कि क्या उगाना मजेदार है या इंस्टाग्राम पर क्या अच्छा दिखता है। यह इस बारे में है कि क्या बिकता है, क्या लंबे समय तक चलता है और क्या आपके बाजार उद्यान को वास्तव में लाभदायक बनाता है।

इस मार्गदर्शिका में शामिल प्रत्येक फसल में निम्नलिखित शामिल होंगेः

यह सबसे अधिक लाभदायक कंपनियों में क्यों शुमार है ?इसे सफलतापूर्वक विकसित करने के लिए हम जिन सुझावों और सर्वोत्तम प्रथाओं का उपयोग करते हैंमेरी पसंदीदा किस्में और मैं उन्हें कहाँ से प्राप्त करता हूँचाहे आप एक नया सीएसए (कम्युनिटी सपोर्टेड एग्रीकल्चर) शुरू करने की योजना बना रहे हों, किसानों के बाजारों में बिक्री कर रहे हों, या थोक बिक्री के लिए अपनी फसल योजना को अनुकूलित कर रहे हों, यह गाइड आपको मिट्टी के हर एक वर्ग फुट से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई है।आइए छोटे खेतों के लिए सबसे अधिक लाभदायक 15 फसलों के बारे में विस्तार से जानें और उन्हें पेशेवर तरीके से कैसे उगाया जाए।यदि आप दृश्य माध्यम से सीखना पसंद करते हैं, या बस जीन-मार्टिन फोर्टियर को इन फसलों के बारे में सीधे समझाते हुए सुनना चाहते हैं, तो हमने आपके लिए व्यवस्था कर रखी है।अगर कोई ऐसी फसल है जो खूबसूरती, स्वाद और मुनाफा तीनों एक साथ देती है, तो वो है चेरी टमाटर। संरक्षित वातावरण में उगाए जाने और पूरी तरह पकने पर तोड़े जाने पर, ये किसान बाजारों और रेस्तरां ग्राहकों के बीच लगातार 8-12 डॉलर प्रति पाउंड की कीमत पर बिकते हैं। इन कीमतों पर, अच्छी कमाई के लिए आपको बहुत अधिक मात्रा में टमाटर बेचने की ज़रूरत नहीं है। नियमित छंटाई और सहारा देने से, 100 फुट की एक क्यारी पूरे मौसम में सैकड़ों पाउंड टमाटर पैदा कर सकती है।

हमारे फार्म में, चेरी टमाटर ग्रीनहाउस स्लाइसर टमाटरों के बाद सबसे लोकप्रिय फलदायी फसल है। हम इन्हें अपने टनल में ऊंचे तार वाले ट्रेलिस पर उगाते हैं, जिससे हम गुणवत्ता से समझौता किए बिना लगातार कई महीनों तक कटाई कर सकते हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है हवा का प्रवाह और पौधों की वृद्धि को नियंत्रित करनाः हम किस्म और ग्रीनहाउस में पौधों के बीच की दूरी के आधार पर एक या दो मुख्य तने तक छंटाई करते हैं, और जैसे-जैसे फल पकते हैं, हम रोग के खतरे को कम करने के लिए नीचे की पत्तियों को हटा देते हैं। हम पौधों को शुरुआती दौर में घर के अंदर उगाना शुरू करते हैं और मिट्टी का तापमान अनुकूल होने पर उन्हें गर्म, खाद से भरपूर क्यारियों में रोप देते हैं। इनकी उर्वरता की आवश्यकता मध्यम लेकिन संतुलित होती है—अधिक नाइट्रोजन होने पर फल के बजाय जंगली लताएँ उग जाएँगी। हम हर हफ्ते खाद डालते हैं, मकड़ी के घुन और सफेद मक्खियों की निगरानी करते हैं और संतुलन बनाए रखने के लिए जैविक नियंत्रण का उपयोग करते हैं।

चेरी टमाटरों को बार-बार काटना पड़ता है—एक बार जब वे पूरी तरह से पक जाते हैं, तो हर दो से तीन दिन में। यह श्रमसाध्य है, लेकिन यही कारण है कि ये इतने लाभदायक होते हैं। बाज़ार में रखी ताज़ी, रंग-बिरंगी चेरी टमाटरों की टोकरी ग्राहकों को लुभाती है, और जब ग्राहक आपके स्वादिष्ट उत्पाद के आदी हो जाते हैं, तो वे हर हफ्ते वापस आते हैं।

"अगर आप सही तरीके से खेती करें तो चेरी टमाटर ग्रीनहाउस में प्रति घंटे सबसे अधिक उपज देने वाला उत्पाद हो सकता है।"

सलाह : हमेशा अलग-अलग रंगों और आकारों के फल एक साथ उगाएँ—लाल, नारंगी, पीला, अंगूर, गोल और नाशपाती। इससे देखने में आकर्षक लगता है, आपकी बीयर प्रीमियम दिखती है और आप कटाई की प्रक्रिया को जटिल बनाए बिना अधिक कीमत वसूल सकते हैं।

मेस्कलुन हमारे सलाद उत्पादन की रीढ़ है—और फार्म में प्रति वर्ग फुट सबसे अधिक कमाई देने वाली फसलों में से एक है। हम सैलानोवा लेट्यूस की घनी क्यारियां उगाते हैं और उन्हें कम उम्र में ही कोमल और जीवंत अवस्था में काटते हैं। जब इसे ठीक से धोकर पैक किया जाता है, तो यह मिश्रण बाजार में प्रीमियम कीमत पर बिकता है और इसकी भारी बिक्री होती है। एक अच्छे सप्ताह में, हम अपने सीएसए, दुकानों और रेस्तरां के बीच 300 से अधिक बोरियां बेच देते हैं। इन आंकड़ों को देखते हुए, यह समझना आसान है कि मेस्कलुन बाजार में उगाई जाने वाली सबसे लाभदायक फसलों में से एक क्यों है।

मेस्कलुन की खेती इतनी लाभदायक इसलिए है क्योंकि हम क्यारियों को बार-बार पलट सकते हैं। अच्छी उर्वरता और त्वरित कटाई उपकरणों की मदद से, हमें आमतौर पर एक बार में 2-3 बार पूरी फसल मिल जाती है। हम क्यारियों के बीच कम दूरी रखते हैं—30 इंच की क्यारी में 12 पंक्तियाँ—और लगभग 2.5 औंस बीज प्रति 100 फुट की क्यारी में बोते हैं। अंकुरण से लेकर पैकिंग तक, प्रक्रिया के हर चरण को सरल बनाया गया है ताकि श्रम कम लगे और गुणवत्ता अधिकतम हो।

समय का पूरा ध्यान रखा जाता है। निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हम पूरे मौसम में हर 10-14 दिनों में बीज बोते हैं। गर्मी के मौसम में, हम पौधों की वृद्धि को धीमा करने और कड़वाहट से बचने के लिए छायादार कपड़े का उपयोग करते हैं। ठंडे महीनों में, तैरते हुए पंक्ति आवरण फसल चक्र को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। हम कटाई के समय को लेकर बेहद सतर्क रहते हैं—हमेशा सुबह जल्दी—और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए हम साग को तुरंत धुलाई केंद्र में ठंडा करते हैं। अच्छी तरह से उगाई गई मेस्कलुन की क्यारी बेहद सुकून देती है। यह देखने में साफ-सुथरी लगती है, हाथ में पकड़ने पर ठोस महसूस होती है, और अच्छे से सजाकर रखने पर अपने आप ही बिक जाती है। आपको सलाद के लिए 20 तरह की सामग्री की ज़रूरत नहीं है—बस मक्खन जैसी मुलायम पत्तियों और कुरकुरेपन का एक बढ़िया मिश्रण चाहिए जो पैकेट में रखने पर भी ताज़ा रहे।

"एक पेशेवर माली की पहचान खूबसूरत मेस्कलुन से बेहतर और कुछ नहीं हो सकती - जिसे साफ-सुथरा उगाया जाता है, जल्दी से काटा जाता है और सोने की तरह पैक किया जाता है।"

प्रो टिप : मेस्कलुन को लैंडस्केप फैब्रिक पर उगाएँ—सिर्फ़ खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने सलाद मिक्स को साफ़, पत्थरों और कचरे से मुक्त रखने और बाज़ार के लिए तैयार रखने के लिए भी। और धोने की बात करें तो? बब्लर ज़रूरी है। ताज़ी और साफ़ हरी सब्ज़ियाँ ही आपको दूसरों से अलग बनाती हैं।

बोनसः कटाई की गति और एकरूपता बढ़ाने के लिए, क्विक कट हार्वेस्टर में निवेश करें। यह उपकरण बेबी ग्रीन्स के लिए कमाल का है। यह कटाई का समय काफ़ी कम कर देता है, साफ़ कटाई देता है और उत्पाद की एकरूपता में सुधार करता है। हालाँकि शुरुआती लागत ज़्यादा लग सकती है, लेकिन श्रम की बचत और तेज़ उत्पादन के कारण यह एक ही सीज़न में अपनी लागत वसूल कर लेता है।

क्विक कट ग्रीन्स हार्वेस्टर क्या है?

क्विक कट ग्रीन्स हार्वेस्टर (क्यूसीएच) एक छोटा उपकरण है जिसमें एक ब्लेड होता है जो क्षैतिज रूप से चलता है और ड्रिल द्वारा संचालित होता है। ब्लेड ऑपरेटर द्वारा वांछित ऊंचाई पर साग को काटता है जबकि रस्सी की पट्टियाँ घूमकर पत्तियों को टोकरी में रखती हैं। इसका आविष्कार जोनाथन डाइसिंगर ने किया था और इसे फार्मर्स फ्रेंड द्वारा बेचा जाता है। इस उपकरण का उपयोग केल, सरसों, अरुगुला, पालक आदि जैसे छोटे साग की कटाई के लिए किया जा सकता है।

जानें किस महीने में कौन सी फसल लगाने से होगा अधिक मुनाफा

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से काफी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए कई योजनाओं के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाया जा रहा है ताकि देश में खाद्यान्न उत्पादन को बढ़ाया जा सके। इसी के साथ किसानों को भी चाहिए कि वे महीने के हिसाब से फसलों का चयन कर बुवाई करें ताकि प्रत्येक फसल की समय पर बुवाई का कार्य पूरा हो सके। बता दें कि समय फसलों पर बुवाई करने से ज्यादा उत्पादन प्राप्त होता है। जबकि देरी से बुवाई में देरी करने पर फसल उत्पादन में कमी आ जाती है। आज हम ट्रैक्टर जंक्शन के माध्यम से किसानों को महीनों के हिसाब से फसलों की बुवाई की जानकारी दे रहे हैं ताकि उन्हें बेहतर उत्पादन के साथ ही अच्छा मुनाफा प्राप्त हो सके।

फसलों के प्रकार और बुवाई का समय

भारत में सीजन के अनुसार फसलों को रबी, खरीफ और जायद तीन भागों में बांटा गया है। और इनकी बुवाई का समय भी अलग-अलग निर्धारित किया हुआ है और उसी के अनुसार इसकी बुवाई की जाती है।

खरीफ फसलों की बुवाई जून से जुलाई तक की जाती है। रबी फसलों की बुवाई अक्टूबर से नवंबर तक की जाती है। जायद फसलों की बुवाई फरवरी से मार्च तक की जाती है।

खरीफ सीजन की फसलें और उनकी बुवाई का सही समय सामान्यतः खरीफ की फसलों की बुवाई जून-जुलाई में की जाती है और अक्टूबर के आसपास काटी जाती है। इन फसलों को बोते समय अधिक तापमान एवं आर्द्रता तथा पकते समय शुष्क वातावरण की आवश्यकता होती है। खरीफ की प्रमुख फसलों में धान (चावल), मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंग, मूंगफली, गन्ना, सोयाबीन, उड़द, तुअर आदि शामिल हैं।

1. धान (चावल) की बुवाई

धान की बुवाई का सही समय जून मध्य से जुलाई प्रथम सप्ताह तक का माना जाता है। लेकिन धान की बुवाई वर्षा आरंभ होते ही शुरू कर देना अच्छा रहता है। देश के कई भागों में मॉनसून आने के 10 से 12 दिन पूर्व यानि मध्य जून तक बुवाई कर दी जाती है।

2. मक्का की बुवाई

मक्का की मुख्य फसल (खरीफ) के लिए बुवाई का सही समय मई-जून तक होता है। सर्दी में मक्का की बुवाई अक्टूबर अंत से नवंबर तक कर सकते है। वहीं बसंत ऋतु में मक्का की बुआई हेतु सही समय जनवरी के तीसरे सप्ताह से मध्य फरवरी तक होता है।

3. ज्वार की बुवाई

उत्तर भारत में ज्वार की खेती खरीफ सीजन में की जाती है। इसकी बुवाई के लिए अप्रैल - जुलाई का महीना सबसे उपयुक्त होता है। सिंचित इलाकों में ज्वार की फसल 20 मार्च से 10 जुलाई तक बुवाई कर देनी चाहिए। जिन क्षेत्रों में सिंचाई उपलब्ध नहीं है वहां मॉनसून में शुरू होते ही इसकी बुवाई कर देनी चाहिए।

4. बाजरा की बुवाई

बारानी क्षेत्रों में मानसून की पहली बारिश के साथ ही बाजरे की बुवाई कर देनी चाहिए। उत्तरी भारत में बाजरे की बुवाई के लिए जुलाई का प्रथम पखवाड़ा सर्वोत्तम है। ध्यान रहे 25 जुलाई के बाद बुवाई करने से 40 से 50 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर प्रतिदिन पैदावार में नुकसान होता है। इसलिए इसकी सही समय पर बुवाई करना ही फायदेमंद रहता है।

5. मूंग की बुवाई

खरीफ मूंग की बुआई का उपयुक्त समय जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई का प्रथम सप्ताह है एवं ग्रीष्मकालीन फसल को 15 मार्च तक बोनी कर देना चाहिए। बोनी में देरी होने पर फूल आते समय तापक्रम वृद्धि के कारण फलियां कम बनती हैं अथवा बनती ही नहीं है इससे इसकी उपज प्रभावित होती है।

6. मूंगफली की बुवाई

बारिश आने से पहले ही मूंगफली की बुआई कर देनी चाहिए। इसकी बुआई का 1 से 15 जून के बीच सही माना गया है। वहीं 15 जून के बाद बुआई करने से 35 किलो प्रति हैक्टेयर प्रतिदिन कम उत्पादन होने की आशंका रहती है। इसलिए बुआई तय समय पर ही करना उचित रहता है।

7. सोयाबीन की बुवाई

सोयाबीन फसल के लिए बीज की बुवाई का समय 15 जून से 15 जुलाई तक माना जाता है। अगर बुवाई करने में विलंब हो रहा हो (जुलाई के प्रथम सप्ताह के बाद) तो बोनी की बीज दर 5- 10 प्रतिशत बढ़ा देनी चाहिए।

8. उड़द की बुवाई

इसकी बुवाई फरवरी से अगस्त तक की जा सकती है। खरीफ मौसम में खेती करने के लिए बीज की बुवाई जून-जुलाई में करें। वहीं जायद मौसम में खेती करना चाहते हैं तो बीज की बुवाई फरवरी-मार्च में कर सकते हैं।

9. तुअर (अरहर) की बुवाई

देसी अरहर की बुवाई पहली बारिश में जून के आखिरी सप्ताह या जुलाई के पहले सप्ताह में कर सकते हैं। अगर इसकी नर्सरी लगाकर बुवाई करनी है तो अप्रैल या मई में इसकी नर्सरी लगाएं और जुलाई में इसकी रोपाई करें। नर्सरी से रोपाई करने पर पैदावार में एक से डेढ़ क्विंटल तक बढ़ोतरी होती है।

10. गन्ना की बुवाई

उत्तर भारत में मुख्यतः फरवरी-मार्च में गन्ने की बसंत कालीन बुवाई की जाती है। गन्ने की अधिक पैदावार लेने के लिए सर्वोत्तम समय अक्टूबर- नवंबर है। बसंत कालीन गन्ना 15 फरवरी-मार्च में लगाना चाहिए। उत्तर भारत में गन्ने की विलंब से बुवाई का अप्रैल से 16 मई तक की जा सकती है।

रबी सीजन की फसलें और उनकी बुवाई का सही समय

रबी की फसल सामान्यतः अक्टूबर-नवंबर के महिनों में बोई जाती है।

स्वदेशी खेल कबड्डी के जरिए जुड़ेगा देश, ओलिंपिक में शामिल कराने के लिए क्रीड़ा भारती ने शुरू की मुहिम

हजारों वर्ष पुराने स्वदेशी खेल कबड्डी के जरिए न सिर्फ देश जुड़ेगा, बल्कि ओलिंपिक में इस खेल को शामिल कराने और स्वर्ण लाने की मुहिम अभी से शुरू हो गई है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर उससे प्रेरित खेल संगठन क्रीड़ा भारती ने कबड्डी को लेकर महत्वकांक्षी राष्ट्रीय अभियान शुरू किया है, जिसमें देशभर में जिला स्तर पर 100-100 कबड्डी की टीमें खड़ी कर प्रतियोगिताओं का आयोजन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसा माहौल बनाने का कार्यक्रम तय किया गया है, जिससे न सिर्फ भारत को 2036 में ओलिंपिक की मेजबानी मिले बल्कि उसमें कबड्डी को भी शामिल किया जाए। वर्ष 1936 के ओलिंपिक में कबड्डी प्रदर्शन के तौर पर शामिल था।

क्रीड़ा भारती के एक पदाधिकारी के अनुसार, जरूरी है कि यह खेल न सिर्फ देश में लोकप्रिय हो, बल्कि विदेश के कई देशों में यह नियमित खेल का हिस्सा बने।उन्होंने बताया कि 26 से 28 दिसंबर तक कर्णावती (अहमदाबाद) में संगठन के राष्ट्रीय अधिवेशन में स्वदेशी खेल कबड्डी को लेकर भविष्य की रूपरेखा तय की जाएगी। इस अधिवेशन में संगठन के जिला स्तर के पदाधिकारियों के साथ कई अर्जुन व द्रोणाचार्य अवार्डी भी शामिल होंगे।

कबड्डी पूरे देश में लोकप्रिय है। इसे विभिन्न राज्यों में भिन्न-भिन्न नामों से जाना जाता है। यह 5000 वर्ष पुराना स्वदेशी खेल है, जिसे भगवान कृष्ण भी खेला करते थे।

क्रीड़ा भारती के दिव्यांग आयाम के संयोजक राकेश गोस्वामी के अनुसार, संगठन की गतिविधियां 554 जिलों में है। वहां के साथ ही सभी जिलों में 100-110 टीमें तैयार की जाएगी, जिसमें 10 वर्ष से लेकर 35 वर्ष से अधिक उम्र के चार वर्ग होंगे। इन टीमों में जिलास्तर पर प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी।

वास्तु आधारित घर

अपने नए घर के लिए ध्यान रखने योग्य वास्तु संबंधी सुझाव

नए घर को बसाने की यात्रा महज एक भौतिक स्थानांतरण नहीं है; यह सकारात्मक ऊर्जाओं और सामंजस्यपूर्ण स्पंदनों से परिपूर्ण एक ऐसा आश्रयस्थल बनाने का अवसर है। जैसे-जैसे हम आंतरिक सज्जा और घर की व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को समझते हैं, वास्तु शास्त्र का प्राचीन भारतीय विज्ञान एक मार्गदर्शक के रूप में उभरता है।

वास्तु शास्त्र एक प्राचीन भारतीय वास्तुकला और डिजाइन विज्ञान है जो 5000 वर्षों से अधिक पुराना है। यह इस मान्यता पर आधारित है कि प्रकृति और ब्रह्मांड के नियमों का उपयोग सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करने और वास्तु-अनुकूल घर में रहने वालों के लिए समृद्धि और सुख लाने के लिए किया जा सकता है। अपने नए घर के डिजाइन में वास्तु शास्त्र को शामिल करने से आपको एक ऐसा स्थान बनाने में मदद मिल सकती है जो सामंजस्यपूर्ण, संतुलित और समग्र कल्याण के लिए अनुकूल हो।

इस ब्लॉग में, हम वास्तु के अनुसार घरों की जटिल दुनिया और वास्तु के अनुसार घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने के तरीकों के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे।

वास्तु क्यों महत्वपूर्ण है?

वास्तु शास्त्र आध्यात्मिकता में आपकी रुचि बढ़ाने में सहायक होता है। वास्तु की कला और विज्ञान आंतरिक शांति और सुकून को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, यह घर में रहने वाले लोगों के बीच सहयोगात्मक संबंधों को भी प्रोत्साहित करता है।

घर के वास्तुशास्त्र में दिशाओं और संरचनाओं के आकार पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। कमरों का आकार आयताकार, वर्गाकार, चक्राकार और छड़नुमा हो सकता है। दिशाएँ दक्षिण-पूर्व (आग्नेय), दक्षिण-पश्चिम (न्युङृति), उत्तर-पूर्व (ईसान्य) और उत्तर-पश्चिम (वायुव्य) हैं। दिशाओं और आकारों के अलावा, 12 सिद्धांत शामिल हैं, जैसे फर्नीचर की आवश्यकता, आवागमन, पहलू, गोपनीयता, विशालता, लचीलापन, मितव्ययिता, सुंदरता, दृश्यता, समूहीकरण और स्वच्छता, जिनका उपयोग संरचना के डिजाइन की योजना बनाने में किया जाता है।

वास्तु शास्त्र भौतिक वातावरण और जीवन की गुणवत्ता के बीच संबंध स्थापित करता है। इसलिए, वास्तु-अनुकूल संपत्ति में निवेश करने से न केवल भौतिक संरचना बल्कि एक सामंजस्यपूर्ण रहने का स्थान भी सुनिश्चित होता है जो सकारात्मक ऊर्जा और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है।

नए घर के लिए वास्तु शास्त्र के टिप्स

वास्तु शास्त्र में घर की दिशा का विशेष महत्व है । आदर्श रूप से, मुख्य द्वार पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए, क्योंकि ये दिशाएँ सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ी होती हैं। दक्षिण और पश्चिम दिशा के द्वार अशुभ माने जाते हैं। चाहे आपका घर उत्तरमुखी हो, पूर्वमुखी हो, दक्षिणमुखी हो या पश्चिममुखी हो, ऊर्जा का प्रवाह और मुख्य द्वार की स्थिति आपके घर में सामंजस्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

बैठक कक्ष (लिविंग रूम):

बैठक कक्ष उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थित होना चाहिए, क्योंकि इसे धन और समृद्धि का क्षेत्र माना जाता है। वास्तु के अनुसार, बैठने की व्यवस्था इस प्रकार होनी चाहिए कि आप और आपके अतिथि उत्तर या पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें।

रसोईघर- दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए, क्योंकि यह दिशा अग्नि और ऊर्जा से जुड़ी है। इससे वास्तु के अनुसार घर में तत्वों का संतुलन बना रहता है। चूल्हा दक्षिण-पूर्व कोने में और फ्रिज उत्तर-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। रसोईघर के वास्तु के अनुसार यह बहुत आवश्यक है ।

शयनकक्ष: मुख्य शयनकक्ष दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए, और पलंग इस प्रकार रखा जाना चाहिए कि आप सोते समय अपना सिर पूर्व या पश्चिम दिशा की ओर रख सकें। उत्तर दिशा की ओर सिर करके सोने से बचें, क्योंकि यह दिशा नकारात्मकता से जुड़ी होती है। यह शयनकक्ष के लिए वास्तु के बुनियादी सुझावों का हिस्सा है।

बाथरूम

उत्तर-पश्चिम दिशा में होना चाहिए, और शौचालय उत्तर-पश्चिम या उत्तर दिशा में होना चाहिए। सुनिश्चित करें कि बाथरूम में पर्याप्त हवा का आवागमन हो और इस क्षेत्र में दर्पण न लगाएं। वास्तु शास्त्र में प्राकृतिक प्रकाश का विशेष महत्व है, इसलिए सुनिश्चित करें कि आपके वास्तु के अनुसार बने घर में पर्याप्त रोशनी हो और पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख वाली कई खिड़कियाँ हों। खिड़कियों के सामने भारी फर्नीचर रखने से बचें, क्योंकि इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह अवरुद्ध हो सकता है।

रंगः आपके घर में इस्तेमाल किए गए रंग भी ऊर्जा प्रवाह पर प्रभाव डाल सकते हैं। हल्के और चमकीले रंग चुनें, जैसे सफेद, पीला और हरा, क्योंकि ये सकारात्मक ऊर्जा से जुड़े होते हैं। गहरे और गाढ़े रंगों से बचें, जैसे काला और लाल, क्योंकि ये नकारात्मकता से जुड़े होते हैं।

वास्तु शास्त्र में पौधों

का महत्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि वे घर में सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं। इन्हें पूर्व या उत्तर दिशा में लगाएं और दक्षिण या पश्चिम दिशा में लगाने से बचें।

जल संरचनाएं, जैसे कि फव्वारे, आपके वास्तु के अनुसार घर की ऊर्जा को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं। इन्हें उत्तर-पूर्व दिशा में स्थापित करें, क्योंकि यह दिशा जल से संबंधित है।घर को व्यवस्थित और साफ-सुथरा रखना वास्तु शास्त्र में महत्वपूर्ण है। कोनों में सामान जमा करने से बचें, क्योंकि इससे नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न हो सकती है। इसके बजाय, वास्तु के अनुसार अपने घर में खुली और हवादार जगह रखें और उसे फर्नीचर और सजावट के सामान से अधिक न भरें।वास्तु के अनुरूप घर बनाने के लिए क्या करें और क्या न करें सुनिश्चित करें कि मुख्य प्रवेश द्वार सही दिशा में हो (अधिमानतः पूर्व या उत्तर दिशा में)।

स्थिरता और शांति बनाए रखने के लिए अपने शयनकक्ष को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें।

हर कमरे में, खासकर बैठक कक्ष और रसोई में, प्राकृतिक रोशनी और हवादार वातावरण का ध्यान रखें।

समृद्धि लाने के लिए पौधों को पूर्व या उत्तर दिशा में रखें।

ऊर्जा के बेहतर प्रवाह के लिए जहां भी संभव हो, धातु के फर्नीचर के बजाय लकड़ी के फर्नीचर का उपयोग करें।

सुनिश्चित करें कि सभी कमरे अव्यवस्था मुक्त हों और ऊर्जा का सुचारू रूप से संचार हो सके।

क्या न करेंः

प्रवेश द्वार के ठीक सामने दर्पण लगाने से बचें, क्योंकि इससे ऊर्जा बाहर की ओर परावर्तित हो सकती है।

उत्तर दिशा की ओर सिर करके न सोएं, क्योंकि इससे ऊर्जा का प्रवाह बाधित होता है।

रसोई को उत्तर या उत्तर-पश्चिम दिशा में रखने से बचें, क्योंकि इससे असंतुलन पैदा हो सकता है। घर के बीचोंबीच कभी भी शौचालय न बनवाएं, क्योंकि इससे स्वास्थ्य और समृद्धि संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

कोनों को अव्यवस्थित न करें, विशेषकर उत्तर-पूर्व कोने को, क्योंकि इससे सकारात्मक ऊर्जा में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

वास्तु विशेषज्ञ का दृष्टिकोण वास्तु विशेषज्ञ निर्मित वातावरण और मानव कल्याण के बीच संबंध पर जोर देते हैं। उनके अनुसार, वास्तु सिद्धांतों का पालन करते हुए सुनियोजित घर किसी स्थान की ऊर्जा को बदल सकता है, जिससे स्वास्थ्य, संबंध और करियर सहित जीवन के विभिन्न पहलुओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विशेषज्ञों के दृष्टिकोण से, वास्तु को केवल नियमों के समूह के रूप में नहीं, बल्कि प्रकृति के तत्वों और मानव जीवन के बीच सामंजस्य स्थापित करने के समग्र दृष्टिकोण के रूप में समझना आवश्यक है।

माँ तुझे प्रणाम
26
JANUARY
आप सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
बृजेंद्र श्रीवास्तव DFO छतरपुर

वतन पर जो फिदा होगा , अमर वो हर नौजवान होगा,
रहेगी जब तक दुनिया ये , अफसाना उसका बयाँ होगा।
जय हिन्द, जय भारत
26
जनवरी
समस्त देशवासियों को
HAPPY Republic Day
भारतीय लोकतंत्र के महापर्व
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
किशोर कुमार कन्याल
जिला कलेक्टर गुना

26
JANUARY
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक
शुभकामनाएं
बलिदानों का सपना जब सच हुआ,
देश तभी आजाद हुआ,
आज सलाम करे उन वीरों को,
जिनकी शहादत से ये भारत गणतंत्र हुआ।
प्रदीप शर्मा
एस डी एम, सिटी ग्वालियर

26 January
Republic Day
आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
शिवदयाल धाकड़
एस डी एम
शिवपुरी

26
January
HAPPY
Republic Day
आप सभी को
गणतंत्र
दिवस
की बधाई
एवं शुभकामनाएं..!
शुभेच्छुक
आर डी नार्वे, सीनियर ऑडिटर

भारतीय संविधान की महानता, लोकतंत्र की अजेयता
एवं देश की एकता और अखंडता को समर्पित
गणतंत्र दिवस
की समस्त देशवासियों को हार्दिक
शुभकामना
कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, डबरा

अपनी सांस्कृतिक अनुभूतियों और प्रशिक्षण के निर्देशों का देश हित में करें उपयोग : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रशिक्षण आपको केवल अधिकारी नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार, संवेदनशील और सजग राष्ट्र-प्रहरी के रूप में तैयार करने का प्रयास है। प्रशिक्षण, व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रतिभागियों को एक-दूसरे के राज्य की संस्कृति, विशेषताओं और विविधताओं को समझने का अवसर देता है। विविधता में एकता की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु अपने राज्य की विशिष्टताओं की अनुभूतियों और प्रशिक्षण के निर्देशों का देश हित में उपयोग कर, "एक भारत-श्रेष्ठ भारत" के निर्माण में योगदान दे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल गुरूवार को सशस्त्र सीमा बल अकादमी भोपाल के प्रशिक्षु सहायक कमांडेंट्स को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सभी को राष्ट्र के प्रतिष्ठित बल में चयन की बधाई और शुभकामनाएं दी। लोकभवन के बैंक्वेट हॉल में आयोजित सौजन्य भेंट कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे।राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि आप सभी उन सौभाग्यशाली लोगों में शामिल हैं, जिन्हें सशस्त्र सीमा बल का हिस्सा बनकर माँ भारती की सेवा का महान अवसर मिला है।

26 जनवरी
गणतंत्र दिवस
हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक, हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका

आप सभी भारतवासियों को
गणतंत्र
26 January
दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
सारे जहां से अच्छा
हिंदुस्तान हमारा...
हम बुलबुले हैं इसकी
ये गुलसिता हमारा...!
२६ जनवरी
यशवंत गोयल थाना, माहराज पुरा

26
जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की
शुभकामनाएं
गहना
ज्वेलर्स
GEHNA JEWELLERS
शरद मंगल
सिटी सेन्टर, सराफा बाजार

26
जनवरी
भारतीय
लोकतंत्र के
महापर्व
गणतंत्र
दिवस
की आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं।
जय
हिन्द
आइए,इस अवसर पर हम सभी राष्ट्रीय
एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लें।
अर्चना बाजपेई,समरस्य समाज सेवी संस्था

26
जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
ओम प्रकाश सकलेचा,
विधायक जावद जिला नीमच

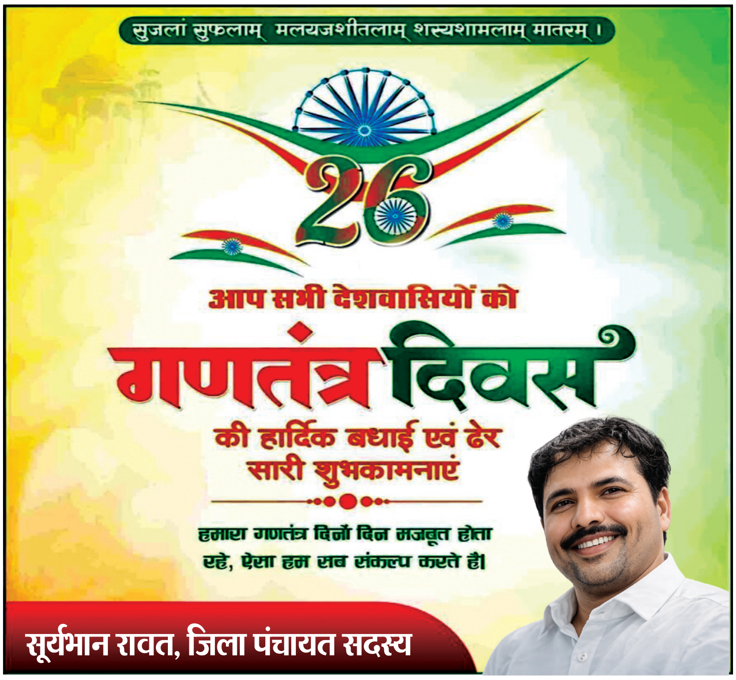
सुजलां सुफलाम् मलयजशीतलाम् शस्यश्यामलाम् मातरम् ।
26
आप सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं ढेर
सारी शुभकामनाएं
हमारा गणतंत्र दिनों दिन मजबूत होता
रहे, ऐसा हम सब संकल्प करते हैं।
सूर्यभान रावत, जिला पंचायत सदस्य

26 January
Republic Day
आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
अभिषेक दीक्षित
एफ .एन.बी मैनेजर
लैंडमार्क. एन .एक्स

26
जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
दिव्य दर्शन शर्मा
डबरा तहसीलदार

वतन पर जो फिदा होगा , अमर वो हर नौजवान होगा,
रहगी जब तक दुनिया ये , अफसाना उसका बयाँ होगा।
जय हिन्द, जय भारत
26
जनवरी
समस्त देशवासियों को
Happy Republic Day
भारतीय लोकतंत्र के महापर्व
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
Penciaart.com
मयंक अग्रवाल, सचिव भोपाल

माँ तुझे प्रणाम
26
JANUARY
आप सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
विधायक पारस जैन

भारतीय संविधान की महानता, लोकतंत्र की अजेयता
एवं देश की एकता और अखंडता को समर्पित
गणतंत्र दिवस
की समस्त देशवासियों को हार्दिक
शुभकामना
विजय शर्मा, तहसीलदार घाटीगांव

स्वतंत्रता दिवस
कि हार्दिक शुभकामनाएँ
राजीव समाधियां,एस. डी.एम. भीतरवार

26
जनवरी
आप सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
आओ तिरंगा लहरायें, आओ तिरंगा फहरायें, अपना गणतंत्र दिवस है आया, झूमे,नाचे,ख़ुशी मनाये।
मोहम्मद शरीफ खान जिला कम्युनिटी
मोबाइलाइजर जिला ग्वालियर

भारती को गुलामी की बेड़ियों से
आज़ादी दिलाने वाले महान स्वतंत्रता
सेनानियों को कोटि-कोटि नमन
समस्त देशवासियों को राष्ट्रीय महापर्व
स्वतंत्र दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
मनीष पांडे, इंदौर जिला अध्यक्ष
अखिल भारती हिंदू सेवादल

भारतीय संविधान की महानता, लोकतंत्र की अजेयता
एवं देश की एकता और अखंडता को समर्पित
गणतंत्र दिवस
की समस्त देशवासियों को हार्दिक
शुभकामना
विनीत त्रिपाठी जी. एम.
(होटल लैंड मार्क .एन. एक्स) ग्वालियर एवं सलाहकार
(हमारा देश हमारा अभिमान) मासिक पत्रिका

गणतंत्र दिवस
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
मोहन सिंह राठौर विधायक
भीतरवार विधानसभा

माँ तुझे प्रणाम
26
JANUARY
आप सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
दिलराज किरार
मुरार जनपद अध्यक्ष ग्वालियर

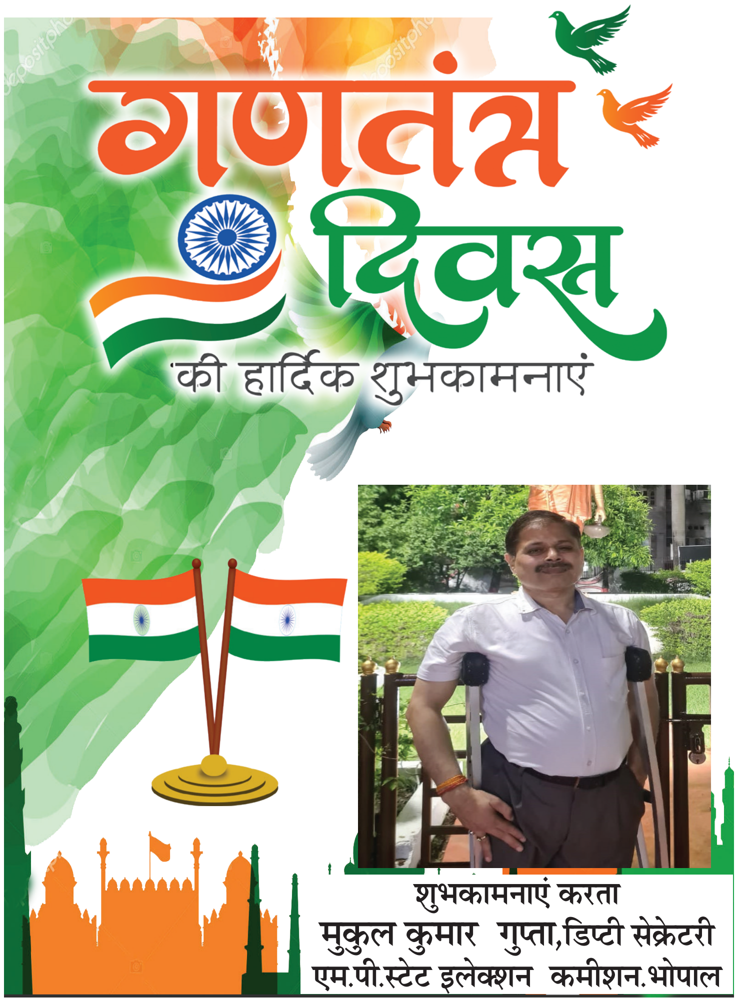
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
शुभकामनाएं करता
मुकुल कुमार गुप्ता,डिप्टी सेक्रेटरी
एम.पी.स्टेट इलेक्शन कमीशन.भोपाल

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जयराज कुबेर,एड.एसपी ग्रामीण ग्वालियर

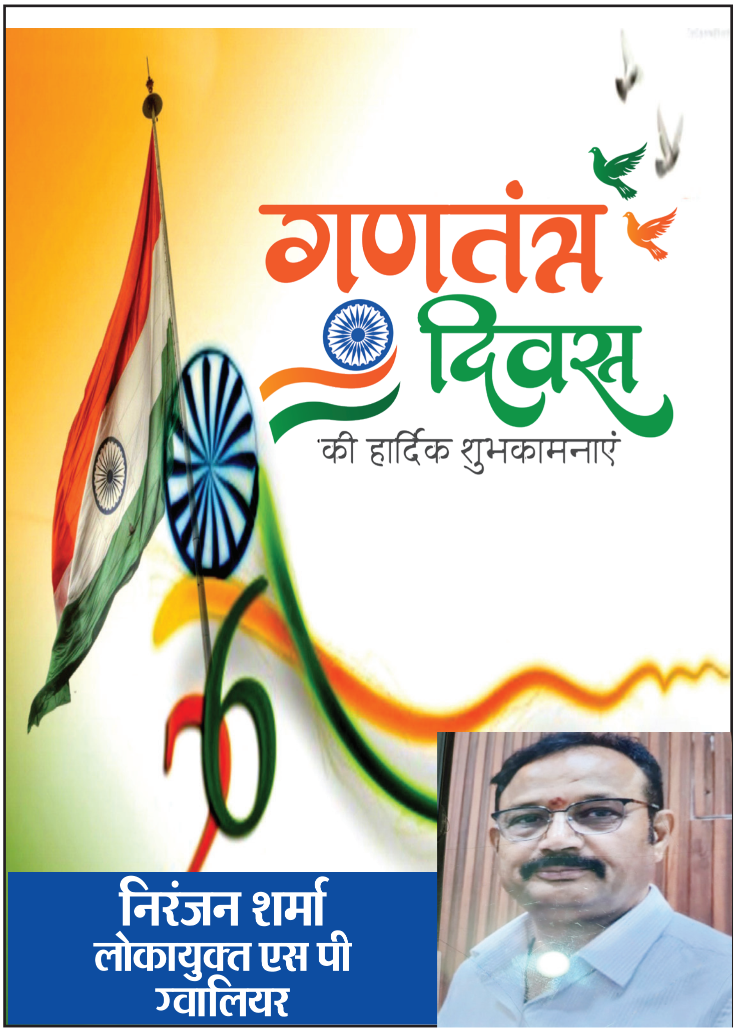
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
निरंजन शर्मा
लोकायुक्त एस पी
ग्वालियर

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं
26
January
Happy Republic Day
सुरेश राजे
डबरा विधायक (कांग्रेस)

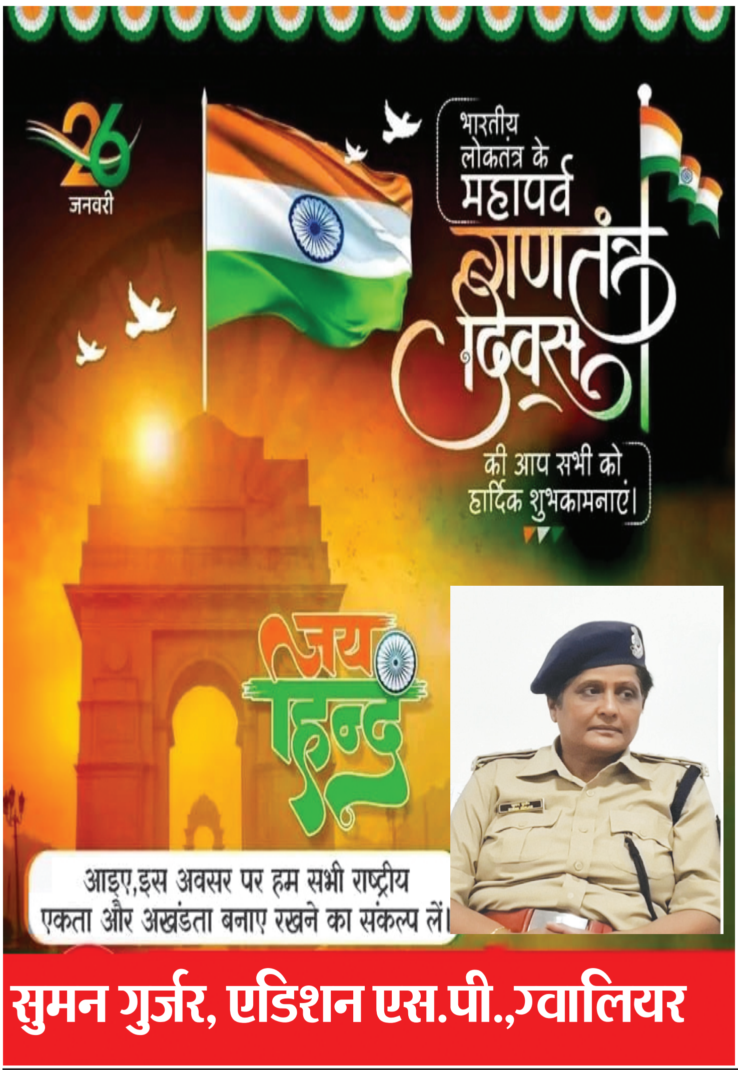
26
जनवरी
भारतीय
लोकतंत्र के
महापर्व
गणतंत्र
दिवस
की आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं।
जय
हिन्द
आइए,इस अवसर पर हम सभी राष्ट्रीय
एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लें।
सुमन गुर्जर, एडिशन एस.पी.,ग्वालियर

आन देश की शान देश की, देश की हम संतान हैं,
तीन रंगों से रंगा तिरंगा, अपनी ये पहचान है!
26
JANUARY
HAPPY REPUBLIC DAY
समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई
एवं ढेर सारी
शुभकामनाएं
THE STATE CITIZEN SAKH SAHAKARI SANSTHA MARYADIT
S/C
DABRA
पता : रोहिरा कॉम्पलेक्स, संत कंवर
राम स्कूल चौराहा, डबरा
राधेश्याम गुप्ता
पंकज जैन

वंदे मातरम
26
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
अमित सांघी,
डी आई जी ग्वालियर संभाग

26
जनवरी
आप सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
आओ तिरंगा लहरायें, आओ तिरंगा
फहरायें, अपना गणतंत्र दिवस है आया,
झूमे,नाचे,खुशी मनाये।
सूरज वर्मा
पुलिस अधीक्षक ,दतिया

पुरुषों के लिए बेस्ट फैशन टिप्स

शानदार ड्रेसिंग सेंस के साथ मिलेगा स्टाइलिश लुक

पुरुषों में फैशन का क्रेज पिछले कुछ सालों में काफी बढ़ गया है। जब आप अच्छे से तैयार होते हैं, तो इससे आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हो सकती है। सही कपड़े पहनने से आप अपने आप को बेहतर महसूस करते हैं और इस आत्मविश्वास का असर आपके व्यवहार और बातचीत पर भी पड़ता है।

फैशन एक प्रकार की कला

फैशन एक प्रकार की कला है। इसमें रंग, डिजाइन, और विभिन्न पैटर्न्स का इस्तेमाल करके आप अपने व्यक्तित्व को दिखाते हैं। यह सिर्फ कपड़े नहीं बल्कि एक तरीका है अपने अंदर की क्रिएटिविटी को बाहर लाने का। आजकल अधिकतर पुरुष फैशन की तरफ ध्यान दे रहे हैं।

हर मौके के लिए अलग स्टाइल

अच्छे कपड़े और फैशन का मतलब हमेशा स्टाइलिश दिखना नहीं होता। यह भी जरूरी है कि कपड़े आपके शरीर के प्रकार और फिट के अनुसार सही हों, ताकि आप ज्यादा आरामदायक और फिट महसूस कर सकें। एक इंटरव्यू, पार्टी या फिर रोज़मर्रा की ज़िंदगी के लिए अलग-अलग तरह के फैशन हो सकते हैं।

आकर्षक लुक पाने के लिए रखें इन चीजों का ध्यान

पुरुष अक्सर खुद को स्टाइलिश और ट्रेंडी तरीके से रखने की कोशिश करते हैं। इसके बावजूद कभी-कभी मनचाहा लुक पाना मुश्किल हो सकता है। आकर्षक लुक पाने के लिए सही एक्सेसरीज का चयन करना बहुत ज़रूरी है। सनग्लास, वॉलेट और बेल्ट जैसी ज़रूरी चीज़ें, स्टाइलिश या स्मार्ट वॉच के साथ मिलकर पुरुषों के पहनावे को काफ़ी हद तक निखार सकती हैं।

सही शर्ट का चयन करना ज़रूरी

जब शर्ट की बात आती है तो विकल्प बहुत सारे हैं, जो विभिन्न अवसरों के लिए उपयुक्त हैं। पुरुष कैजुअल मैंडरिन कॉलर शर्ट, डेनिम स्लिम कैजुअल शर्ट, प्लेन फिट कैजुअल शर्ट, सॉलिड रेगुलर फिट कैजुअल शर्ट और नॉर्मल कॉटन शर्ट जैसी शर्ट की एक सीरीज से अपने हिसाब से चयन कर सकते हैं।

ऐसे करें सही जूतों का चुनाव

जूतों का चुनाव किसी भी पहनावे को पूरा करने में अहम भूमिका निभाता है। काले जूते ऑफिश्यली मौकों के लिए एक क्लासिक विकल्प हैं और ऑफिस मीटिंग या इवेंट के लिए भी उतने ही अच्छे हैं। जो लोग अपने लुक में स्टाइल को जोड़ना चाहते हैं, उनके लिए रेड टेप फॉर्मल शूज़ एक फैशनेबल विकल्प है।

सही कोट और पैंट कैसे चुने

कोट और पैंट में बेहतरीन लुक पाने के लिए पुरुष कई तरह के स्टाइल आजमा सकते हैं जैसे कि टाइप अप कोट, स्लिम फिट सिंगल-ब्रेस्टेड सूट, स्लिम फिट सूट और फुल शोल्डर डिज़ाइन वाले स्लिम कट 3डी कोट पैंट। इसके अलावा कैजुअल और स्लिम फिट ब्लेज़र उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प हैं जो ज़्यादा आरामदायक लुक चाहते हैं।

26 January
Republic Day
आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
कमांडो कमल किशोर
पूर्व सांसद बहराई

26
जनवरी
समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
मनोज भारद्वाज
मध्य प्रदेश वाइस चेयरमैन
पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन रिषद (इकाई भारत)

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई
पर्यावरण की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य और धर्म है।
अपील- 1. एक पेड़ मा के नाम लगाए 2.पेड़ो की कटाई ना करे. 3. पन्नी का उपयोग ना करे और स्वच्छता बनाए रखे.
उदयान कुलश्रेष्ठ जी
केंद्रीय वाइस चेयरमैन
पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन
संवर्धन परिषद (इकाई भारत)

माँ तुझे प्रणाम
26
JANUARY
आप सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
डॉ. विजय पाठक, सीबीएमओ

वतन पर जो फिदा होगा , अमर वो हर नौजवान होगा,
रहगी जब तक दुनिया ये , अफसाना उसका बयाँ होगा।
जय हिन्द, जय भारत
26
जनवरी
समस्त देशवासियों को
Happy Republic Day
भारतीय लोकतंत्र के महापर्व
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
Penciaart.com
विनोद कुमार बांगड़े अधिक्षक भोमिकीविद
तथा कार्यालय समस्त खनिज विभाग, भोपाल

26
JANUARY
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक
शुभकामनाएं
बलिदानों का सपना जब सच हुआ,
देश तभी आजाद हुआ,
आज सलाम करे उन वीरों को,
जिनकी शहादत से ये भारत गणतंत्र हुआ।
रितु मुदगल, नायाब
तहसीलदार, भोपाल

शुभकामनाएं कर्ता

मैसर्स पलिया कंस्ट्रक्शन कंपनी के संरक्षण श्री द्वारिका प्रसाद एवं उनके पुत्र मैनेजिंग डायरेक्टर इंजीनियर अनुप शर्मा तथा पोत्र इंजिनियर शिवम शर्मा, सत्य शर्मा एवं समस्त पलिया कंस्ट्रक्शन परिवार

हमारा देश हमारा अभिमान

||हर हर महादेव||

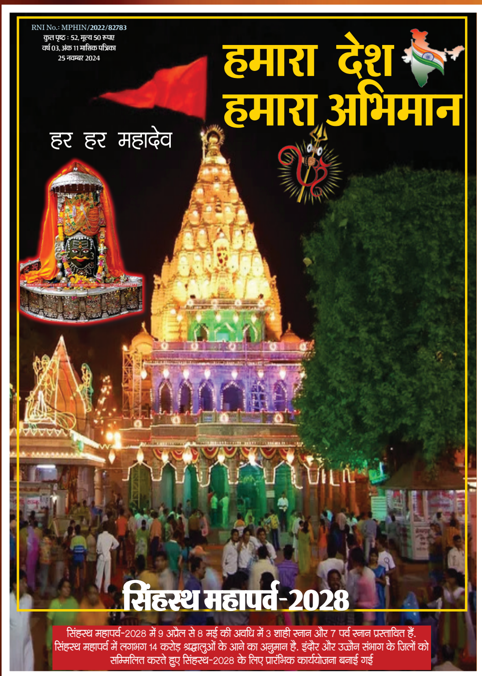

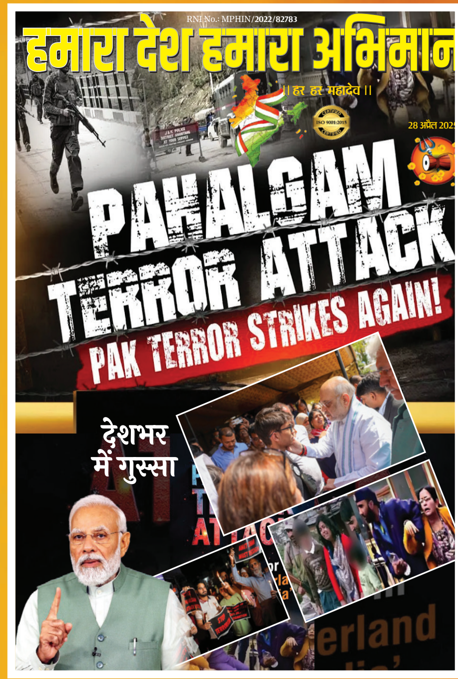

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें......

मनोज चतुर्वेदी : 9826636922, 8839259136